फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, रविवार 23 जून, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Israel Out Thought...

What is more important is the reasons that have led to this counter terrorism failure. Internal bitterness, political instability, and acrimony within Israel.

Myth Of The Fast Learner

Achievement gaps come from differences in learning opportunities

सिर्फ इंसान ही ऐसे नहीं हैं जो दूध में भीगी रोटी या चाय में बिस्कुट डुबाकर खाना पसंद करते हैं, कुछ कॉकटू (काकातुआ) भी खाने से पहले अपने भोजन को गीला करते हैं। युनिवर्सिटी ऑफ विएना के शोधकर्ताओं ने पहली बार देखा कि, गॉफिन्स कॉकटू अपना भोजन पानी में डूबोकर खाते हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे कुछ लोग चाय में बिस्कुट डुबाते हैं। शोधकर्ताओं ने बायॉलजी जर्नल में लिखा है कि, किस तरह से उन्होंने पक्षीशाला में पक्षियों के कटोरों में रस्क, सूखे फलों के टुकड़े और पक्षियों के भोजन के पैलैट्स रखे, वहाँ पास में पानी भरे टब भी रखे हुए थे। बारह दिन चली रिसर्च में टीम ने रिकॉर्ड किया कि, पक्षियों ने अपना खाना पानी में डुबोया, क्या डुबोया, कितनी देर तक डुबोए रखा, और क्या फिर वो खाना खाया। टीम ने पाया कि, 18 में से 7 कॉकटू ने कम से कम एक बार तो अपना भोजन अवश्य गीला किया और दो पक्षियों ने तो हर बार रस्क को पानी में भिगोकर ही खाया। भिगोए जाने वाले भोजन में रस्क सबसे आम था। कभी-कभी इन पक्षियों ने बनाना चिप्स तथा सूखे नारियल चिप्स को भी पानी में डुबोया। टीम ने बताया कि, पक्षियों का यह विशिष्ट व्यवहार रस्क के प्रति अधिक था, जो कड़ा होता है, पर जल्दी से पानी सोख लेता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि, सातों कॉकटू ने भोजन कितनी देर तक डुबोया, इस अवधि में अंतर था। कुछ ने तो काफी देर तक रस्क पानी में डुबोए रखा। शोधकर्ताओं ने कहा, पक्षियों ने रस्क को इसलिए डुबोया क्योंकि, शायद वे इसे नर्म करना चाहते थे, इस व्यवहार से लगता है कि, वे भोजन तैयार करने के बारे में जानते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि, इस प्रक्रिया में, भोजन खाने की लालसा पर नियंत्रण रखने की ज़रुरत होती है, क्योंकि संतुष्टि मिलने में देर होती है, इसलिए पक्षियों का यह व्यवहार, भोजन के संदर्भ में उनकी चतुरता को दर्शाता है। शोध में बताया गया कि, चूँकि भोजन डुबोकर खाने की यह प्रवृत्ति जंगलों के इनके प्राकृतिक आवास में नहीं देखी गई है, इसलिए हमें लगता है कि, यह तत्क्षण ही किया गया "इनोवेशन" हो सकता है।

इंडिया गठबंधन प्रो-टैम स्पीकर की सहायतार्थ गठित पैनल में अपने सांसद नहीं भेजेगा?

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि मेहताब की मदद के लिए गठित सांसदों के पैनल में इण्डिया गठबंधन से कांग्रेस सांसद के. सुरेश, टी.एम.सी. के सुदीप बंदोपाध्याय व डी.एम.के. सांसद टी.आर. बालू को मनोनीत किया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **इंडिया गठबंधन के ये तीनों सांसद पैनल की सदस्यता स्वीकार करेंगे।**
- **इंडिया गठबंधन का कहना है कि, कांग्रेस के केरल से सांसद के. सुरेश आठ बार लोकसभा के सदस्य रहे हैं। अतः सुरेश को प्रो-टैम स्पीकर न बनाकर ओडिशा से भाजपा के सांसद भर्तृहरि, जो सात बार ही सांसद बने हैं, को प्रो-टैम स्पीकर बनाना परम्परा का उल्लंघन है।**
- **अतः उल्लंघन के विरोध में, इंडिया गठबंधन प्रो-टैम स्पीकर की मदद के लिये गठित वरिष्ठ सांसदों के पैनल की सदस्यता अस्वीकार कर रहा है।**
- **संसदीय मामलों के मंत्री रिजीजू ने सरकार को सही बताते हुए कहा कि, सुरेश आठ बार तो सांसद निर्वाचित हुए हैं, पर, वे लगातार सांसद नहीं रहे हैं। वे 1998 से 2004 के बीच चुनाव हारने के कारण, सांसद निर्वाचित नहीं हुए थे।**

नई दिल्ली, 22 जून। इंडिया ब्लॉक से तीन विपक्षी नेताओं को अध्यक्ष के पैनल के लिए नामित किया गया था जो प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि महताब को सहयोग करने वाले थे। इन सूत्रों के हवाले से खबर है कि विपक्षी सांसद पैनल से अपना नाम वापस लेने वाले हैं।

यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि विपक्षी दलों को प्रो-टैम स्पीकर के रूप में भर्तृहरि महताब की नियुक्ति पर आपत्ति की है।

महताब, उड़ीसा की कटक सीट से भाजपा के सदस्य हैं, उन्हें संविधान के अनुच्छेद 91(1) के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रो-टैम स्पीकर के पद पर नियुक्त किया है, वे 26 जून को लोकसभा का स्थायी अध्यक्ष चुने जाने तक लोकसभा के पीठासीन अधिकारी के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे। विशेष संसद सत्र के दौरान प्रो-टैम स्पीकर लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराएंगे, इस दौरान उनके सहयोग के लिए अध्यक्षों के एक पैनल की भी घोषणा की जाएगी।

विपक्षी दलों के सूत्रों से खबर है कि विपक्षी दलों से तीन सांसद- कांग्रेस नेता के. सुरेश, टी.एम.सी. सांसद सुदीप बंदोपाध्याय तथा डी.एम.के. नेता टी.आर.बालू- का नाम प्रो-टैम स्पीकर को सहयोग करने वाले पैनल में रखा गया था, अब वे इस पैनल से हटने पर विचार कर रह हैं।

इस पैनल में भाजपा से लोकसभा सदस्य राधा मोहन सिंह व फग्गन सिंह कुलस्ते भी शामिल सदस्य हैं।

कांग्रेस के अनेक नेताओं ने प्रो-टैम स्पीकर पद पर महताब की नियुक्ति को लेकर आपत्तियां प्रकट की है क्योंकि कांग्रेस के सांसद के. सुरेश का सदन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या टी.एम.सी. व कांग्रेस में "अब्बा" हो गयी?

टी.एम.सी. नेता ममता बनर्जी ने, कांग्रेस पार्टी की वायनाड से प्रत्याशी प्रियंका गांधी वाड्रा के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए अपनी सहमति दी

-श्रनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी. चिदम्बरम् कोलकाता जाकर, मु.मंत्री ममता बनर्जी से उनके ऑफिस में मिले, तथा प्रियंका गांधी के लिए प्रचार करने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने उनका सुझाव स्वीकार करते हुए अपनी सहमति दी।**
- **यह घटनाक्रम चौंकाने वाला इसलिए है, क्योंकि, लोकसभा चुनाव के दौरान ही नहीं, वरन, मतदान के बाद भी दोनों पार्टियों में तलवार खिचीं हुई थीं।**
- **टी.एम.सी. के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी सपा के अखिलेश यादव व आप के राघव चड्ढा से मुलाकात करके, इंडिया गठबंधन में अपना ग्रुप बनाने की चेष्टा की थी, जिसमें कांग्रेस शामिल नहीं थी।**
- **इसके बाद टी.एम.सी. का प्रतिनिधि मण्डल, मुम्बई जाकर शरद पवार से मिला, और एग्ज़िट पोल के मार्फत स्टॉक एक्सचेंज में हेराफेरी व घोटाले की जांच के लिए, मुम्बई में प्रदर्शन आयोजित किया।**
- **पर, प्रदर्शन में कांग्रेस आमंत्रित नहीं थी, हालांकि, राहुल गांधी ने सबसे पहले इस मुद्दे पर जे.पी.सी. गठित करने की मांग उठायी थी।**
- **"अब्बा" होने का सुबूत यह भी है कि, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी कहना शुरु किया कि, उनकी ममता बनर्जी से लड़ाई व्यक्तिगत नहीं, तथा उन्होंने 2011 में सोनिया गांधी को राय दी थी कि, मार्क्सवादी पार्टी से लड़ने के लिये ममता बनर्जी से गठबंधन करना चाहिए, क्योंकि ममता बनर्जी ही एक मात्र विश्वसनीय चेहरा हैं, बंगाल में।**

नई दिल्ली, 22 जून। आगामी संसद सत्र से पहले कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस ने अपने आपसी मतभेदों का समाधान कर लिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस के इस सुझाव को मान लिया है कि वे वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए चुनाव प्रचार करेंगी।

लोकसभा चुनावों के चरणबद्ध चुनाव प्रचार अभियान के दौरान और उसके बाद दोनों पार्टियां वस्तुत आपसी खींचतान में उलझी हुई थी और अधीर रंजन चौधरी कई बार तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ निशाना साध चुके थे। चुनावी प्रक्रिया की समाप्ति के बाद भी कोई तालमेल नजर नहीं आया था। चुनावों के परिणाम के बाद टी.एम.सी. में दूसरे नम्बर के पदाधिकारी अभिषेक बनर्जी विभिन्न मुद्दों पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सक्रियता से मेलमिलाप करते देखे गए थे। परन्तु कांग्रेस के साथ नहीं। परिणामों के बाद बनर्जी सबसे पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मिले उसके बाद उन्होंने आप पार्टी के नेता राघव चड्ढा से मुलाकात की।

उसके बाद अभिषेक मुम्बई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने गए। इस सप्ताह के प्रारंभ में, टीएमसी का एक प्रतिनिधि मंडल, जिसमें कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष व साकेत गोखले शामिल थे, ने एग्जिट पोल पर स्टॉक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने तमिलनाडू के मु.मंत्री से इस्तीफा मांगा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। तमिलनाडू सरकार अवैध शराब दुखान्तिका को लेकर दबाव में है और विपक्षी दल अन्नाद्रमुक तथा भाजपा के प्रहार झेल रही है। तमिलनाडू के कल्लाकुरिची जिले के करूणापुरम में जहरीली शराब

- **भाजपा का कहना है कि, तमिलनाडू में हुई शराब दुखांतिका में 55 लोग मारे जा चुके हैं और इसकी नैतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री स्टालिन की है।**

का सेवन करने के बाद अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है।

शराब दुखान्तिका के बाद मुख्य विपक्षी पार्टी बनने की जद्दोजहद भी शुरु हो चुकी है और अन्नाद्रमुक ने इस मामले में बाजी मारते हुए इस प्रकरण को विधानसभा के भीतर और बाहर सड़कों पर बड़े सशक्त तरीके से उठाते हुए राज्य के मद्यनिषेध एवं आबकारी मंत्री एस. मुथुस्वामी के इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक अमेरिकी कंपनी से अनुबंधन किया

यह कंपनी राज्य सरकार को प्रदेश की वित्तीय स्थिति को स्वस्थ व चुस्त बनाने में मदद करेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **कर्नाटक के भाजपाध्यक्ष ने इस अनुबंधन को "ईस्ट इंडिया कंपनी" की वापसी की संज्ञा दी।**
- **भाजपा ने यह भी कहा कि, जब भी विदेशी कंपनी, कब और कैसे और कितने टैक्स लगाने की सलाह देती है, प्रदेश के मध्यम वर्ग व कमज़ोर वर्ग को सबसे ज्यादा कष्ट उठाना पड़ता है, क्योंकि, सभी वैलफेयर स्कीम्स को रोक देने की पहली सलाह होती है।**
- **कांग्रेस ने प्रत्युत्तर में कहा कि, प्र.मंत्री मोदी ने भी अपना "2047 विज़न डॉक्युमैंट" तैयार करने के लिये, इसी अमेरिकी कंपनी को जिम्मेवारी सौंपी थीं। इसके अलावा, प्र.मंत्री मोदी समय-समय पर अन्य विदेशी कन्सल्टिंग कंपनियों, मैकिन्सी, के.पी.एम.जी., डलॉइट की सलाह लेते रहे हैं।**

नई दिल्ली, 22 जून। कर्नाटक सरकार द्वारा अमेरिका की एक कन्सल्टिंग फर्म को हायर करने को लेकर एक तीखी बहस छिड़ गई है। दरअसल, कर्नाटक सरकार कांग्रेस की गारंटियों को लागू करने के बाद अस्त व्यस्त हुई अपनी वित्तीय स्थिति का चुस्त-दुरूस्त बनाने के लिए इस फर्म की मदद ले रही है, लेकिन विपक्षी भाजपा का मानना है कि "विदेशी फर्म की मदद लेना शासन की बागडोर ईस्ट इण्डिया कंपनी को सौंपने के समान है।"

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाय. विजेन्द्र ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए उसे "अनैतिक एवं चौंका देने वाला" बताया। विजेन्द्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर लिखी एक पोस्ट में कहा कि "कर्नाटक की कांग्रेस सरकार स्वयं को प्रभावी ढंग से अनुपयुक्त एवं अक्षम घोषित कर रही है। जब राज्य सरकार किसी विदेशी एजेंसी के दिशा निर्देशों से संचालित होती है, तब लोक कल्याण की भावना गौण हो जाती है और निर्दोष नागरिक ही पीड़ा भुगतते हैं।"

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुण्डूराव ने राज्य सरकार के निर्णय की तरफदारी करते हुए कहा कि भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री ने इसी कन्सल्टिंग फर्म के अलावा मैकिन्से, के.पी.एम.जी. तथा डैलॉइट आदि विदेशी फर्मों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पी.जी. प्रवेश परीक्षा टली

नई दिल्ली, 22 जून। केंद्र सरकार ने उच्च चिकित्सा शिक्षा एम.बी.बी.एस. पूरा करने के बाद पी.जी. में प्रवेश के लिए ली जाने वाली नीट पी.जी. एंट्रेस एग्ज़ाम टालने की घोषणा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार

- **एन.टी.ए. ने नीट पीजी परीक्षा टालने की घोषणा कर दी है। परीक्षा की नयी तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। नीट पीजी प्रवेश परीक्षा 23 जून को निर्धारित थी।**

को यहां बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की नीट पीजी परीक्षा टाल दी गई है। परीक्षा की नयी तिथियां की घोषणा बाद में की जाएगी।

नीट पीजी प्रवेश परीक्षा कल 23 जून को निर्धारित थी। मंत्रालय ने कहा है कि हाल ही की कुछ प्रवेश परीक्षाओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अतिक्रमण हटाओ अभियान अपने विधानसभा क्षेत्र से शुरु किया

भजनलाल सरकार का स्पष्ट मैसेज है, "अतिक्रमण करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा"

-कार्यालय संवाददाता-

- **जे.डी.ए. प्रशासन ने गत 18 जून से सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रखा है और हीरापथ, बी-2 बाईपास से वंदेमातरम् मार्ग तक 100 फीट सैक्टर रोड सीमा के अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।**
- **कुल 251 अतिक्रमणों में से 225 कब्जे हटाए जा चुके हैं।**
- **सरकार की इस कार्यवाही से जयपुर हैरिटेज के उन क्षेत्रों में भी सुगबुगाहट है, जहां लोगों ने परकोटे व अन्य जगहों पर भारी अतिक्रमण कर रखा है।**
- **ज्ञातव्य है कि, 2019 में जब जयपुर के चार दीवारी क्षेत्र को युनैस्को ने विश्व विरासत घोषित किया था तब परकोटे से सटे 400 छोटे-बड़े अतिक्रमण हटाने की सिफारिश की गई थी, पर तत्कालीन गहलोत सरकार व उनके नगर विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इस पर चुप्पी साधे रखी।**
- **सरकार के ठंडे रूख का कारण था कि, हैरिटेज निगम की चार सीटों पर कांग्रेस विधायक थे और वे अपने वोट बैंक को नाराज़ नहीं करना चाहते थे।**

जयपुर, 22 जून। राजधानी जयपुर में न्यू सांगानेर रोड से वंदे मातरम मार्ग तक प्रस्तावित 100 फीट सेक्टर रोड पर 251 से ज्यादा अतिक्रमण हटाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण पिछले 3 दिनों से अभियान चला रहा है।

भले ही यह कार्रवाई राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर हो रही है, लेकिन सांगानेर विधानसभा क्षेत्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सीट है, वे यहीं से पहली बार विधायक चुनाव जीते और मुख्यमंत्री भी बने। इसके बावजूद अतिक्रमियों पर सख्त कार्रवाई में उन्होंने कोई राजनैतिक हस्तक्षेप नहीं होने दिया। माना जा रहा है कि, मुख्यमंत्री ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के अतिक्रमियों पर कार्रवाई के जरिए साफ संदेश दिया है कि "जयपुर शहर समेत प्रदेशभर में कहीं भी अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे फिर कोई भी विधानसभा क्षेत्र क्यों न हो।"

जयपुर, जोधपुर, कोटा समेत तमाम बड़े शहरों में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण करने की समस्या पिछले काफी सालों से लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन कोई भी मंत्री-विधायक अपने क्षेत्र में वोट बैंक की वजह से कार्रवाई नहीं होने देता है, और अतिक्रमण की यह समस्या "नासूर" बन गई।

इसका प्रमुख उदाहरण जयपुर परकोटा है, जब वर्ष 2019 में यूनेस्को ने "जयपुर चारदीवारी" विश्व विरासत सूची में शामिल किया था, तब परकोटे की दीवार से सटे हुए 400 से ज्यादा छोटे-बड़े अतिक्रमण हटाने की सिफारिश की थी, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और तत्कालीन नगर विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इन अतिक्रमणों को हटाने के नाम पर चुप्पी साध ली। क्योंकि जयपुर परकोटे में किशनपोल, हवामहल, आदर्श नगर और सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के मंत्री-विधायक थे, जो किसी भी सूरत में अपने वोट बैंक को नाराज़ नहीं करना चाहते थे। कांग्रेस के इन मंत्री-विधायकों के दबाव में परकोटे से अतिक्रमण हटाने का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। हालांकि धारीवाल ने जयपुर परकोटे को अतिक्रमण मुक्त करने के बड़े बड़े दावे किए थे, यहां तक कि ड्रोन सर्वे करवाकर चारदीवारी के नज़दीक हो रहे सभी अवैध निर्माणों को चिन्हित करने की बात भी कही थी, लेकिन ये सभी दावे सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गए।

अतिक्रमण बढ़ने का एक दूसरा प्रमुख कारण यह भी था कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा की नगरीय निकायों में अपना महापौर बनाने के लिए परिसीमन के नाम पर वार्डों को छोटा करके वोट बैंक को अपने हिसाब से बांटा था, जिसका कांग्रेस को फायदा भी मिला, लेकिन सत्ता की इस चाहत के कारण अवैध निर्माण और अतिक्रमणों पर कोई एक्शन नहीं लिया। जयपुर शहर के दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से बार-बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्तों को उम्रकैद

जयपुर, 22 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने तथा पीड़िता को अन्य अभियुक्तों को सौंपने और उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करने का

- **जिले की पॉक्सो कोर्ट ने तीनों आरोपियों पर 3.25 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। अभियुक्तों ने पीड़िता से दुष्कर्म कर वीडियो बनाया और फिर उसे ब्लैकमेल कर अन्य लोगों के पास जाने को मजबूर करने लगे व उससे जेवर व पैसे भी ऐंठ लिये।**

सिलसिला चलाने वाले अभियुक्त हंसराज, पवन कुमार और जीतू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों अभियुक्तों पर कुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का निर्बाध नियंत्रण हो तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा पेपर लीक नहीं करा सकती

आइये भारत में परीक्षा के संबंध में दो उदाहरण देखते हैं।

पहला, व्यापम घोटाला, जिसे मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) घोटाला के नाम से जाना जाता है। यह भारतीय इतिहास के सबसे बड़े भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में भ्रष्टाचार के मामलों में से एक है। इस घोटाले में राजनीतिक, नौकरशाही और शैक्षिक तंत्र की मिलीभगत से मेडिकल प्रवेश, भर्ती परीक्षाओं और अन्य शैक्षिणक परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। फर्जी उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठाने, पेपर लीक करने और रिश्वत लेकर चयनित करने जैसी गतिविधियों ने इस घोटाले को उजागर किया। इसकी जांच के दौरान कई संदिग्ध मौतें भी हुईं, जिसने इस घोटाले की गंभीरता को और बढ़ा दिया। इस घटना ने न केवल मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाई, बल्कि पूरे देश में शिक्षा और भर्ती प्रणाली की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े किए। अनेक सवाल आज भी अनुत्तिरत हैं।

दूसरा, संघ लोक सेवा आयोग भारत की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं का आयोजन करता है, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा, भारतीय वन सेवा परीक्षा, और विभिन्न अन्य केंद्रीय सेवाओं की परीक्षाएं शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग अपनी सख्त और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है, जिसके कारण इसके पेपर कभी लीक नहीं होते। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रक्रिया में कड़े सुरक्षा प्रबंध, गोपनीयता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग और उत्तरदायी, ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति शामिल होती है। इन सबके प्रयास से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं निष्पक्ष और विश्वसनीय बनी हुई हैं, जिससे देश भर में इसकी प्रतिष्ठा बनी हुई है और यह एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कैसे एक सशक्त परीक्षा प्रणाली संचालित की जा सकती है।

दोनों ही उदाहरण भारत के हैं। व्यापम घोटाला और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के मामलों की तुलना में साफ़ अंतर दिखता है। व्यापम घोटाला मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का कथित प्रतीक है, जिसमें फर्जी उम्मीदवारों, पेपर लीक और रिश्वत के माध्यम से प्रवेश और भर्ती में हेराफेरी किये जाने की जानकारी सामने आई और जो भी गवाह थे सब एक-एक कर दुनिया से चले गए। इसके विपरीत, संघ लोक सेवा आयोग अपनी सख्त और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है, जिसमें गोपनीयता और सुरक्षा के कड़े प्रबंध होते हैं। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अब तक पेपर लीक जैसी घटनाएँ प्रायः नहीं हुई हैं, जो इसकी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को साबित करती हैं। इस प्रकार, जहां व्यापम घोटाला शिक्षा प्रणाली की विफलता का उदाहरण है, वहीं संघ लोक सेवा आयोग उत्कृष्ट परीक्षा प्रबंधन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है।

यहाँ एक बात साफ़ है कि संस्थाओं में ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठऔर संविधान-निष्ठव्यक्तियों का नियंत्रण हो तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती। एक गहरा संदेश यह है कि हमारे शिक्षा और परीक्षा प्रणाली और उसके संचालन में सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। शिक्षा किसी भी देश के समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण की रीढ़ होती है और परीक्षा प्रणाली उसका एक महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा होती है। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखना न केवल छात्रों के भविष्य के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नित के लिए भी महत्वपूर्ण है।

पेपर लीक की समस्या पिछले कुछ वर्षों में एक गंभीर मुद्दा बन गई है। कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे न केवल छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है, बल्कि पूरी शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे हैं। यह समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होती है। जब एक परीक्षा का पेपर लीक होता है, तो उसके परिणाम स्वरूप जो असमानता और अन्याय होता है, वह पूरे समाज में असंतोष और अविश्वास का कारण बनता है।

इस समस्या के समाधान के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि परीक्षा संचालन और प्रश्नपत्र तैयार करने के कार्य में कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार व्यक्तियों को शामिल किया जाए। कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति अपने कार्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जुटे रहते हैं और किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते। उनका नैतिक आधार मजबूत होता है और वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से समझते हैं। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालते हैं, तो परीक्षा प्रक्रिया के सभी पहलुओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ जाती है। ये व्यक्ति यह सुनिश्चित करते हैं कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। वे सभी चरणों में सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हैं, जिससे पेपर लीक होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे ठोस चरित्र वाले लोग किसी नेता, मंत्री की नाजायज सिफारिश नहीं सुनते।

> **कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का नियंत्रण होना केवल एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक समाजिक और राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नति के लिए भी आवश्यक है। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालेंगे, तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती।**

इस संदर्भ में, यह भी महत्वपूर्ण है कि परीक्षा संचालन के सभी चरणों में जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन किया जाए। जब जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन होता है, तो किसी भी व्यक्ति को पूरे प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होता, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा, परीक्षा संचालन के लिए एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ टीम का गठन किया जाना चाहिए, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करे और किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत पहचान कर उसे रोक सके। नाजायज सिफारिश करने वाले नेताओं, मंत्रियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्यवाही कर जेल का रास्ता दिखाया जाये तो स्थिति में बड़ा सुधार होगा।

डिजिटल निगरानी प्रणाली का उपयोग भी पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को रोका जा सके। इससे न केवल परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि परीक्षा संचालन में पारदर्शिता भी बढ़ती है।

जैसा कि ऊपर कहा गया है, कड़ी सजा का प्रावधान भी पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पेपर लीक की घटनाओं में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए, ताकि अन्य लोग इससे सबक लें और ऐसी घटनाओं को अंजाम देने से पहले सौ बार सोचें। यह सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त कानून और न्यायिक प्रणाली की आवश्यकता है, जो ऐसे मामलों में त्वरित और प्रभावी न्याय प्रदान कर सके। इसके अलावा, शिक्षा संस्थानों और सरकार को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाना होगा। शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके सभी शिक्षक और कर्मचारी कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार हों। उन्हें नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और उनकी जिम्मेदारियों के प्रति उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए। बेईमानों के विरुद्ध तत्काल विधिक कार्यवाही कर जेल का रास्ता दिखाना चाहिए।

सरकार को भी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सरकार को न केवल सख्त कानून और नीतियाँ लागू करनी चाहिए, बल्कि शिक्षा संस्थानों को आवश्यक संसाधन और समर्थन भी प्रदान करना चाहिए, जिससे वे परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बना सकें। सरकार को अपने नेताओं, मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश देना चाहिए कि नाजायज सिफारिश मात्र ही उन्हें उनके पद से हटाने का पर्याप्त आधार होगा। कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।

समाज के सभी हिस्सों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का अनुभव कर सकें। जब समाज के सभी हिस्से मिलकर काम करेंगे और अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारियों को निभाएंगे, तभी हम इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकते हैं।

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का नियंत्रण होना केवल एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक समाजिक और राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नति के लिए भी आवश्यक है। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालेंगे, तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती।

इस दिशा में ठोस कदम उठाने से ही हम अपने शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और गरिमा को पुनः स्थापित कर सकते हैं। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार व्यक्तियों का होना अनिवार्य है। यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की संभावना न हो।

यह केवल एक शिक्षा प्रणाली की बात नहीं, बल्कि पूरे समाज की बात है। जब हमारे समाज में सभी लोग अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान होंगे और अपने कार्यों को ईमानदारी से करेंगे, तभी हम एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की स्थापना कर सकेंगे। इस दिशा में समाज के सभी हिस्सों को मिलकर काम करना होगा। शिक्षा संस्थानों, सरकार, और समाज के सभी हिस्सों को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि हम अपनी शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को पुनः स्थापित कर सकें। यह एक लंबी और कठिन प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन यह आवश्यक है। जब हम सभी मिलकर इस दिशा में काम करेंगे और अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारियों को निभाएंगे, तभी हम इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकते हैं।

पार्टी और सरकार कोई रही हो, पिछले 5 वर्षों में देश में लगभग 43 पेपर लीक कांड सामने आए हैं। यह युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती है। ऐसी घटनाएं न केवल शिक्षा और परीक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं, अपितु परीक्षार्थियों के मनोबल और उनके भविष्य के अवसरों पर भी गहरा दुष्प्रभाव डालती हैं। पेपर लीक कांडों की लगातार बढ़ती संख्या ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की तत्काल और गंभीर आवश्यकता है। इसके समाधान के लिए हमें कठोर कानूनों, तकनीकी सुरक्षा उपायों और पारदर्शिता को बढ़ावा देना होगा और साथ ही कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार व्यक्तियों को व्यवस्था में लाना होगा। इन सबके बिना देश के युवा अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त नहीं हो पायेंगे और डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ भारत को नहीं मिल पायेगा। बच्चों के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ जारी है। नेता और पार्टी कोई भी हों लेकिन यह देश अगर अपने बच्चों को परीक्षा का एक फूलप्रूफ सिस्टम भी नहीं दे पा रहा है तब तो गजब आश्चर्य है और गजब बेइज्जती है। बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारे तमाम संस्थान जिन अयोग्य, अकर्मण्य और भ्रष्ट व्यक्तियों से भर गये हैं, उन्हें देशहित में चुन-चुन कर तत्काल निकाल बाहर करना आवश्यक है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भक्तिकाल के सर्वश्रेष्ठ समाज सुधारक सर्वधर्म सुखाय के जनक संत कबीर

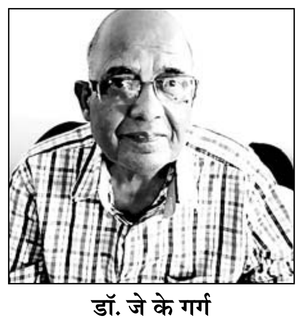

डॉ. जे के गर्ग

अनेकों मान्यताओं के अनुसार काशी के एक जुल्लाह नीरू अपनी बीबी नीमा का गोना कराकर लहरतारा तालाब से होते हुए घर आ रहे थे तो उसकी बीबी नीमा को प्यास लगने लगी तब दोनों तालाब पर पानी पीने लगे, तब उन्होंने एक टोकरी में फूल-पत्ते की शय्या पर एक नवजात शिशु को देखा। नीरू-नीमा उस शिशु को उठाकर अपने घर ले आये और उसका लालन-पालन करने लग गये। वहीं बालक कबीर के नाम से प्रख्यात हुआ। इस प्रकार कबीर साहेब का जन्म-स्थान काशी है। कुछ लोगों का विचार है कि नीरू-नीमा को अपने गौना के समय नहीं, किन्तु उसके कई वर्षों के बाद लहरतारा पर बालक को देखा था। सवाल उत्पन्न होता है कि शिशु लहरतारा तालाब पर कहां से आया? इस बारे में मान्यता है कि एक विधवा या कुमारी ब्राह्मणी की कोख से यह शिशु पैदा हुआ था वो समाज से अपमानित होने के भय से नवजात बालक को लहरतारा तालाब पर छोड़ गयी थी। इस तरह से कबीर जन्म से हिन्दू थे किन्तु उनका लालन-पालन मुस्लिम परिवार में हुआ था। बालक कबीर की शादी बचपन में ही कर दी थी। कबीर दास जी की पत्नी का नाम लोई था। कबीर दास जी के पुत्र का नाम कमाल था और पुत्री का नाम कमाली था, यह उनकी रचनाओं द्वारा प्रमाणित होता है। मान्यताओं के अनुसार सद्गुरु कबीर का जन्म विक्रमी संवत 1456 की ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को काशी में हुआ था। कबीर पंच तत्वों में विलीन माघ शुक्ल एकादशी संवत् 1575 को मगहर में हुए थे। कबीर साहेब ने 120 वर्ष तक सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया था। समस्त देश के अंदर 22 जून 2024 को संत कब्बर का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

कबीर दासजी काशी के गंगा घाट के किनारे रहा करते थे। ऐसा कहा जाता है कि कबीर दास जी गंगा घाट के किनारे बैठे हुए थे तभी वहां पर गुरु रामानंदजी स्नान कर रहे थे रामानंद की नजर कबीर दास पर पड़ी जिसके कारण कबीर के मुंह से राम शब्द निकल पड़ा, इसी राम शब्द को सुनकर गुरु रामानंद अत्यधिक प्रसन्न हुए, तभी से रामानंद ने कबीर दासजी को अपना शिष्य बना लिया। उन्हें शिक्षा दी। इस प्रकार कबीर दास जी के गुरु श्री रामानंद जी थे। संत कबीर की साखियाँ में ज्यादातर कबीर दास जी की शिक्षाओं का उल्लेख मिलता है और उसके सिद्धांतों का वर्णन इस रचना में बखूबी से किया गया है। कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन काशी में रहकर ही लोगों के कल्याण के लिए और सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों का अंत करने के लिए लगा दिया मृत्यु के समय कबीर दास जी मगहर चले गए जो कि उत्तर प्रदेश में पड़ता है। ऐसा कहा जाता है कि उस समय मगहर में रहने वाले लोगों को नर्क की प्राप्ति होती थी, कबीर दास जी ने इसी अंधविश्वास को झूठा साबित करने के लिए मगहर चले गए। ताकि समाज में फैली हुई अंधविश्वास को जड़ से रोका जा सके।

कबीर की निष्पक्षता, दो टूक कहने का ढंग और बड़े-बड़े रहस्यात्मक गुत्थियों को सरल-सहज उपमाओं के द्वारा व्यक्त करने की शैली की वजह कबीर को भक्ति काल के संतों में प्रमुख संत माना गया है। कबीर मानत थे कि मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति, मेरी शारीरिक-मानसिक शक्ति, सब कुछ तुम्हारी ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है तो उसके प्रति ममता कैसी? तेरी दी हुई वस्तुओं को तुम्हें समर्पित करते हुए मेरी क्या हानि है? इसमें मेरा अपना लगता ही क्या है?

कबीर ने बतलाया कि यह तुम्हारी मूर्खता है कि तुम पहले जाति पूछते हो, फिर उसके हाथ का पानी पीते हो। तुम जिस मिट्टी के घर में बैठे हो उसमें सारी सृष्टि समाई हुई है। छप्पन करोड़ यादव और अठासी हज़ार मुनि यहाँ डूब गए और क़दम-क़दम पर गड़े हुए पैग़म्बरों की लाशें सड़कर मिट्टी हो गई है। कबीर कहते हैं कि ये तुम्हारे कर्म हैं जो तुम्हारे सामने आते हैं। शाश्वत सत्य की बातें कहते हुए भी किसी परंपरा से जुड़े रहकर किसी धर्मग्रंथ, ईश्वर-अवतार, पैगंबर आदि की बैसाखी पकड़े रहे, वहाँ कबीर सारी परंपराओं से हटकर सबके सार-तत्व को स्वीकार करते हुए पक्षपात नहि बचन, सबहिं के हित की बातें कहते रहे, वह भी सरे बाजार चौराहे पर खड़े होकर एक अकेला और निद्वर्न्द्वी। उनकी सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्ष ने उनके व्यक्तित्व को ऐसा महनीय मोहक और चुम्बकीय बना दिया था कि जो उनके पास गया, उनका ही होकर रह गया। कबीर देव ऐसे महत्तम संत हैं जो केवल भारतीय परंपरा ही नहीं, अपितु विश्व मानवता के मूल उत्स को पकड़ते हैं और सबको वहीं ले जाना चाहते हैं, जहाँ पहुँचकर वर्ण, वर्ग एवं मत-पंथी गीत सारे भेदभाव निस्सार हो जाते हैं और जहाँ से प्रेम की निर्मल, स्निग्ध और शीतल धारा प्रवाहित होकर सबको सराबोर कर देती है।

पूरी मानवता को आत्मसात करने वाली प्रेम की निर्मल धारा में निमज्जित होकर सत्यनिष्ठ कबीरदेव ऐसे चौराहे पर खड़े हैं, जहाँ सारे रास्ते आकर मिलते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि कबीर में पूरी मानवता का सार समाया हुआ है। कुछ विद्वान कबीर साहेब को आजीवन गृहस्थ बताते हैं और कुछ बताते हैं कि वे पहले गृहस्थ थे किन्तु पीछे से विरक्त हो गये थे।

–डॉ. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक, कॉलेज शिक्षा जयपुर

नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुत्थान के मायने

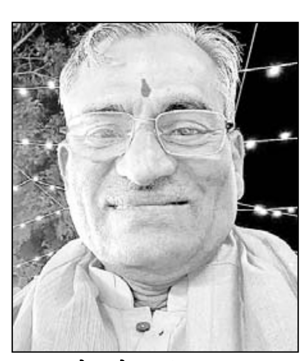

प्रो. महेश चंद गुप्ता

सदियों पहले समूचे विश्व के लिए ज्ञान का सागर बने जिस नालंदा को आक्रांताओं ने तहस-नहस कर दिया था, उसका पुनरुत्थान एक बहुत बड़ा और युगांतकारी कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया है। इसी के साथ सदियों के बाद नालंदा विश्वविद्यालय पूरे विश्व में ज्ञान के प्रसार के लिए उठ खड़ा हुआ है। 455 एकड़ में 1749 करोड़ की लागत से बना नालंदा का नया परिसर केवल कंकरीट की एक इमारत भर नहीं है, बल्कि इस इमारत के निर्माण से हमारे देश का गौरवशाली इतिहास पुनर्जीवित हुआ है। यह भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ा एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके जरिए समूची दुनिया में ज्ञान की अलख जगाने के साथ-साथ एक नया इतिहास रचा जाना तय हो गया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के महज दस दिन बाद मोदी नालंदा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में गए हैं। मोदी का नालंदा जाना अनायास नहीं है बल्कि यह उनका पूरे सोच-विचार, विमर्श और चिंतन के बाद लिया गया निर्णय है। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि मोदी जो भी निर्णय करते हैं, उसमें कोई न कोई बड़ा उद्देश्य निहित होता है। मोदी नालंदा के बहाने देश को आगे बढ़ने का संदेश दे रहे हैं। सदियों पहले समूचे विश्व के लिए ज्ञान का सागर बने जिस नालंदा को आक्रांताओं ने जलाकर खाक और तहस-नहस कर दिया था, उसका पुनर्रुत्थान एक बहुत बड़ा और युगांतकारी कदम है। श्रीराम मंदिर की स्थापना के उपरांत नालंदा हमारे राष्ट्र के पुनरुत्थान का एक और उदाहरण बना है। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।

नालंदा में मोदी ने कहा भी है कि "मैं नालंदा को भारत की विकास यात्रा के लिए एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। नालंदा केवल नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, नालंदा मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा है उद्घोष इस सत्य का कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। नालंदा के ध्वंस ने भारत को अंधकार से भर दिया था। अब इसकी पुनर्स्थापना भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रही है।" मोदी ने सच ही कहा है क्योंकि आक्रांताओं ने नालंदा के वैभव को तीन बार नष्ट किया। दो बार इसका पुनर्निर्माण किया गया। प्राचीन मगध साम्राज्य (आधुनिक बिहार) में 5वीं शताब्दी ई. में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय का नाम समूची दुनिया में था। इसमें दुनिया भर के दस हजार विद्यार्थी पढ़ते थे। नालंदा में चिकित्सा, आयुर्वेद, बौद्ध धर्म, गणित, व्याकरण, खगोल विज्ञान और भारतीय दर्शन जैसे विषय पढ़ाए जाते थे। भारतीय गणित के प्रणेता और शून्य के आविष्कारक आर्यभट्ट छठी शताब्दी ईस्वी के दौरान नालंदा के प्रतिष्ठित शिक्षकों में से एक रहे। इतिहासकारों के अनुसार सदियों पहले नालंदा में दाखिला आसान नहीं था। यहां प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को कठिन साक्षात्कार प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया है कि नालंदा वैश्विक हित का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मोदी का मिशन है कि भारत, दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बने और फिर से विश्व के समक्ष सर्वप्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में पहचाना जाए लेकिन यह मिशन कैसे पूरा होगा, इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। नालंदा विश्वविद्यालय भारत की शैक्षिणक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। नालंदा का फिर से उठ खड़ा होना निश्चय की खुशी का मौका है। यह हमारे शैक्षिक उत्थान की प्रेरणा बनेगा मगर नालंदा की प्रेरणा तभी काम आएगी, जब हम शैक्षिक उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। शैक्षिक उत्थान ही विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकता है।

मैं चार दशक से ज्यादा समय दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहा हूं। एक शिक्षक के रूप में लंबे अनुभव की बदौलत मेरी यह मान्यता है कि शिक्षा और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा की सीढ़ी पर चढकर ही विकास की प्रत्येक मंजिल पर पहुंचा जा सकता है। अगर हम आजादी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में देखना चाहते हैं तो यह शिक्षा की बदौलत ही संभव है लेकिन यह इतना सरल और सहज नहीं है। इसके लिए देश के विश्वविद्यालयों के लिए जमकर काम करना होगा। सरकारी विश्वविद्यालयों को ऊर्जावान बनाना होगा। सभी राज्यों को अपने-अपने विश्वविद्यालयों का ढांचा मजबूत करने के लिए होड़ लगानी पड़ेगी। अभी देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक शिक्षा और सरकारी विश्वविद्यालयों की जो हालत है, वह बेहद चिंताजनक है।

आजादी के बाद सत्तर सालों में शिक्षा को नजरअंदाज ही किया गया है। बजट में शिक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए। इसी कारण हमारे सरकारी विश्वविद्यालय और अन्य उच्चतर संस्थान पिछड़ गए। हमारे देश में प्राइवेट विश्वविद्यालय निरंतर विस्तार कर रहे हैं, पैसा कमा रहे हैं लेकिन इसके विपरीत यूजीसी की फंडिंग वाले विश्वविद्यालय पिछड़ रहे हैं। हमारे ज्यादातर विश्वविद्यालयों का बुनियादी ढांचा मजबूत नहीं है। उनमें विश्व स्तरीय स्मार्ट क्लास रूम का अभाव है। अच्छे ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, एकेडमिक ब्लॉक्स और बेहतरीन लैब की कमी खलती है। जो भारत प्राचीन काल में समूचे विश्व में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था, जिस भारत में उच्च शिक्षा के दुनिया के पहले विश्वविद्यालयों में शामिल सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, उस भारत में विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति विचारणीय है। इस वजह से देश में उच्च शिक्षा गुणवत्ता के लिहाज से पिछड़ रही है। धनवान लोगों के बच्चे तो उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले जाते हैं और वहीं कॅरियर बनाकर बस भी जाते हैं। आम लोगों के बच्चे प्राइवेट विश्वविद्यालयों में शोषण झेल रहे हैं। यूजीसी फंडिंग वाले विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधारी जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। ऐसा तभी संभव है, जब हम हमारे विश्वविद्यालयों को वर्ल्ड रैंकिंग में लाएंगे। उन्हें बड़ा ब्रांड बनाने की दिशा में काम करेंगे। हालांकि मोदी सरकार ने शैक्षिक उत्थान के प्रयास शुरू किए हैं। नई शिक्षा नीति इसका प्रमाण है। मोदी मानते हैं कि "जब शिक्षा का विकास होता है तो अर्थव्यवस्था और संस्कृति की जड़ें भी मजबूत होती हैं। हम विकसित देशों को देखें तो पाएंगे कि वे अर्थ, सांस्कृतिक लीडर तब बने, जब वह एजुकेशनल लीडर हुए। आज दुनिया भर के छात्र उन देशों में जाकर पढ़ना चाहते हैं। कभी ऐसी स्थिति हमारे यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे संस्थानों में हुआ करती थी।"

मोदी के पास विजन है, वह व्यापक काम कर रहे हैं और देश का गौरव लौटा रहे हैं। अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं। मोदी का सपना भारत को विश्व गुरु बनाने का है। यह सपना शिक्षा की बदौलत सच हो सकता है। आज नालंदा फिर से उठ खड़ा हुआ है। इसी तर्ज पर आगे चलकर समूचे देश के विश्वविद्यालयों को प्रगति पथ पर बढ़ाया जाए। यह काम केवल सरकार या संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन के जिम्मे छोड़ने से नहीं होगा। इसके लिए सबको मिलकर काम करना होगा।

(लेखक प्रख्यात शिक्षा विद्, चिंतक और वक्ता हैं। वह 44 सालों तक दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहे हैं।)
-प्रो. महेश चंद गुप्ता

कबीर से ज्यादा साधारण आदमी खोजना कठिन : मुकेश राजस्थानी

बीकानेर, (निसं)। कबीर अनूठे हैं। प्रत्येक के लिए उनके द्वारा आशा का द्वार खुलता है। कबीर से ज्यादा साधारण आदमी खोजना कठिन हैं और अगर कबीर ईश्वर तक पहुंच सकते हैं तो सभी पहुंच सकते हैं। कबीर हर वक्त राम की धुन करते रहते। यह विचार मगनमणि पीठाधीश्वरवारी व संगम संस्थान के केन्द्रीय अध्यक्ष मुकेश राजस्थानी ने कबीर साहेब के 627 वें प्राकट्य दिवस पर व्यक्त किए। राजस्थानी ने कहा कि सद्गुरु कबीर की वाणी आज भी मार्ग दिखाती है। वह सत्य, प्रेम, करूणा के साक्षात स्वरूप महान् युगदृष्टा सद्गुरु हैं। सोच ही कहत और सोच की गहत हो उनका सीधा, सच्चा स्पष्ट मार्ग है।

■ कबीर साहेब का 627 वां प्राकट्य दिवस मनाया

मगनमणि कबीर संगम संस्थान द्वारा कबीर प्राकट्य दिवस पर संतजनों द्वारा गुरुवाणी के पांच बदावा की प्रस्तुति से कबीर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका श्रद्धामय स्मरण करने वालों में सदाचारी महाराज, संत हरिप्रकाश वाल्मीकि हरजी महाराज, राकेश वाल्मीकि, दिलीप पांडे, अनिल पंडित, रविकांत वाल्मीकि, अजय महाराज, कालू महाराज जावा, छोटू महाराज चांवरिया, गोपाल महाराज, राकेश सियोता, अन्नूप जावा, कुणाल चंदेलिया, अभिषेक वाल्मीकि, राहुल सारवान, अमन पंडित, राजा पंडित, योगेश वाल्मीकि, राहुल सियोता, गोपाल कुंज महाराज आदि थे। कार्यक्रम का संचालन मगनमणि कबीर संगम संस्थान के महामंत्री अभिषेक वाल्मीकि ने किया।

राशिफल रविवार 23 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सांय 5:04 तक, ब्रह्म योग दिन 2:26 तक, तैतिल करण सांय 4:20 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:48 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से सांय 5:04 तक है। त्रिपुष्कर योग सांय 5:04 से रात्रि 3:26 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:04 से सूर्योदय तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:10 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:29 तक, शुभ 2:11 से 3:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

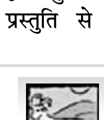

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

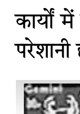

मिथुन
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

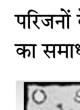

कर्क
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं।

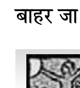

कन्या
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

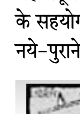

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

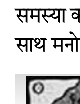

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

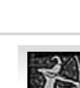

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

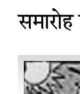

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

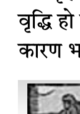

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

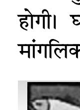

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

दिया कुमारी ने राजस्थान में रेल, राजमार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए मांगा सहयोग

नई दिल्ली में प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग में राजस्थान का पक्ष उपमुख्यमंत्री और राज्य की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा

नई दिल्ली, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 सरकार के विजन को साकार करने के लिए आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट 2024-25 में "विकसित भारत- विकसित राजस्थान" की परिकल्पना को साकार करने हेतु केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा।

- **राजस्थान के विकास से जुड़े ई.आर.सी.पी., रेल, सड़क और ऊर्जा संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा**
- **राजस्थान को डबल इंजन सरकार का मिलेगा पूरा लाभ : दिया कुमारी**

दिया कुमारी ने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। बैठक के दौरान दिया कुमारी ने राजस्थान के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली पूर्वी राजस्थान कैनाल परियोजना को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित जल जीवन मिशन की प्रगति और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग रखी। दिया कुमारी ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित 3 प्रमुख रेल परियोजनाओं को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके।

प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। दिया कुमारी ने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है, इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग दिए जाने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके। बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा राजस्थान की तरफ से रखे गए सभी पक्षों को केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा और सचिव देवाशीष पुष्टि भी मौजूद रहे।

टाटा नेक्सॉन पर एक लाख के फायदे को अच्छा समर्थन

जयपुर, (कासं)। देश की अग्रणी पैसेंजर वाहन निर्माता कम्पनी टाटा मोटर्स ने टाटा नेक्सॉन पर अपने ग्राहकों को 1,00,000/- रूपये तक का लाभ दिया जा रहा है। यह ऑफर इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ ऑफर है। यह ऑफर 30 जून तक गाडी बुक राने पर मान्य है। टाटा मोटर्स ने अब तक टाटा नेक्सॉन सात साल में 7 लाख गाडी सेल कर चुका है। टाटा मोटर्स के अधिकारी ने बताया कि टाटा नेक्सॉन की शुरूआती कीमत 7.99 लाख रूपये है। टाटा नेक्सॉन में 7 स्पीड डीसीए ट्रांसमिशन 360 डिग्री कैमरा, पैडल शिफ्टर्स, वेन्टीलेटेड लेदर सीट आदि नये फीर्स दिये गये है। टाटा मोटर्स का उद्देश्य अपने ग्राहकों को सफर व सुरक्षा की विशेषताओं से युक्त गाडी उपलब्ध करवाना हो जो अच्छी व सुविधाजनक हो तथा ग्राहक की पसन्द पर आसानी से खरी उतरे जिससे कम्पनी की विश्वसनीयता ग्राहकों के साथ हमेशा बनी रहे। अत्याधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल से यह एक बेहतरिन ब्रांड है। टाटा नेक्सॉन एक मात्र ऐसी गाडी है जो 5 स्टार रेटेड है। इस 1,00,000/- रूपये तक के ऑफर को पाकर ग्राहकों में खुशी की लहर और उत्साह देखा जा रहा है जिससे ग्राहकों में टाटा मोटर्स गाडियों की खरीददारी करने की होड मची हुई है। इस ऑफर का ग्राहक भरपूर लाभ उठाकर टाटा के वाहन अपने घर लाकर खुशियां मना रहे है। आज ही टेस्ट ड्राईव के लिए नजदीकी शोरूम पर जाये और गाडी बुक कराये और डीलिवरी पाये।

जगतपुरा में खंडेलवाल ढाबे पर मिली खामियां, झोटवाड़ा के डी-मार्ट में मिला नकली घी

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान निरंतर जारी**

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान निरंतर जारी है। शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत शनिवार को भी विभिन्न स्थानों पर सीज एवं सैंपल लेने की कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल को प्राप्त शिकायत के आधार पर महल रोड जगतपुरा स्थित मैसर्स खंडेलवाल ढाबा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में गंदगी पाई गई। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। सभी खाद्य पदार्थ बिना ढके हुए थे। कार्यरत स्टाफ का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं पाया गया और ना ही पानी की जांच रिपोर्ट पाई गई। पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी नहीं पाया गया।

ओझा ने बताया कि खाना बनाने के काम आने वाली सामग्री रंग एवं केमिकल और फेविकोल के खाली ड्रमों में भरकर रखी गई थी, जिसे मौके पर ही खाली करवाया गया तथा स्टील के ड्रम में रखने के लिए पाबंद किया गया। दोपहर में ही रात के खाने के लिए प्याज और सलाद काटा जा रहा था, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत मौके से मावा, पनीर और प्याज की ग्रेवी के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही, धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया। इसकी पालना नहीं करने पर फूड लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी, रमेश चंद्र यादव और राजेश कुमार नागर शामिल रहे।

इसके अलावा नकली घी को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। शनिवार को ट्राइटन मॉल झोटवाड़ा स्थित डी मार्ट पर सर्च अभियान के दौरान टीम को 2 लीटर नकली सरस घी मिला, जिसे सीज किया गया।

सरस डेयरी के प्रतिनिधि भी वहां पहुंचे है। साथ ही और दूसरी कंपनियों के घी की भी जांच पड़ताल साथ में की जा रही है। ट्राइटन माल स्थित डी मार्ट के विरुद्ध भी सरस डेयरी के अधिकारियों द्वारा एफआईआर को पूर्ववर्ती एफआईआर के साथ कलब करवाया जा रहा है। इसी प्रकार कूकरखेड़ा स्थित अनुज ट्रेडिंग कंपनी पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम और सरस डेयरी टीम द्वारा निरीक्षण किया तो दुकान में 430 पैकेट एक लीटर और 230 पैकेट आधा लीटर सरस घी के मिले, जो अजमेर डेयरी से निर्मित था। जयपुर सरस डेयरी से निर्मित सरस घी नहीं मिला। सरस टीम द्वारा इसको सही बताया और पूरी जांच के लिए अजमेर सरस डेयरी को सूचना दी गई। दोनों पैकेट का एक-एक नमूना लिया गया। इस घी को जांच रिपोर्ट आने तक विक्रय से रोका गया है।

कोयला खनन की समस्याओं को दूर करने छत्तीसगढ़ पहुंचे ऊर्जा मंत्री नागर

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक्स में कोयला खनन से संबंधित समस्याओं एवं बाधाओं को दूर करने तथा इनसे संबंधित विषयों पर छत्तीसगढ़ सरकार से चर्चा के लिए शनिवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक परसा ईस्ट-कांटा बासन (पीईकेबी) का अवलोकन किया।

नागर ने यहां नियुक्त राजस्थान उत्पादन निगम के अभियंताओं तथा ज्वाइंट वेंचर कंपनी पीकेसीएल के स्थानीय अधिकारियों से गहन चर्चा की। उन्होंने उत्पादन निगम को इसके अतिरिक्त आवंटित अन्य कोल ब्लॉक परसा तथा कैंते एक्सटेंशन से कोयले का खनन प्रारंभ करने में आ रही बाधाओं पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

ऊर्जा मंत्री ने यहां खनन कार्य कर रहे श्रमिकों तथा उनके परिजनों से भी मुलाकात की। उन्होंने पीईकेबी माइंस एरिया में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के माध्यम से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सब्लिटी (सीएसआर) कार्यों के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषण तथा छत्तीसगढ़ सरकार की किसी आईटीआई को गोद लेकर इसके माध्यम से युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान करने जैसी गतिविधियां भी संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे कि स्थानीय श्रमिक परिवारों के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके और स्थानीय आदिवासी परिवारों में खनन गतिविधियों के प्रति विश्वास बढ़ सके। नागर ने सघन पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए जिससे कि पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि आरवीयूएनएल का पीईकेबी कोल ब्लॉक सरगुजा में संगठित क्षेत्र में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जो लगभग दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसने कोरबा, बिलासपुर और रायगढ़ जैसे अन्य जिलों में पलायन करने से स्थानीय श्रमिकों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नागर ने यहां पीकेसीएल के 9 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र तथा माइनिंग एरिया में कोल के परिवहन एवं रिफिलिंग के लिए नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित डोजर पुश ऑपरेशन का उद्घाटन भी किया। उन्होंने उस वन क्षेत्र का दौरा भी किया जहां बीते दशक में कोयला खनन के बाद पुन: प्राप्त भूमि पर उत्पादन निगम ने स्थानीय जन भागीदारी से 11.50 लाख पौधे लगाये हैं।

'कांग्रेसी नेता सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कर रहे है अनर्गल बयानबाजी'

- **कांग्रेस पार्टी में एक खास परिवार को खुश करने के लिए कांग्रेसी नेताओं द्वारा दिए जाते हैं अमर्यादित बयान : महेंद्र मीणा**
- **भाजपा के विराटनगर से विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ और जमवारामगढ विधायक महेंद्र मीणा ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेसी नेताओं के अनर्गल बयान की कड़ी शब्दों में निंदा की**

जयपुर, (कासं)। भाजपा के विराटनगर से विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ और जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र मीणा ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेसी नेताओं के अनर्गल बयान की कड़ी शब्दों में निंदा की। भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए लोकतंत्र की निर्वाचन प्रणाली का मजाक बना रहे हैं। कांग्रेसी नेता प्रदेश के मुखिया का नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता का अपमान कर रहे हैं। डोटासरा और कांग्रेस को इस तरह की बयानबाजी से कोई लाभ होने वाला नहीं है। लोकतंत्र में जनता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भाजपा के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा सभी मंत्री मंडल इसी ध्येय के साथ जनकल्याणकारी कार्य कर रहे हैं।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को प्रदेश की जनता ने पहले विधानसभा चुनावों में और अब लोकसभा चुनावों में दरकिनार कर दिया। ऐसे में चुनावों की हार से बौखलाए हुए डोटासरा और अन्य नेता इस तरह के अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर रहे है। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष होने के नाते डोटासरा को अपने शब्दों में मर्यादा और मुख्यमंत्री के पद की गरिमा का ध्यान तो रखना ही चाहिए। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। प्रदेश में 19 पेपरलीक हुए, आरएएस परीक्षा में डोटासरा के रिश्तेदारों के चयन पर सवाल खड़े हुए, प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था, अपराधियों के हौंसले बढ़ गए थे, जेजेएम योजना में केंद्र से मिले फंड में जमकर भ्रष्टाचार किया गया। इन सबसे त्रस्त जनता ने विधानसभा में इन्हें सीरे से नकार दिया। राज से बाहर होते ही कांग्रेसी नेता मर्यादा भूल जाते है और अमर्यादित भाषा पर आ जाते हैं।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 6 माह के अल्पकाल में कांग्रेस राज के दौरान पेपर लीक के मामले में कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन किया और 100 से अधिक माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया। प्रदेश में संगठित अपराध को समाप्त करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया। प्रदेश की जनता के लिए ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक कार्य किए। वहीं दूरगामी सोच के चलते बिजली संकट को समाप्त करने की दिशा में काम किया और 2 लाख 24 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए। 6 माह के कार्य तो केवल शुरूआत है सरकार का कार्यकाल अभी पूरा बाकी है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जमवारामगढ विधायक महेंद्र मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम पंक्ति में बैठे गांव से आने वाले किसान के बेटे को मुख्यमंत्री बना दिया तो कांग्रेसी नेताओं को यह बात हजम नहीं हो रही। कांग्रेस में सभी नेताओं के बयान एक परिवार के खास लोगों को खुश करने के लिए दिए जाते है। वैसे भी कांग्रेस की संस्कृति है, जहां सामान्य व्यक्ति को कभी अवसर नहीं दिया जाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो दलित परिवार से आते है उन्हें जिस कदर दरकिनार किया गया वह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस खास की चाटुकारिता व आम व्यक्ति को दुत्कारने का काम करती है। भाजपा विधायक महेंद्र मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए अशोभनीय शब्दों का इस्तेमाल करने वाले परसादी लाल भूल गए कि सीएम भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को भी डे केयर पैकेज में शामिल करने का काम किया है। इससे जरूरतमंदों को काफी मदद मिल रही है। इतना ही नहीं प्रदेश की जनता के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 75 हजार स्वास्थ्य मेलों का आयोजन भी करवाया गया तो सड़क दुर्घटनाओं में जीवन रक्षा के लिए काम करते हुए 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सुविधा शुरू की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में लचर चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने के लिए अधिकारियों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में आलाधिकारियों ने अभियान चलाकर 13 हजार से अधिक निरीक्षण किए और लचर चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ किया।

धानक्या में शुरू हुआ बस का ठहराव

जयपुर, (कासं)। कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की पहल पर आज से धानक्या में यात्रियों को बस की सुविधा मिलने लगी है। झोटवाड़ा विधानसभा के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्रदान कराना ही कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का संकल्प है। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता ने कर्नल साहब के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान आज से

जयपुर, (कासं)। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी स्मरण अभियान की शुरुआत प्रात: 11 बजे की जाएगी। कार्यक्रम का आगाज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर करेंगे। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान की भी शुरुआत की जाएगी। यह अभियान 23 जून से 6 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में वृक्षारोपण किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि डॉ॰ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और शिक्षाविद् डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। भाजपा की ओर से डॉ मुखर्जी के स्मरणों को आमजन तक पहुंचाने क लिए अभियान शुरू किया जाएगा। वहीं भाजपा के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रकृति के सौन्दर्यकरण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान भी चलाया जाएगा। यह अभियान डॉ मुखर्जी की पुण्यतिथि से जन्म जयंती तक चलाया जाएगा।

जालौर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटित

जयपुर, (कासं)। जालौर जिले की सायला तहसील के ग्राम मौजा उनडी में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11(ए) के तहत 20.30 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से स्थानीय क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (रीको) द्वारा किया जाएगा।

राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर, (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित आचार्य लक्ष्मीकांत जी दीक्षित के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मिश्र ने कहा कि आचार्य दीक्षित भारतीय ज्ञान, कर्मकांड और अध्यात्म परंपरा से जुड़े प्रकांड पंडित थे। उनका गोलोक गमन अध्यात्म की हमारी सनातन संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। मिश्र ने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

नारी शक्ति ने मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के योगदान के बिना देश और प्रदेश सशक्त नहीं बन सकता इसलिए प्रदेश सरकार नारी शक्ति के उत्थान और चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को बराबर के अधिकार और अवसर मिलना आवश्यक है।

- **50 प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के हित में ऐतिहासिक निर्णय : मुख्यमंत्री**
- **'बेटियों के साथ ही बेटों को भी मिलेंगे पूरे अवसर'**

मुख्यमंत्री शर्मा ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर नारी शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर नारी शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार जताया। शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण आर्थिक स्वतंत्रता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की बात करता है क्योंकि महिलाएं सशक्त होंगी तो वे परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को आदर और सम्मान दिया जाता है। हम शक्ति के लिए मां दुर्गा, विद्या के लिए मां सरस्वती और धन के लिए मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। हमारे जीवन में भी मां, बहन, बेटी, पत्नी और अन्नपूर्णा के रूप में नारी का अहम स्थान है। उन्होंने कहा कि हमारी बहन और बेटियां देश और प्रदेश की उन्नित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने सहित कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। प्रदेश के 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रूपए में रसोई गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली राशि भी बढ़ाकर 6500 रूपए कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लाडो प्रोत्साहन' योजना में गरीब परिवारों में बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख रूपए का सेविंग बॉन्ड देने, पंचायती राज, नगरीय निकाय तथा आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने के साथ ही साथिन कार्यकर्ताओं का मानदेय भी बढ़ाया गया है। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रदेश महिला अत्याचार के मामलों में अव्वल हो गया था। महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती थीं लेकिन हमारी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'एंटी रोमियो स्क्वाड' का गठन किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवा चिंता ना करें, सरकार बेटियों के साथ ही उन्हें भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर उपलब्ध करवाएगी। आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में स्थापित होने वाले उद्योगों में भी युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे। राज्य सरकार विकसित राजस्थान और विकसित भारत के लिए नारी शक्ति के हित में निरंतर फैसले करती रहेगी। इस दौरान बालिका पूजा पुरी गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को वुड बर्न आर्ट से बनाया हुआ चित्र भेंट किया। समारोह में आई महिलाओं और बालिकाओं ने मुख्यमंत्री के साथ शेल्फी भी ली।कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राजसमंद विधायक दिप्ती किरण माहेश्वरी के अलावालक्ष्मीकांत भारद्वाज एवं हेमलता शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं तथा स्कूल-कॉलेज की छात्राएं उपस्थित थीं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम-सूचना "बसन्त कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर की योजना चन्द्र वाटिका, पांच्यावाला, जयपुर के भूखण्ड सं. एसआर-28 क्षेत्रफल 33.3 वर्गगज को स्वयं के नाम हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत किया। साथ ही मूल आवंटी नरेन्द्र कुमार शर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयत एवं अन्य वारिसान का सहमति पत्र, शपथ पत्र तथा भूखण्ड के मूल आवंटन पत्र की फोटो प्रतिलिपि व शपथ पत्र प्रस्तुत किये। यदि उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण जारी करने में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें, अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण बसन्त कुमार शर्मा के नाम जारी कर दिये जायेंगे। बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट
मोबाइल नं. 9314511091

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य आनंद शर्मा द्वारा फ्लैट/यूनिट नम्बर 102 ग्राउण्ड फ्लोर ब्लॉक जी-11 कमल अपार्टमेन्ट्स नंबर 2, जयपुर मेटल्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स लि. के सामने, रेल्वे स्टेशन के पास, पी.एच. रोड, बनीपार्क जयपुर राजस्थान में स्थित है। जिसका बिल्टअप एरिया 700 वर्गफीट है को क्रय किया जा रहा है। उक्त वर्णित फ्लैट/यूनिट को सर्वप्रथम श्रीमती माणक कँवर ने जरिये विक्रय पत्र लिखा हुआ दिनांक 12.10.1998 द्वारा मैसर्स जयपुर मेटल्स एण्ड इलेक्ट्रीकल्स लि. जरिये Constituted Attorney संतोष चौधरी जरिये मुख्त्यारआम श्री कमल चौधरी (Owner) एवं मैसर्स कमल एनटरप्राइजेज जरिये प्रो. संतोष चौधरी (Promoter) से क्रय कर लिया था। माणक कँवर ने उक्त वर्णित फ्लैट के बाबत एक वसीयतनामा दिनांक 16.07.1999 को अपने पुत्र विरेन्द्र कुमार मेहता के हित में निष्पादित कर दिया था। माणक कँवर का स्वर्गवास दिनांक 01.03.2008 को हो गया था एवं उनके स्वर्गवास के पश्चात विरेन्द्र कुमार मेहता के हित में निष्पादित वसीयतनामा प्रभावी हो गया था। तत्पश्चात विरेन्द्र कुमार मेहता ने उक्त फ्लैट को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र लिखा हुआ दिनांक 16.12.2009 द्वारा कैलाश पुरोहित को विक्रय कर दिया था। इस प्रकार कैलाश पुरोहित पुत्र श्री बाल चन्द पुरोहित उक्त सम्पत्ति का पूर्णतया एकमात्र मालिक स्वामी, काबिज, स्वामी व अधिकारी है। कैलाश पुरोहित द्वारा उक्त सम्पत्ति को किसी दीगर व्यक्ति को विक्रय किया जा रहा है। यह कि उक्त सम्पत्ति बाबत यदि किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, बैंक, वित्तीय संस्था, सगे सम्बन्धी या अन्य कोई वारिसान, जनसाधारण इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में मुझसे व्यक्तिगत रूप से मेरे निम्नलिखित ऑफिस पते पर अपनी आपत्ति/ऐतराजात मय असल दस्तावेज सहित व्यक्त करें। उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा उक्त अवधि के पश्चात इस आम सूचना बाबत कोई भी आपत्ति/ऐतराजात किसी भी न्यायालय में शून्य व निरस्त समझी जायेगी
B.C. Shankla Advocate, Mob. 9829063273

कार्यालय उपायुक्त (झोटवाडा जोन)
नगर निगम जयपुर, ग्रेटर
क्रमांक- एफ-()झो.जोन/ज.न.नि./2024/496
सार्वजनिक सूचना दिनांक- 21.06.2024
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपायुक्त झोटवाडा जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर कार्यालय में निम्न पत्रावलीयों में सोसायटी पट्टा/रजि. विक्रय पत्र/रजि. वसीयतनामा/रजि. उपहार/रजि. हक त्याग पत्र इत्यादि के आधार पर पट्टा/नाम हस्तान्तरण आदि के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित कर दी जाएगी।
क्र.सं.-1, आवेदक का नाम- मोहिनी जैन पत्नि श्री चन्द्र कुमार जैन, अरूण कुमार पुत्र श्री चन्द्र कुमार जैन, करूणा जैन पत्नि श्री अजय जैन पुत्री श्री चन्द्र कुमार जैन, **भूखण्ड का विवरण-** भूखण्ड सं. 15 योजना वैशाली एन्कलेव, वैशाली नगर, जयपुर, **सासोयटी का नाम-** मित्र गृह नि.स.स.लि., **क्षेत्रफल (वर्गगज)-** 555.55 वर्गगज
उपायुक्त, झोटवाडा जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या 97 योजना हरी नगर लुनियावास ग्रह.नि.सह. समिति सोसायटी का मूल आवंटन पत्र, रसीदे, साईट प्लान और सेल डीड सहित सम्पूर्ण दस्तावेज कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें। नाम सीमा देवी मो.6378839391

मेरे मकान 1-ख-19 हाउसिंग बोर्ड (नाहरी का नाका) शास्त्री नगर जयपुर के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, डीक्लेशन, अदैय प्रमाण पत्र शास्त्री नगर जयपुर में कहीं गिर गये है। मिलने पर सूचित करें-Kayani Devi 9928320068

हरिनगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना राधिका विहार बासडी जोगियान में भूखण्ड संख्या 01 एवं 02 के आवंटन पत्र रसीद व साइड प्लान के दस्तावेज मेरे से कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें। मुकेश-9001147741

नाम परिवर्तन

मै आर्मी नम्बर 16027152N रैंक नायक Rajkumar Singh S/o Roshan Singh R/o Village Kheri, Post-Kanina, Dist-Mahendragarh, Haryana. Pin 123027 आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरी माताजी का नाम Koshilya Devi and D.O.B. 17.02.1968 गलत दर्ज है सही नाम Koshila Devi and D.O.B. 03.03.1969 Vide Affidavit BV 993509 Dated 22.06.2024

मै आर्मी नम्बर 16013543N रैंक हवलदार Dinesh Singh S/o Jhandu Singh R/o Village Katelapura, Post Gopi, Teh Ambha Dist-Morena, M.P. Pin 345033 आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरी धर्मपत्नि का नाम Reena Devi and D.O.B. 20.12.1985 गलत दर्ज है मेरी धर्मपत्नी का सही नाम Rina Bhadoria and D.O.B. 20.12.1986 Vide Affidavit BV 993508 Dated 22.06.2024

मैं अर्चना जिंदल निवासी पी.नं. 90 वार्ड नं. 39 लाल मंदिर के सामने, गंगापुर, राजस्थान 322201 मैंने अपना नाम बदलकर अर्चना गुप्ता पत्नी संतोष कुमार गुप्ता रख लिया है।

मैं संतोष कुमार जिंदल पुत्र राम दयाल गुप्ता निवासी पी.नं. 90 वार्ड नं. 39 लाल मंदिर के सामने, गंगापुर, राजस्थान 322201 अपना नाम बदलकर संतोष कुमार गुप्ता पुत्र राम दयाल गुप्ता रख लिया है।

मैंने अपना नाम अविनाश कुमार से बदलकर अविनाश मिश्रा पुत्र आर.पी. मिश्रा रख लिया है। भविष्य में मुझे अविनाश मिश्रा के नाम से जाना जावें। पता-224 आफिसस कैम्पस विस्तार, सिरसी रोड, जयपुर-302012

I Indu Bala Panwar have changed my name after marriage to Indu Chauhan w/o Pratap Singh Chauhan presently R/o 50, vivek vihar, karni nagar, 80ft Lalarpura road, Gandhi path-w Jaipur 302021 for all purpose and for all future purpose

I Seema W/o Virendra Singh Gurjar my Army No. 15622426L Rank NK (DVR) Address: Village Khawda, Tehsil Mahwa Dausa, Rajasthan 321612, my husband service record my name is Seema her date of birth is 10.04.1992 which is wrong, Correct name is Seema Devi and Date of Birth is 01.01.1990, enter correct name and date.

जयपुर विकास प्राधिकरण
क्रमांक: जविप्रा/उपा./जोन-5/2024/डी-1013, दिनांक:21.06.2024
आम सूचना
जविप्रा की योजना गोपाल नगर-ए, के आवासीय भूखण्ड संख्या ए-85 का इस कार्यालय द्वारा दिनांक 05.05.2001 को श्री ओमप्रकाश गुप्ता पुत्र श्री मुरलीधर गुप्ता के पक्ष में क्षेत्रफल 252.77 वर्गगज का पट्टा विलेख जारी गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत् श्री मदन मोहन सक्सैना पुत्र स्व. श्री हरीमोहन सक्सैना पति स्व. श्रीमती प्रभा सक्सैना द्वारा आवेदन पत्र के साथ श्रीमती प्रभा सक्सैना का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं स्व. श्रीमती प्रभा सक्सैना के वारिसान् द्वारा आवेदक के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र की प्रति व वारिसान् के संबंध में सजरा शपथ पत्र की प्रति संलग्न की गई है। उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण करने की कार्यवाही करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति होतो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदिकागण के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-05

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक महिला की मौत, तीन दर्जन श्रृद्धालु घायल

यूपी के दहगवां गांव निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली से कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे थे

करौली, (नि.सं.)। कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करौली-मासलपुर मार्ग स्थित चैनपुर आश्रम के पास तीखे मोड़ पर पलट गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन दर्जन अधिक श्रृद्धालु घायल हो गए, जबकि एक महिला की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना में मृत महिला का शव करौली हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। मासलपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायलों को विभिन्न वाहनों से करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार किया।

■ करौली एसडीएम, करौली थाना अधिकारी, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी

घटना की जानकारी मिलते ही करौली एसडीएम पिंकी, करौली थाना अधिकारी सुनील कुमार, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेष मीना चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। उत्तर प्रदेश के जगनेर क्षेत्र के दहगवां गांव निवासी अमन पुत्र सुरेंद्र ने बताया कि वो अपने परिवार के लोगों के साथ कैलामाता की ध्वजा चढ़ाने कैलादेवी गए थे। माता की ध्वजा चढ़ाने के बाद दर्शन कर शनिवार दोपहर बाद उत्तर प्रदेश के जगनेर के दहगवां गांव लौट रहे थे।

इस दौरान करौली-मासलपुर मार्ग पर चैनपुर गांव स्थित ब्रह्म ऋषि आश्रम के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। ट्रैक्टर- ट्रॉली पलटने से 30 से अधिक महिला, पुरूष, बालक-बालिकाएं घायल हो गए। घायलों को विभिन्न वाहनों द्वारा करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में महिला, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल है। दुर्घटना में मंजू देवी (50) पत्नी मुकेश की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी दो ट्रैक्टरों में सवार होकर शुक्रवार को ध्वजा लेकर कैला देवी गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहीं करौली अस्पताल में उपजिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर ने पूरे मामले की जानकारी लेते हुए घायल श्रृद्धालुओं की कुशलक्षेम पूछी।

हरिण शिकार प्रकरण में रेंजर और वन रक्षक निलंबित

मृत हरिणों का पोस्टमार्टम कराया, वन्यजीव प्रेमियों का आंदोलन समाप्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। जैतसर थाना क्षेत्र के चक 2 एलसी के हरिण शिकार प्रकरण में प्रधान मुख्य वन संरक्षक जयपुर ने क्षेत्रीय वन अधिकारी अशोक सिंह और वन रक्षक तेजपाल सिंह को निलम्बित कर दिया है। बिश्नोई मंदिर समिति बुड्ढ़ा जोहड़ डाबला के ज्ञापन और उप वन संरक्षक श्रीगंगानगर की रिपोर्ट के आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन दोनों को दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही का दोषी मानते हुए निलम्बन की कार्यवाही की है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय संभागीय मुख्य वन संरक्षक बीकानेर कार्यालय रहेगा।

जैतसर क्षेत्र के गांव दो एलसी में सुबह मृत मिले दो हिरणों के शिकार के बाद आक्रोशित वन्यजीव प्रेमियों की ओर से हिरणों के शवों के साथ रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग पर तीन दिन से धरना लगाकर आंदोलन किया जा रहा था। इस बीच शाम करीब साढ़े छह बजे वन विभाग रायसिंहनगर के रेंजर व वनरक्षक के निलंबन के साथ ही वन्यजीव प्रेमियों की सभी मांगों को मान लेने पर धरना समाप्त कर दिया गया। उपखण्ड अधिकारी व सीओ रायसिंहनगर की मौजूदगी में हिरणों के शवों को करीब 38 घंटे बाद पोस्टमार्टम करवाकर दफना दिया गया। इससे पूर्व बिश्नोई सभा के आव्हान पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के

■ श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग धरने में पहुंचे

लोग घटनास्थल पर पहुंचे एवं धरने में शामिल हुए। हिरणों के शवों को डीप फ्रीज में रखकर उनकी आत्मिक शांति के लिए हरि स्मरण पाठ प्रारंभ किया गया। बिश्नोई सभा डाबला के अध्यक्ष अरविंद सिहाग,पूर्व अध्यक्ष सीताराम मांझू, दलीप सिगड़, जीव रक्षा बिश्नोई सभा के मुकेश सुथार बिश्नोई, मनसुख बिश्नोई, विजय भादू, संदीप रिणवां, सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष कालू थोरी, सूरतगढ़ बिश्नोई सभा के पूर्व अध्यक्ष भागीरथ कड़वासरा, कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा, पूर्व प्रधान हरीराम मेघवाल, अनिल धारिणयां, डाबला सरपंच रजनीश ज्याणी, पूर्व सरपंच अरविंद बिश्नोई, ताराचंद धारिणयां, रामस्वरुप तरड़, पीसीसी सचिव गगन विड़िंग सहित ग्रामीण धरने में शामिल हुए एवं वन विभाग की कार्यशैली पर अक्रोश जताया।

धरनास्थल पर सभा में रायसिंहनगर भूमि विकास बैंक के चैयरमैन कालू थोरी ने कहा कि गाय का शिकार करने पर सरकार तुरंत एक्शन लेती है, परंतु हिरण के शिकार पर समाज को संघर्ष करना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एक पौधा दस-पन्द्रह साल में बड़ा होता है और वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारी दो घंटे में उस पेड़ को कटवा देते हैं। कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर सरेआम पेड़ काटे जा रहे हैं। शिकार की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

विभिन्न मंडियों से धरनास्थल पर पहुंचे बिश्नोई समाज के प्रबुद्धजनों की 21 सदस्यीय समिति का गठन कर रायसिंहनगर उपखण्ड अधिकारी सुभाषचन्द्र व सीओ अनु बिश्नोई से दोपहर करीब तीन बजे वार्ता प्रारंभ हुई। वार्ता में पूर्व विधायक बलवीर लूथरा भी शामिल हुए। चार चरणों में हुई वार्ता में अंततः मांग पत्र पर सहमति बन गई। इसके बाद एसडीएम ने वन विभाग के दोनों अधिकारियों का निलंबन पत्र समिति सदस्यों को सौंप दिया, जिसके बाद वन्यजीव प्रेमियों ने आंदोलन की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। वन्यजीव प्रेमियों की ओर से दूसरे दिन भी रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग को जाम करने से यातायात व्यवस्था बिगड़ी रही। कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीओ अनु बिश्नोई के नेतृत्व में सर्किल क्षेत्र के थानाधिकारी इमरान खान, श्रीविजयनगर थानाधिकारी गोविंदराम बिश्नोई सहित मुकलावा एवं रायसिंहनगर पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

विद्युत करंट लगने से मादा पैंथर और दो शावकों की मौत

बिजली लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के नजदीक अलवर वन मंडल क्षेत्र डहरा शाहपुर अमृतवास में एक मादा पैंथर और उसके दो शावकों की मौत हो गई है। बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत होना सामने आया है। हालांकि अभी

■ वन रेंजर व अन्य कार्मिक मौके पर पहुंचे, तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया

तीनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस हादसे को लेकर वन विभाग पर सवाल उठे रहे हैं।

लोगों का कहना है कि वनक्षेत्र के आसपास में बिजली लाइन क्यों डाली गई? आशंका यह भी है कि शिकार के मकसद से तो इन्हें नहीं मारा गया, क्योंकि एक साल पहले भी इस क्षेत्र में तीन पैंथर की मौत हो चुकी है। घटना शुक्रवार रात 10 बजे के आसपास की है। लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया। सूचना के बाद वन रेंजर व अन्य

मादा पैंथर और उसके दो शावकों के शव।

कार्मिक मौके पर पहुंचे। तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद इनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जिस जगह यह हादसा हुआ है, वहां बाघ की मूवमेंट रहती है। यह सरिस्का बाघ अभ्यारण्य का हिस्सा है। यहां कई बार बाघ एसटी-18 और 2303 की मूवमेंट दिखी है। इसके अलावा भी कई वन्यजीव यहां आते हैं। यह जगह अलवर शहर से महज 15 किमी की दूरी पर है।

दो पैंथरों की लड़ाई में एक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर जिले के सराड़ा वन रेंज के अंतर्गत दो पैंथरों की आपसी लड़ाई में एक की मौत हो गई। वनकर्मियों ने पैंथर के शव को कब्जे लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाकर शव का निस्तारण किया।

क्षेत्रिय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि वन विभाग को ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि पलोदडा वन चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पलुणा के खेड़ा के जंगल में एक मृत पैंथर का शव पड़ा है, जहां वनपाल रेखा मीणा, वनरक्षक केशव मीणा, प्रकाश मीणा, पूर्व सरपंच भगवती लाल के अलावा वन सुरक्षा समिति के वेलाराम, होमा आदि मौके पर पहुंचे और मौका कार्रवाई करते हुए पैंथर के शव को कब्जे में लेकर चौकी पर रखवाया, जहां शनिवार को चिकित्सकों की देखरेख में उसका पोस्टमार्टम कर शव का निस्तारण किया गया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टिकोण से दो पैंथरों की आपसी संघर्ष से मौत होना प्रतीत हो रहा है। मृत पैंथर के गले में दांत के निशान भी दिखाई दे रहे हैं, हालांकि विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट सामने आने के बाद ही वस्तुस्थिति साफ होगी। बताया गया मृत पैंथर की उम्र तकरीबन 3 वर्ष के आसपास है व मादा है।

राजस्थान का मोस्ट वांटेड प्रदीप बुवाल गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। जिले ही नहीं प्रदेश के मोस्ट वांडेट अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल नामी बदमाश आखिरकार शनिवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस टीम ने राजस्थान के 25 टॉप मोस्ट वांटेड के प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार कर लिया है। चालीस हजार रुपए इनामी बदमाश प्रदीप पर बीकानेर सहित कई जिलों के थानों में मामले दर्ज है।

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया पुलिस की साइबर टीम के प्रयास से साइंसर निवासी प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी में एएसआई दीपक यादव और कांस्टेबल सुमित के साथ जसरासर थानाधिकारी संदीप बिश्नोई की खास भूमिका रही। जसरासर थानाधिकारी ने

■ प्रदीप पर बीकानेर, नागौर, जोधपुर और अजमेर में मामले दर्ज हैं

बताया कि खींदासर-हदां के बीच रोही में शनिवार को प्रदीप के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद घेराबंदी करके प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाश प्रदीप पर न सिर्फ बीकानेर बल्कि नागौर, जोधपुर और अजमेर में भी मामले दर्ज हैं। उस पर बीकानेर के पांचू, कोटगेट, नोखा, कोलायत में मामले है तो नागौर के मेड़ता सिटी, पाली के आनन्दपुर, जोधपुर के भोजासर और उदयमंदिर, अजमेर के पीसांगन में भी केस दर्ज है।

ओवरलोड दो डंपर जब्त

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने देर रात को ओवरलोडिंग डंपरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ओवरलोड डंपरों को जब्त किया है। पुलिस ने 70 हजार रुपए भी जुर्माना भी वसूल किया गया है। थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस की ओर से अलग-अलग टीमें लगाकर ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की टीम ने बबाई में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान खेतड़ी के खनन क्षेत्र से ओवरलोड पत्थर व डस्ट लेकर आ रहे दो वाहन जब्त किए गए, जिसमे दो ओवरलोड वाहन पाए गए। इसके अलावा छह वाहनों को एमवी एक्ट के मामले में जब्त किए गए हैं।

'जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में स्टूडेंट्स को परेशानियां आईं'

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी एनआईटी, ट्रिपल आईटी समेत 121 संस्थानों की 59917 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग चल रही है। जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन की ऑनलाइन रिपोर्टिंग जारी है। ऑनलाइन रिपोर्टिंग का समय 24 जून को शाम 5 बजे तक दिया गया है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स के सामने जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में परेशानियां आ रही है। इसमें दो बड़े कारण स्टूडेंट्स बता रहे हैं। पहला है जिसमें 12वीं की संबंधित बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाईल जारी नहीं होने के कारण स्टूडेंट्स प्रवेश की बोर्ड प्राप्तांकों की पात्रता को लेकर असमंजस में हैं, जिन स्टूडेंट्स के बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक नहीं हैं, और उन्हें सीट आवंटित हो गई है, वे स्टूडेंट्स टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर का इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष भी आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपलआईटी में प्रवेश के लिए 75 प्रतिशत या टॉप-20 पर्सेन्टाइल में शामिल होने की बोर्ड पात्रता रखी गई है। कुछ स्टूडेंट्स को अपेक्षा है कि बोर्ड में टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर से वे पात्रता पूरी कर लेंगे, फिलहाल इन स्टूडेंट्स के प्रवेश पर संकट है। एक्सपर्ट आहूजा ने बताया कि इसके अलावा स्टूडेंट्स लगातार 12वीं बोर्ड की ओरिजनल मार्कशीट जारी नहीं होने की समस्या से जूझ रहे हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के समय ओरिजनल मार्कशीट मांगी जा रही है, कुछ बोर्ड्स द्वारा एक्सपर्ट मार्कशीट जारी नहीं होने की स्थिति में इंटरनेट की मार्कशीट मान्य नहीं हो रही है और प्रवेश अटका दिया गया है। स्टूडेंट्स ने संबंधित बोर्ड से मार्कशीट जारी करने की मांग की है, एडमिशन सुनिश्चित हो सके। इस विसंगति में राजस्थान सहित देश के कई बड़े बोर्ड शामिल हैं।

आहूजा ने बताया कि देश में एनआईटी, ट्रिपलआईटी में एडमिशन के लिए कई बड़े बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर जारी नहीं की गई है। इसमें राजस्थान बोर्ड सहित छत्तीसगढ़ ,हिमांचल, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटका, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल आदि बोर्ड शामिल हैं, जिनकी टॉप-20 पर्सेन्टाइल जारी नहीं की गई है।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स को जोसा काउन्सलिंग में ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान अपनी आवंटित सीट के लिए तीनों स्टेप पूरे करने के बाद उन्हें जोसा द्वारा डोक्युमेंट्स वेरिफाई कर सीट कन्फर्मेशन का इंतज़ार करते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि बहुत से स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिन्होंने ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कर ली परन्तु अभी तक उनके सारे डाक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हुए है और ना ही उनकी आवंटित सीट का कन्फर्मेशन आया है ऐसे में ये स्टूडेंट्स परेशानी में है।

16 माह के लंबे इंतजार के बाद पदोन्नत उप प्राचार्य का पदस्थापन होगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के शिक्षा विभाग में फरवरी 2023 यानी 16 महीने पहले विभागीय पदोन्नति से व्याख्याता से उप प्राचार्य बने कार्मिकों को अब पोस्टिंग मिलने जा रही है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षा निदेशालय में पदोन्नति से पदोन्नत हुए उप प्राचार्य की काउंसलिंग करवाने की तैयारियां शुरू की गई है। अब निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,बीकानेर आईएएस आशीष मोदी ने आदेश जारी किया जिसमें विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा उप-प्राचार्य की वर्ष 2022-23 डीपीसी उपरांत पदोन्नत होने वाले कार्मिकों के संबंध में पदस्थापन आदेश जारी किये जाने से पूर्व शाला दर्पण एसडीपीएमएस (शाला दर्पण पोस्टिंग मैनेजमेंट सिस्टम) पर ऑनलाईन काउसलिंग प्रक्रिया के लिए कार्यक्रम द्वारा जारी है, जिसके माध्यम से 10 हजार 49 पदोन्नत हुए उप प्राचार्यों का पदस्थापन किया जाएगा।

स्कूलों में पदस्थापन हेतु उप प्राचार्य का काउंसलिंग कार्यक्रम में 22 जून से 24 जून तक विशेष वर्ग की जानकारी हेतु निर्धारित प्रपत्र जारी कर, सूचना प्राप्त करना, 25 से 27 जून तक प्राप्त सूचना के आधार पर अस्थाई वरीयता सूची विभागीय वेबसाईट पर प्रकाशन कर वरीयता सूची के संदर्भ में आपत्तिया मांगना, 28 जून को एनआईसी, शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर एवं संस्थापन एबी अनुभाग (निदेशालय) द्वारा आपसी समन्वय द्वारा अपलोड डाटा का सत्यापन, 30 जून को प्राप्त अंतिम आपत्तियों के आधार पर संशोधन करते हुए स्थाई वरीयता सूची का प्रकाशन एवं शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप रिक्तियों का प्रकाशन, 1 से 4 जुलाई तक वरीयता सूची मे उल्लेखित आशाथियों द्वारा विद्यालयों का चयन एवं ऑप्शन लॉक किया जाना (4 जुलाई मध्य रात्रि 12 बजे तक)। 5 जुलाई को आशथियों द्वारा लिये गये विकल्पों के आधार पर एनआईसी एवं शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर द्वारा रिजल्ट/रिपोर्ट तैयार करना, 8 जुलाई को तैयार रिजल्ट/ रिपोर्ट के आधार पर पदस्थापन संबंधी आदेश जारी करना।

राज्य में स्थिति ये थी कि पदोन्नति के बाद सैकड़ों स्कूलों में एक से लेकर आठ-आठ, नौ-नौ उप प्राचार्य हो गए। इनकी पदोन्नति तो हो गई लेकिन दूसरी स्कूलों में नियुक्ति नहीं मिली। शिक्षा विभाग ने पदनाम बदल कर वर्तमान स्कूल में ही अगले आदेश तक नियुक्ति दे दी और नए पद के अनुरूप वेतन मिलना शुरू हो गया। यानी पद उप प्राचार्य का मिला, लेकिन काम व्याख्याता का ही कर रहे थे।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि राज्य में आरपीएससी के माध्यम से माध्यमिक स्कूलों के एचएम के पदों पर 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती व 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति होती थी। लेकिन पूर्व सरकार ने एचएम पद को समाप्त करते हुए उसकी जगह नया पद उप प्राचार्य का सृजित कर दिया जो स्वागत योग्य कदम था।

आठ पंचायतों को भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग पर अड़े ग्रामीण, धरना प्रदर्शन किया

विरोध के बावजूद राजनीतिक लाभ के लिए आठ पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया

मांडलगढ़, (निसं)। जनता के विरोध के बावजूद भी राजनीतिक लाभ के लिए आठ ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया। उसके बाद से ही 8 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण काछोला में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, परंतु प्रशासन एवं सरकार इस और ध्यान नहीं दे रही है जिससे अब विरोध के सूर तेज होने लगे हैं। शनिवार को धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर नवीन कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की, जो अब उग्र आंदोलन के रूप में ग्रामीण सड़कों पर उतरेंगे।

मांडलगढ़ के काछोला उप तहसील मुख्यालय पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने धरना दिया।

■ धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की

जानकारी के अनुसार काछोला में आठ ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण बस स्टैंड स्थित सब्जी मंडी की जगह पर धरना दे रहे हैं। उनकी काछोला सहित आठ ग्राम पंचायतों को शाहपुरा जिले से निकालकर पुनः भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग है। आगामी रणनीति तय करने के लिए शनिवार को धरना स्थल पर मीटिंग हुई।

संघर्ष समिति के बुलावे पर विधायक प्रतिनिधि संदीप माहेश्वरी धरना स्थल पर आए। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल से दूरभाष पर आठ पंचायतों के संबंध में प्रतिनिधिमंडल के मिलने का समय लिया। खंडेलवाल से संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर वार्ता करेगा। इसके बाद ही उचित आंदोलन की आगामी रणनीति बनाई जाएगी। संघर्ष समिति विधायक से मिलने के बाद आगामी रणनीति तय करेगी। इस अवसर पर संघर्ष समिति के संपत सिंह सोलंकी, संदीप सोनी, भैरूलाल मंत्री, एनके सोनी, अमरसिंह सोलंकी, राजेंद्रसिंह सोलंकी, सूरतराम गगरानी, महावीर शर्मा सरथला, कैलाश धाकड़, मुरली मनोहर मूंदड़ा, एनके सोनी, कमलेश आचार्य, पंचायत के जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच प्रत्याशी, पूर्व सरपंच व प्रबुद्धजन आदि उपस्थित थे।

यह है मामला :- काछोला सहित आठ पंचायतों की भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। ये आठ पंचायतें हैं काछोला, राजगढ़, थलकलां, सरथला, जस्सूजी का खेड़ा, झंझौला, मांगटला, जलिंद्री। इन ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में शामिल करने का विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। इसको लेकर संघर्ष समिति के बेनर तले मांडलगढ़ विधायक, सांसद सहित आदि को ज्ञापन देकर मांग की है कि शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में इन पंचायत को जोड़ा जाए।

आसाराम की तबीयत फिर बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जेल में बंद आसाराम की शनिवार को तबीयत फिर बिगड़ गई। आसाराम को निजी आयुर्वेदिक अस्पताल लाया गया है। आसाराम यहां इलाज के लिए दो दिन रुकेंगे। इससे पहले गुरुवार रात भी आसाराम की तबीयत खराब होने से उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। इसके बाद फिर से जेल भेज दिया गया था।

आसाराम ने यहां से अप्रैल माह में पुणे के डॉक्टर की देखरेख में इलाज करवाया था। सोमवार को भी आसाराम ने सीने में दर्द की शिकायत की थी। इस पर जेल की डिस्पेंसरी में ईसीजी करवाया गया था। रुटीन चैकअप के लिए गुरुवार को एम्स ले गए, जहां खून की कमी और अन्य जांच सामान्य होने पर वापस जेल भेज दिया गया। इसके बाद देर रात वापस सीने में दर्द की शिकायत होने पर एम्स में भर्ती किया गया। शुक्रवार को जांचें आने के बाद जेल ले जाया गया था।

आसाराम का अप्रैल महीने में आयुर्वेदिक पद्धित से हार्ट का इलाज जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में पूणे के माधोबाग अस्पताल के डॉक्टरर्स की निगरानी में हुआ था। उसके बाद आसाराम की हालत में सुधार था।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-पाली (राज.)

क्रमांक-789-814 दिनांक-14.06.2024

निविदा सूचना संख्या 03 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर सांर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में इ-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा के NIB CODE है PWD2425A0254
निविदा के UBN NO. है PWD2425WSOB00876, PWD2425WSOB00877, PWD2425WSOB00878, PWD2425WSOB00879

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड-पाली

DIPR/C/4544/2024

दीवार गिरने से आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में शनिवार सुबह एक दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार आजाद नगर कॉलोनी में सतसांई कॉलेज की साइड की दीवार शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे अचानक गिर गई।

दीवार से सटाकर पार्क किए गए कई वाहन मलबे से क्षतिग्रस्त हो गए। यह दीवार करीब बीस फीट ऊंची थी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मलबे से वाहनों को निकाल कर हटाया गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त हो गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सतसांई कॉलेज की दीवार सुबह अचानक वाहनों पर आ गिरी। जानकारी के अनुसार बारिश से दीवार की नींव में पानी भर गया। इससे दीवार ने जगह छोड़ दी। दीवार गिरने से दो कार, दो दोपहिया वाहन और एक ऑटो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

सांगानेरी गेट पर महिला चिकित्सालय में लगी आग

धुएं के बीच फंसे 50 से ज्यादा महिला और बच्चों को निकाला

- **पहली मंजिल पर बनी बायोकेमिस्ट्री लैब में आग लगने के बाद दूसरी और तीसरी मंजिल पर धुंआ फैल गया।**
- **आग से लैब में रखी दो मशीनें, जांच उपकरण, कंप्यूटर, फ्रीज, कई कागजात और सैंपल जल कर राख हो गए।**
- **दो दमकलों ने करीब तीन घंटे में आग पर काबू पाया।**

जयपुर। राजधानी के लाल कोठी इलाके के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में शनिवार सुबह साढ़े चार बजे भीषण आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल गया।

आग की सूचना मिलने पुलिस सहित घाटगेट से दो दमकल मौके पर पहुंची। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

वार्ड में धुएं के बीच पचास से ज्यादा महिला और बच्चे फंस गए, जिन्हें पुलिस सहित दमकल कर्मियों ने सकुशल बाहर निकाल कर दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। प्रथम दृष्टा जांच में सामने आया की एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई थी।

सहायक अग्निशमन अधिकारी आमेर घनश्याम ने बताया कि शनिवार तड़के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में आग की सूचना मिली थी। इस पर घाटगेट से दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग अस्पताल की पहली मंजिल में बनी बायोकेमिस्ट्री लैब में एसी में शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी थी। आग की चपेट में आने से लैब में रखी दो मशीनें, जांच उपकरण सहित कई कागजात जल कर राख हो गए। पहली मंजिल पर लगी आग का धुआं अस्पताल की दूसरी और तीसरी मंजिल पर फैल गया।

इस दौरान पहली मंजिल पर बने जनरल वार्ड में करीब पचास से अधिक महिला और बच्चे मौजूद थे। सभी को दमकल कर्मचारियों ने निकाल कर ग्राउंड फ्लोर पर बने वार्ड में शिफ्ट किया। इस दौरान किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक पूरी लैब जलकर राख हो गई। इस लैब में बड़ी संख्या में महिला मरीजों के सैंपल थे, जो आग में जल गए। इसके साथ ही लैब में कंप्यूटर, फ्रीज व अन्य सभी सामान जल गया।

सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय की अधीक्षक आशा वर्मा ने बताया कि आग के कारण एक थायराइड जांचने की मशीन भी जल गई। आग के दौरान मरीजों को शिफ्ट करने की जरूरत नहीं थी। फिर भी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पहली मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट कर दिया गया है। एक ओटी को भी बंद कर दिया गया है। इसे फिर से सेनेटाइज कर जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

रिंग रोड सर्विस लाइन पर कार ने महिला को कुचला

जयपुर। राजधानी के मुहाना इलाके में रिंग रोड की सर्विस लाइन पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार बेकाबू कार ने महिला का कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

भंम्भोरी गांव की 38 वर्षीय महिला गुलाब देवी पत्नी शंकर लाल बागड़ा अपने पीहर जा रही थी। मृतक गुलाब देवी मुहाना में सड़क किनारे खड़ी होकर अपने पिता को फ़ोन लगा रही थी। तभी तेज गति से आ रही कार ने महिला को कुचल दिया। इसके बाद मृतका के परिजनों ने मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा कर बताया कि आरजे 14-2385 नंबर की गाड़ी तेज गति से आकर सड़क किनारे खड़ी गुलाब देवी को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। गुलाब देवी की दुर्घटना में मौत होने पर उनके साथ थोड़ी दूर खड़े बेटे रोहित ने हिम्मत दिखा कर अपनी मां को अस्पताल पहुंचाया और उसके बाद अपने पिता को मम्मी के देहांत हो जाने की बात कही।

सार-समाचार

गायत्री यज्ञ में श्रेष्ठ वर्षा की कामना की

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से ज्येष्ठ पूर्णिमा पर शनिवार को गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ अभियान के अंतर्गत 125 स्थानों पर हवन कराया गया। यज्ञ के ज्ञान विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित यज्ञ में करीब 11 हजार आहुतियां अर्पित की गई। गायत्री और महामृत्युंजय महामंत्र के अलावा प्रदेश में अच्छी वर्षा की कामना के साथ विशिष्ट मंत्रों से भी आहुतियां प्रदान की गई। गायत्री परिवार जयपुर उप जोन के समन्वयक सुशील कुमार शर्मा ने दुर्गापुरा स्थित गायत्री चेतना केन्द्र से यज्ञ का संचालन किया। गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने यज्ञ के बाद संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक रूप से किए गए यज्ञ और साधना का प्रभाव बहुत अधिक होता है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र को सशक्त-समर्थ बनाने के लिए सामूहिक यज्ञों का सतत आयोजन होना चाहिए। यज्ञ की पूर्णाहुति में पेड़ लगाने का संकल्प कराया गया। गायत्री यज्ञ का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, वेदना निवारण केन्द्र, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ सहित सभी चेतना केन्द्रों, प्रज्ञा केन्द्रों और राजधानी की प्राय: हर कॉलोनी में किया गया। उल्लेखनीय कि गायत्री परिवार की ओर से हर पूर्णिमा का ऑनलाइन यज्ञ किया जाता है।

देसी कट्टा सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन (आग) के तहत ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपित रवि बंजारा को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपित के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) चलाया जा रहा है। इसके तहत सीएसटी ने ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपित रवि बंजारा निवासी बामनवास जिला सवाई माधोपुर हाल आजाद नगर जवाहर नगर कच्ची जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार एक देसी कट्टा जब्त किया है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

साढ़े तीन करोड़ का डोडा पोस्त पकड़ा

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने साढ़े तीन करोड़ रुपए से ज्यादा के डोडा पोस्त से भरा ट्रक पकड़ा है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक को अरेस्ट किया, जबकि तस्कर का एक साथी मौका देखकर ट्रक से कूदकर भाग निकला। पुलिस के अनुसार जयपुर कमिश्नरेट पुलिस लगातार तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर एक ट्रक को रुकवाया तो एक युवक कूदकर भाग निकला, जबकि चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। जांच की तो उसमें डोडा पोस्त भरा मिला। ट्रक में करीब 12 क्विटल डोडा पोस्त बोरियों में भरा मिला। इसकी कीमत करीब 3.60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। चालक चित्तौड़गढ़ से ट्रक लेकर आ रहा था। पुलिस चालक से पूछताछ करने में जुटी है।

11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर। मुरलीपुरा के विकासनगर विस्तार, दादी का फाटक स्थित मंदिर राधा कृष्ण मंदिर में आज रविवार, 23 जून को सुबह सात बजे से सालासर बालाजी धाम के महंत विष्णु महाराज के सान्निध्य में गौ रक्षार्थ ग्यारह कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक मनु महाराज ने बताया कि गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में में होने वाले महायज्ञ में गायों को बचाने के लिए विशेष आहुतियां प्रदान की जाएंगी। हवन में देसी नस्ल के गाय का घी और गोकाष्ठ का उपयोग किया जाएगा। यज्ञ की पूर्णाहुति में गो उत्पादों का प्रयोग करने का संकल्प कराया जाएगा। बच्चों को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका भेंट की जाएगी। इस मौके पर मंदिर परिसर में नशा मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। श्रद्धालुओं को सालासर बालाजी मंदिर का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार को सुबह मंदिर परिसर में श्रमदान किया गया। शाम को मंदिर परिसर में महाआरती हुई। सैंकड़ों दीयों की जगमगाहट से मंदिर दीपावली की तरह जगमगा उठा।

ऋषभदेव का गर्भ कल्याणक आज

जयपुर। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का गर्भ कल्याणक रविवार को भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। सुबह अभिषेक और शांतिधारा के बाद भगवान ऋषभदेव की पूजा की जाएगी। गर्भ कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अघ्र्य अर्पित किया जाएगा। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आगरा रोड पर पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, मानसरोवर के मीरा मार्ग, मनिहारों का रास्ता स्थित बड़ा दीवान जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। गुरुवार, 27 जून को बारहवें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का गर्भ कल्याणक एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।

पथराव करने वाले पांच लोग गिरफ्तार किये

- **संजय सर्किल में चांदपोल स्थित माली कॉलोनी में दो समुदायों में हुए पथराव के बाद शनिवार को सन्नाटा पसरा रहा।**
- **दिन भर पुलिसकर्मी गश्त लगाते हुए नजर आए।**

जयपुर। राजधानी के संजय सर्किल में चांदपोल स्थित माली कॉलोनी में दो समुदायों में हुए पथराव के बाद शनिवार को सन्नाटा पसरा रहा। इलाके में पथराव के बाद पुलिस जाब्ता तैनात रहा। दिन भर पुलिसकर्मी गश्त लगाते हुए नजर आए। इस दौरान पुलिस ने पथराव करने वाले पांच लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है ताकि पथराव करने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

थानाप्रभारी अनिल यादव ने बताया कि पथराव करने के मामले में माली कॉलोनी निवासी सलमान, शाहरूख और मोहसीन और दूसरे पक्ष से हर्ष अग्रवाल और भानु सैनी को गिरफ्तार किया हैं।

गौरतलब है कि माली कॉलोनी निवासी गौतम अग्रवाल और उसका भाई हर्ष अग्रवाल सीकर हाउस स्थित दुकान से माल लेकर घर आ रहे थे। इसी दौरान समुदाय विशेष के लोगों से मामूली कहासुनी के बाद झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े की सुनकर दोनों तरफ से लोग आ गए और पथराव शुरू हो गया। जानकारी मिलने पर संजय सर्किल, कोतवाली, माणक चौक और सुभाष चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद स्थिति को काबू की गई। वहीं दूसरे पक्ष से माली कॉलोनी निवासी अजहर ने रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि छोटे बच्चों में कहासुनी के बाद हम पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में तीन चार लोगों के चोट आई थी। घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने तहकीकात करने के बाद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

करीब एक हजार बदमाशों के ठिकानों पर दबिश मारी

जयपुर पुलिस ने सुबह पांच बजे बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने जयपुर शहर में दहशतगर्दी-आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ शनिवार की अलसुबह गिरफ्तारी और तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर, गैंग, अपराधियों एवं सक्रिय 996 अपराधियों को चिन्हित कर उनके ठिकानों एवं निवास पर दबिश दी गई। इस विशेष अभियान में 475 अपराधियों को पूछताछ के लिए थाने लाया और इनमे से 393 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

- **अभियान में 475 अपराधियों को पूछताछ के लिए थाने लाया और इनमे से 393 अपराधियों को गिरफ्तार किया।**

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम अभियान के दौरान हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर, गैंग, अपराधियों को पूछताछ के लिए थाने लायी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर में ऐसे अपराधी जो अवैध मादक पदार्थ गांजा, स्मैक, अफीम, भांग आदि मादक पदार्थो की तस्करी करते है और इलाके में दहशतगर्दी एवं आपराधिक वारदातों को अंजाम देते है। इस प्रकार के अपराधी गली, मोहल्लों, आस-पास के क्षेत्र तथा शहर में भय का माहौल व्याप्त करते है। जो गंभीर अपराध करते है उनकी आपराधिक गतिविधियों में लगाम लगाने के लिये एवं उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिये शनिवार की अलसुबह विशेष अभियान चला कर 996 अपराधियों के ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की गयी। यह कार्रवाई अति गोपनीय और व्यवस्थित तरीके से की गयी। जिससे अपराधी एक दूसरे को सतर्क न कर सकें। गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों की संख्या 393 है। जिसमें एनडीपीएस एक्ट में 1, आबकारी अधिनियम में 23, आर्म्स एक्ट में 1, अन्य एक्ट में 3 प्रकरण दर्ज, धारा 151 सीआरपीसी में 297, धारा 110 सीआरपीसी में 5, धारा 107/116 सीआरपीसी में 11, स्थाई, गिरफ्तारी वारंटों में 26 एवं पूर्व के प्रकरणों में वांछित 26 अपराधियों को गिरफ्तार किया एवं 9 वाहन जब्त किये गये।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने बतया कि शहर में भारी भरकम पुलिस जाप्ते के साथ जयपुर शहर में सक्रिय अपराधियों के ठिकानों पर दी गयी दबिश के कारण शहर भर के अपराधियों में खौफ पैदा हुआ है। इस अभियान में पकड़े अपराधियों से पुलिस अभी पूछताछ कर रही है जिससे और भी वारदातों के खुलासे व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी की संभावना है।

सीतारामजी ने किया जल विहार

जयपुर। छोटी चौपड़ स्थित सीतारामजी मंदिर में शनिवार को जल विहार उत्सव मनाया गया। ठाकुरजी को दो घंटे तक जल विहार कराया गया। श्रृंगार कर फूल बंगला झांकी सजाई गई। विराजमान किया जाएगा एवं जल विहार यात्रा कराई जाएगी। मंदिर महंत नंदकिशोर महाराज ने बताया कि जल विहार यात्रा के बाद भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

लॉक तोड़कर लग्जरी वाहन चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी की शिप्रापथ थाना पुलिस ने लॉक तोड़कर लग्जरी वाहन चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर तीन महीने में जयपुर शहर के अलग-अलग जगहों से पांच लग्जरी गाड़ियां चुराना स्वीकार किया है। आरोपी आदतन अपराधी है और उसके जयपुर शहर व अन्य जिलों और राज्यों में लूट, मारपीट, चोरी के दो दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। डीसीपी (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मनीष सोलंकी (34) सांगानेर सदर का रहने वाला है। आरोपी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने का आदतन अपराधी है। वह चोरी की गई गाड़ी को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में काम में लेता है। आरोपी चोरी की गाड़ियों को तस्करों को बेच देता है। वह पहले गाड़ी की रैकी करता है और बाद में चोरी की वारदात को अंजाम देकर जयपुर से बाहर निकल जाता है। आरोपी वारदात के बाद मुख्य रास्तों को छोड़कर गलियों से होते हुए जयपुर से बाहर निकल जाता है। थानाप्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि 6 जून को 10 बी स्कीम गोपालपुरा निवासी अनंत खण्डेलवाल की लग्जरी कार चोरी हो गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गाड़ियों की रैकी करने के बाद गलियों के रास्तों से ले जाकर सुनसान जगह पर खड़ी कर देते थे। दूसरे दिन सुबह वहां से ले जाकर जोधपुर, चित्तौड़गढ़ में तस्करी करने वालों को कम दामों में बेच देते थे।

पूर्णिमा पर रही दान-पुण्य की धूम

जयपुर। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर शनिवार को छोटीकाशी में दान-पुण्य का जोर रहा। शुक्ल योग और ब्रह्म योग में आई पूर्णिमा तिथि पर श्रद्धालुओं ने व्रत रखा। भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की।

अक्षय फल प्राप्ति के लिए श्रद्धालुओं ने मंदिरों और गोशालाओं में दान-पुण्य किया जाता है। मंदिरों में ठाकुरजी को धवल पोशाक धारण कराकर सफेद व्यंजनों का भोग लगाया गया। सफेद पुष्पों से ठाकुरजी का श्रृंगार किया गया। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित शुक संप्रदाय की प्रधान पीठ सरस निकुंज में ठाकुर राधा सरस बिहारी सरकार का धवल श्रृंगार किया गया।

नीम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

जयपुर। नींदड-बैनाड़ रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह नीम के पेड़ से एक युवक का शव लटका मिला। सुबह घूमने आए लोगों ने घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतारकर अस्पताल में रखवाया। फिलहाल युवक के आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पुलिस के अनुसार शिव शक्ति कॉलोनी बोयतावाला निवासी 29 वर्षीय विनोद पुत्र प्रकाशचंद का शव शनिवार सुबह 6 बजे नींदड-बैनाड़ रेलवे स्टेशन के पास नीम के पेड से लटका मिला। विनोद ने मफलर से फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक अविवाहित था और लम्बे समय से काम की तलाश कर रहा था। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस ने बताया कि विनोद के आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि विनोद रात को खाना खाकर 10 बजे सोया था और शनिवार सुबह उसका शव पेड़ से लटका मिला। घटना स्थल विनोद के घर से कुछ ही दूरी पर है।

रॉड से हमला कर चार बाल अपचारियों को घायल किया

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बाल सुधार गृह में सजा काट रहे एक बाल अपचारी ने अपने चार साथियों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में चारों बाल अपचारियों के हाथ, सिर, शरीर व अन्य स्थानों पर चोट आई। घटना के सम्बंध में घायल एक बाल अपचारी ने ट्रांसपोर्ट नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार एक बाल अपचारी ने 21 जून की सुबह गार्ड से गेट खुलवा कर बाहर से लोहे की रॉड लेकर आया और बैरक में सो रहे चार बाल अपचारियों पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इससे चारों को चोट आई है। शोर सुनकर बाल सुधार गृह के कर्मचारी और गार्ड मौके पर पहुंचे और हमलावर को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद चारों को छुट्टी दे दी गई। बताया जा रहा है कि हमलावर व घायल बाल अपचारी के बीच पहले किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। तब बाल अपचारी को समझा-बुझाकर शांत कर दिया गया था।

बदमाशों ने दो महिलाओं के गले से तोड़ी चेन

जयपुर। शहर के बनीपार्क इलाके में बाइक सवार बदमाश दो महिलाओं के गले से सोने की चेन तोड़कर ले गए। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार बनीपार्क निवासी नीता तेमानी ने मामला दर्ज करवाया कि वह मीरा मार्ग चौराहे पर किसी काम से गई थी। इसी दौरान पीछे से बाइक सवार बदमाश आया और उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गया। बदमाश ने मुहं पर कपड़ा बांधने के साथ हेलमेट पहना हुआ था। पीड़िता इस मामले में कुछ समझ पाती तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गए।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के पहले दिन रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान को आवंटित कोल ब्लॉक्स पारसा ईस्ट और कांता बासन (पीईकेबी), परसा तथा केंते एक्सटेंशन से कोयला खनन में आ रही बाधाओं को दूर करने में आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है। इस पर साय ने आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को यथाशीघ्र पूर्ण कर इसे उत्पादन निगम को हस्तांतरित करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के प्रश्न व उत्तरकुंजी 27 जून को होगी जारी

जयपुर। कांस्टेबल भर्ती-2023 के अंतर्गत 13 व 14 जून को संपन्न हुई कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के प्रश्न व उत्तर पर परीक्षार्थी निर्धारित शुल्क के साथ 27 जून रात से 29 जून तक ऑनलाइन आपत्ति विभाग की वेबसाइट पर मानक व प्रमाणित दस्तावेजों के साथ दर्ज करवा सकते है। परीक्षा के प्रश्न पत्र एवं उत्तर कुंजी 27 जून को पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड सचिन मित्तल ने बताया कि 13 व 14 जून को सम्पन्न हुई कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के प्रश्न पत्रों तथा इनकी उत्तर कुंजी पुलिस विभाग की वैबसाईटपर 27 जून को जारी की जावेगी। परीक्षार्थी 27 जून रात 12 बजकर एक मिनट से 29 जून समय 11 बजकर 59 मिनट तक ऑन-लाईन आपत्ति विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध करावा सकते है। प्रश्न पत्र एवं उसका उत्तर देखकर सम्बन्धित दस्तावेज के साथ दर्ज करवा सकते है। पुलिस विभाग द्वारा प्रत्येक आपत्ति का शुल्क 50 रुपये निर्धारित किया गया है।

जिला परिषद की साधारण सभा में उठे आमजन से जुड़े मुद्दे

जयपुर, (कासं)। जिला परिषद सभागार में शनिवार ,22 जून को जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक हुई। जिला प्रमुख रमा देवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बिजली, पानी, सड़क निर्माण जैसे आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

- **बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बिजली, पानी, सड़क निर्माण जैसे आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।**

जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख रमा देवी की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक हुई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी साथ ही, विकास कार्यों में आ रही परेशानियों को लेकर विभागीय अधिकारियों से भी चर्चा की। बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन, महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024-25 का अनुमोदन, पट्टा पत्रावलियों का अनुमोदन किया गया। साथ ही वाटरशेड प्रबंधन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं राजीव गांधी जल संचयन के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बिजली कटौती, बिजली के झूलते तारों, लंबित बिजली कनेक्शन आवेदनों, कृषि कनेक्शन, जल जीवन मिशन में पानी के कनेक्शनों , स्पीड ब्रेकर बनाने, सड़क निर्माण सहित कई मुद्दे उठाए। जिस पर संबंधित विभाग के अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को यथा स्थिति से अवगत करवाया।

बैठक में सांसद राव राजेंद्र सिंह,विधायक मनीष यादव, महेन्द्र मीणा, डॉ. शिखा मील बराला, रामावतार बैरवा, उप जिला प्रमुख मोहन लाल डागर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम)सुरेश कुमार नवल , अतिरिक्त जिला कलक्टर राजकुमार कसवां, सहित पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

Public Service Day

Did you know that every year, we have a special day to thank those who dedicate their lives to serving us all? It's *Public Service Day*. This day is like a big 'thank you' card, spread across the globe for everyone working in public service. Imagine giving a high-five to firefighters, teachers, healthcare workers, and all those amazing folks who work behind the scenes to make our lives better. *Public Service Day* highlights the value and virtue of serving the community. It recognizes the hard work of public servants and reminds us that these people make a huge difference in our lives.

#EDUCATION

Myth Of The Fast Learner

Achievement gaps come from differences in learning opportunities

In the right conditions, people learn at a remarkably similar rate, researchers report. The researchers wanted to know why some students learn faster than others. They hoped to identify fast learners, study them, and develop techniques that could help students understand new concepts quickly.

What they found surprised them.

Ken Koedinger, professor of Computer Science at Carnegie Mellon University's Human Computer Interaction Institute (HCII), led the research published in the *Proceedings of the National Academy of Sciences.*

He and his team examined data from 1.3 million student interactions from different kinds of educational technologies, including intelligent tutors, online courses, and educational games. The data, gleaned from learning science repository DataShop, indicated that learners master new concepts by having opportunities to practice them.

"The data showed that achievement gaps come from differences in learning opportunities and that better access to such opportunities can help close those gaps," Koedinger says. "This is further confirmation that these educational technologies can provide favourable learning conditions that make it easier to learn something new, like a second language, or a scientific or math concept."

If educators understand where their students are starting from, they can help students catch up to their peers by giving them more opportunities to practice the material. For example, they could incorporate a cognitive tutor who can give students instant feedback on homework problems. "We have all seen cases where somebody gets to a learning outcome sooner than a peer, one student gets an A in algebra and

another gets a C. But what we don't usually track is where they started. Our results are not contradicting that people end up in different places, but accounting for where students are starting from can tell us a lot about where they will end up," Koedinger says.

Paulo Carvalho, a systems scientist and special faculty at HCII and co-author, says that the paper supports the idea that information sticks with students longer if they are actively engaged while learning, an experience supported by the kinds of educational technology used in this study.

"We have several studies that show that when a student is actively working, they tend to do better than if they are just passively reading the materials," Carvalho says. "The datasets, that we use for the PNAS paper, all use systems that create favourable conditions for learning. The students are actively engaged, answering questions, and getting immediate feedback, for example." The data, used in this study, was from students from elementary to college courses in math, science, and language. Koedinger says that for all students, a growth mind-set is important.

"No matter who you are, you can do it. You might have had fewer prior opportunities in your life, so, it may be harder at first than it is for other people, but you will make just as much progress as anyone else as long as you stick to it," he says. Additional co-authors of the paper are Elizabeth A. McLaughlin, a Scientific Technological Specialist at HCII and Ran Liu, Chief AI Scientist at Amira Learning.

Israel Out Thought...

The IDF comprises mainly of reservists. Military service is compulsory for all Jewish males and females of certain ethnicities for up to three years after which they are absorbed as reservists. They form a critical pool of manpower and report every year for training in order to maintain the operational readiness of the IDF. However, a large number of them refused to serve or be mobilised in wake of the nationwide protests against the judicial reforms initiated by Prime Minister Netanyahu. Some of them even participated in street demonstrations.

Reasons That Led to the Counter Terrorism Failure

Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

At the end of September, the US National Security Advisor Jake Sullivan had listed out an inventory of positive developments in West Asia and said; "The Middle East region is quieter today than it has been in two decades."

On 07 October, a shocking multi-dimensional attack in South Israel by the Hamas who are reportedly funded by Iran has churned the region once again, shattering the fragile peace that existed by launching Operation AI- Aqsa Flood.

Though war has been a perpetual concern in Israel, but it has been decades since Israelis have had to wonder whether this would be the day that their borders would be overrun and their enemies would roam the streets with slaughter as their aim.

Prime Minister Benjamin Netanyahu warned his citizens that 'they are at war'; civil reservists have been called up and videos are showing hand battles on the streets. The country was soon at stand to with the potential for future strikes in the South by Hamas and new ones by Hezbollah in the orth. The country has been torn apart by domestic divisions. Death and destruction are following as Israel has its artillery and precision guided weapons on the Gaza Strip.

Current Conflict

We can take a stand on the conflict from two sides. One is based on the current episode and the other based on the continuum of events that took place nearly 75 years ago and the events that have followed with alarming regularity. While bids have been made for peaceful resolutions unfortunately as the ground beneath the feet is not firm these have only led to an uneasy peace and not to an enduring and lasting peace.

While both sides have resorted to force and violence over the decades as a means to settling the issue of a Palestinian homeland within or without the state of modern-day Israel what also stands out is the psyche of both their populations in conditioning themselves to live within this overhang and be ready to resort to brutal means in their bids to attack each other. The reasons for Palestinian anger and Israeli aggression can be debated endlessly with both sides having strong arguments to support their cause and case.

Can one draw parallels with the drawn-out conflict in Ukraine, the issue remains the extent of the Hamas arsenal in terms of rockets and the ability to replenish them. Firing four thousand rockets in a matter of hours will be difficult to sustain in the long run and building up a coalition of open support as is being done by NATO is not feasible or likely in the current geo-political context.

#POLITICKING

Not Just an Intelligence Failure

Intelligence failure on part of the Israeli state and the famed Mossad is being attributed as one of the main reasons for the Hamas to have been able to unleash themselves fifty years after Israel was caught by surprise during the Yom Kippur War, when on 6 October 1973 a joint Arab Coalition launched the attack on them. How were the Hamas able to get the weapons, train; prepare and organise themselves and more over carry out this attack which is being live streamed with gruesome images all over the world speaks of an intent.

Capability, the ability to use that capability and the will and resolve to execute this attack would not have been developed overnight and being able to discern the intent is what intelligence is all about, eliminating the threat from the base from where it originates comes next.

It cannot just be seen as an intelligence failure, but is a monumental failure of a system. How were the Hamas able to accumulate and fire five thousand rockets in less than an hour without triggering alarms? The Gaza border reportedly has sensors, cameras and thermal imaging to detect movement and is patrolled regularly and this is backed by quick reaction teams who can then arrive at the point within minutes. Was there some sort of cyber-attack that preceded the attack resulting in immobilizing these assets and rendering the surveillance grade virtually ineffective. What about space-based surveillance systems? There is always redundancy built in as far as these networked systems and other monitoring mechanisms are concerned.

Images show tank crews being pulled out of copula's, women being trampled upon and innocent civilians being shot in their cars. The path the returning pickup trucks could have been tracked and targeted to prevent hostages being taken. The murderous spree continued for over four hours and military garrisons were overrun but there seemed to be no response.

Thousands of rockets, which must have been obtained and hidden, were launched by Hamas. Hamas used drones to strike at Israeli targets. It sent its fighters on foot, by boat, and by air on motorised paragliders on the streets of Israeli towns unleashing barbaric acts against innocent citizens. As much a physical attack as a performative one delivering a sinister message.

Though images may suggest a spontaneous action on the part of Hamas it was without doubt, a pre-planned and well-coordinated and executed operation. The Israelis were confident they knew exactly what the Palestinians were doing by their sophisticated means of spying. They built a wall between Gaza and the communities on the Israeli side of the border. They felt that Hamas wouldn't dare launching an attack because they would get crushed, and that the Palestinians would turn against the Hamas for causing another war. They believed that Hamas was focused on a long-term cease-fire in which each side benefitted from a live-and let-live arrangement with nearly 20,000 Palestinian workers were going into Israel every day from Gaza, that was benefiting the economy and was generating tax revenues. But it turns out that was a lull before the storm.

As per the Atlantic, commentators are already describing this as Israel's 9/11, but that comparison is a crutch- 9/11 was about, in the words of the commission that reviewed it, a 'failure of imagination' to understand what could happen in America, a nation that had not encountered foreign terror threats of any significant magnitude. Israel has existed, still exists, with that very imaginable prospect as part of its national being.

Need to Focus on Localising the Conflict

The earlier wars were fought in a larger context described as Arab-Israeli Wars with conventional forces dominating. The 'Intifada' saw the Israeli troops in Lebanon though they finally had to withdraw but Lebanon continues to remain at the precipice bitterly divided with its economy in dire straits. Will the Hezbollah now risk retribution by directly supporting the Hamas? The main issue of concern is being able to localise the conflict to the Gaza Strip. The principal challenge of President Abbas of the Palestinian led authority is how to insulate the West bank from this bloody onslaught by the jihadis. Sucking the West Bank into the conflict will lead to more ordinary people suffering from the untold consequences of conflict.

Disturbing Images

Hamas fighters targeted the main settlements and communities close to the Gaza Strip border with the aim of holding them as hostage for releasing Palestinian prisoners in Israeli jails and to use as human shields to prevent retaliation. There are images showing old women at a bus stop, their possessions still next to them, and their blood leaking from their corpses. Others- are even worse, gunmen going from door-to-door killing indiscriminately while residents are huddled in fear. More and more videos are emerging of civilians beaten and sometimes soaked in blood, either their own or others.' They appear to have been transported to Gaza as hostages. The dead are not spared this fate. Two videos also suggest that Hamas took corpses of Israeli soldiers to Gaza and encouraged crowds to desecrate them. A woman's body is stripped partly naked and spat upon. The tactics of taking and parading hostages the spectrum of which extends from the Chief of Israel's 'Depth Strike Force' Major General Nimrod Eloni to women who have been stripped has no doubt enraged millions around the world.

street demonstrations. Israel's counterterrorism efforts are extensive, they infiltrate terrorist groups and pay off members for intelligence. They destroy infrastructure as a deterrence. Israel has long utilised assassination against its enemies in Iran and elsewhere. Their Signal intelligence and technology in gathering is renowned. Bombing raids and military excursions against Hamas are part of Israel's counterterrorism mission. However, there is no doubt that the tools at their disposal failed them.

Israel regularly tests its response and evacuation systems. It recently built an extensive technology wall - including radar, cameras and sensors - on 65 kilometres of the Gaza barrier. Its emergency-management capabilities are mature. Still, Hamas seems to have control over several populated areas in Southern Israel. Hamas's drones seem to have penetrated parts of Israel without reports of counter-drone efforts. Iron Dome, Israel's famous counter-weapons system, seems to have been no match for this multifaceted attack. There is no doubt that the current political gridlock has resulted in damaging Israel's security. It has to introspect and place national security above its internal political bickering.

There are many analysts who are saying that one of the reasons for the Hamas to carry out this attack was the Abrahms Accord they felt abandoned by the fact that Saudi Arabia and Israel were improving ties and thereby abandoning their cause while a rapprochement between Iran and Saudi Arabia would have led to stability in West Asia leading to greater irrelevance as far as the Palestinian cause was concerned. The Arab world coming to terms with Israel, the US was also pressing Israel to make concessions to the Palestinian Authority, Hamas's enemy. So this was an opportunity for Hamas to disrupt the whole process. Hamas also has its backers' Iran and Syria being foremost among them and they would have had plenty of time to think through how the war will unfold. It's unlikely that Hamas would have jeopardised its sponsorship by launching the attack without consultation.

What is more important is the reasons that have led to this counter terrorism failure. Internal bitterness, political instability, and acrimony within Israel. In July this year serious cracks were visible in the IDF. The IDF comprises mainly of reservists. Military service is compulsory for all Jewish males and females of certain ethnicities for up to three years after which they are absorbed as reservists. They form a critical pool of manpower and report every year for training in order to maintain the operational readiness of the IDF. However, a large number of them refused to serve or be mobilised in wake of the nationwide protests against the judicial reforms initiated by Prime Minister Netanyahu. Some of them even participated in

Conclusion

Israel's response maybe disproportionate in a bit to divert attention away from their failure to gauge such an attack. But an uncalibrated retaliation also has its pitfalls as it may lead to becoming a rallying point for trans nationalist jihadis creating turmoil and aggravating security challenges in the years ahead.

While they do hold the moral high ground this time given the brutality of attacks on innocents. Resolving a centuries old issue is challenging but this escalation in violence will have far reaching regional and global implications. While the immediate priority is to counter the attack but, Israel will have to answer its citizens as to how, in the modern era, it has suffered a massive security failure. Finding the answer is essential to its future security.

The parties led by Prime Minister Benjamin Netanyahu, have long argued that they were responsible for the relative peace that has prevailed for the past decade or so. That peace now seems to be over. They thought the problem was under control. But now all their assumptions have cast aside, and they have going to have to come to terms with that. While one of the lessons that emerged from the Ukrainian war is the need to build deterrence in the form of hard power and that violence still remains the currency for settling disputes, the current conflict in Israel not only reinforces that but also shows the impact on a country where its internal issues have been all consuming as far as its people and polity are concerned resulting in their inability to prepare adequately against external challenges.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRIED & TASTED

Refreshing Summer Drinks for Children

These drinks are perfect for quenching your thirst, this summer.

Kids should stay hydrated during the summer, when the sun is blazing in the sky and temperature is soaring up. Fluid intake is essential for both, outdoor and indoor activities. During hot summer days, children should avoid artificially flavoured drinks in favour of healthy summer drinks.

Refreshing Lime Water

Ingredients

- A cup of freshly squeezed lime juice (Approximately 5 limes)
- 10 cups of water
- Ice
- Fresh sprigs of mint
- Lime slices

Preparation

1. Squeeze the juice from the limes and remove the seeds. Mix with ice water.
2. Garnish the drink with lime slices and sprigs of mint.
3. You can also make lime ice cubes by freezing the juice in ice cube trays.
4. You can pop the frozen cube in a glass of water.

Cherry Limeade

Ingredients

- 2 oz of frozen cherries (thawed)
- A cup of fresh lime juice
- A cup of sugar (granulated)
- 4 cups of water

Preparation

1. Puree cherries and the lime juice into a fine mixture.
2. Low boil the cherry- lime mixture with a cup of water and sugar in a medium saucepan. Stir constantly.
3. Strain it and refrigerate. Add three more cups of water and serve it over ice.

Pink Lemonade Punch

Ingredients

- A can of frozen pink lemonade concentrate
- 5 cups of white cranberry juice cocktail
- 5 cups of lemon-lime soda (chilled)
- Fresh mint sprigs

Preparation

1. Stir the pink lemonade concentrate and cranberry juice cocktail together in a large pitcher.
2. Cover the pitcher and chill.
3. When you are ready to serve, stir it in lemon-lime soda.
4. Garnish this drink with fresh mint.

Tropical Party Punch

Ingredients

- 2 litres of mango nectar
- 4 tablespoons of sweetened lime juice
- 9 oz can of pineapple juice
- 11/2 cups of cream of coconut
- 3 tablespoons of grenadine
- A litre of seltzer water
- Ice
- Maraschino cherries

Preparation

1. Mix the mango nectar, lime juice, pineapple juice, and coconut cream in a large pitcher until they are combined very well. This is the base of the punch.
2. Store this in the fridge until they are ready to serve.
3. Fill the glass with ice and fill 2/3 of the glass with the base. You can top it off with seltzer water and grenadine.

Agua Fresca

Ingredients

- 2 cups of cold pineapple chunks
- 2 cups of cold strawberries, hulled
- 8 cups of water
- ¼ cup of sugar blend

Preparation

1. Put all the ingredients in a blender.
2. Well blend all the ingredients.
3. Pour it directly into the glasses or sieve it to remove the foam.

THE WALL

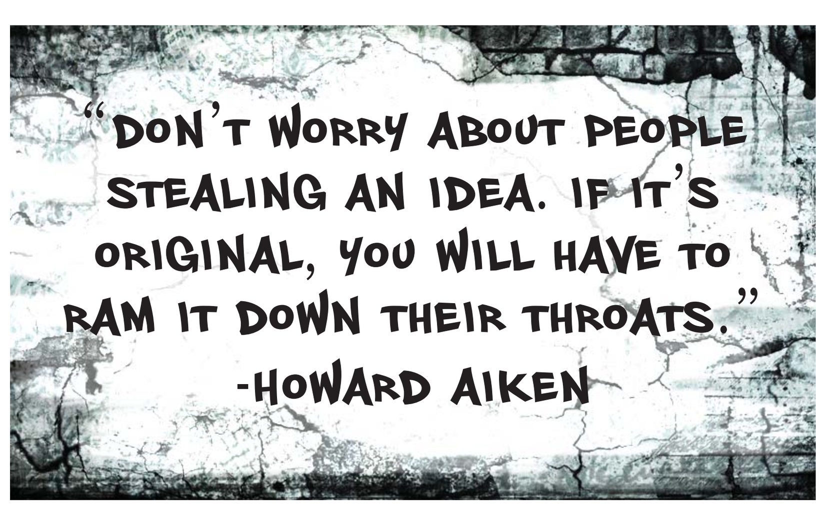

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

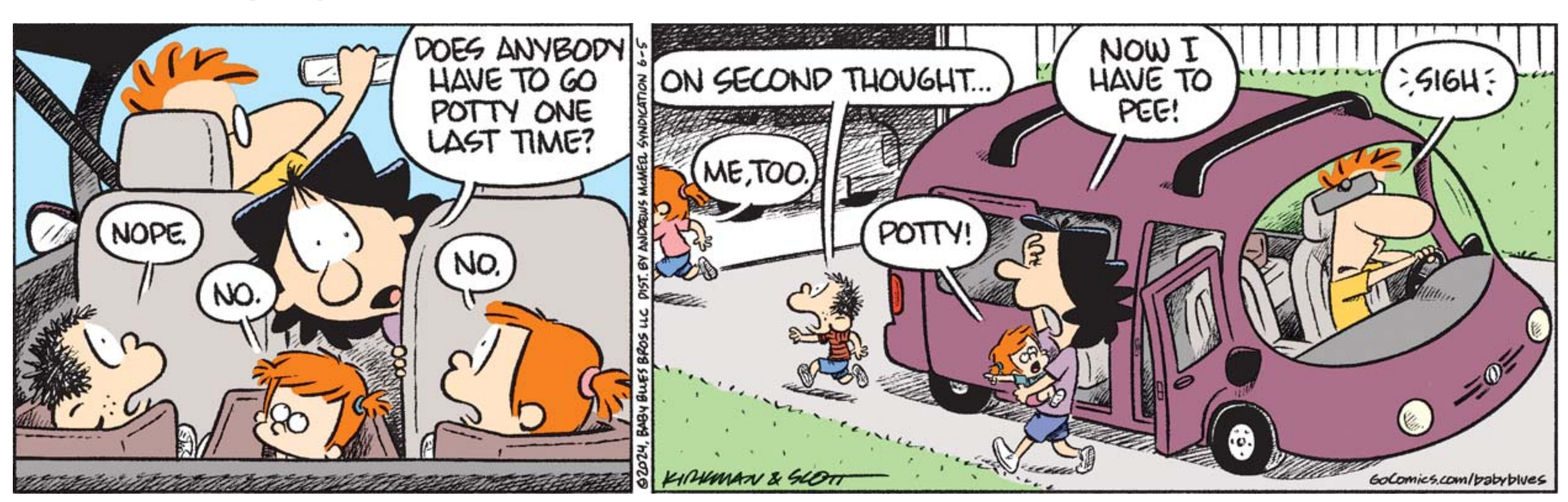

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

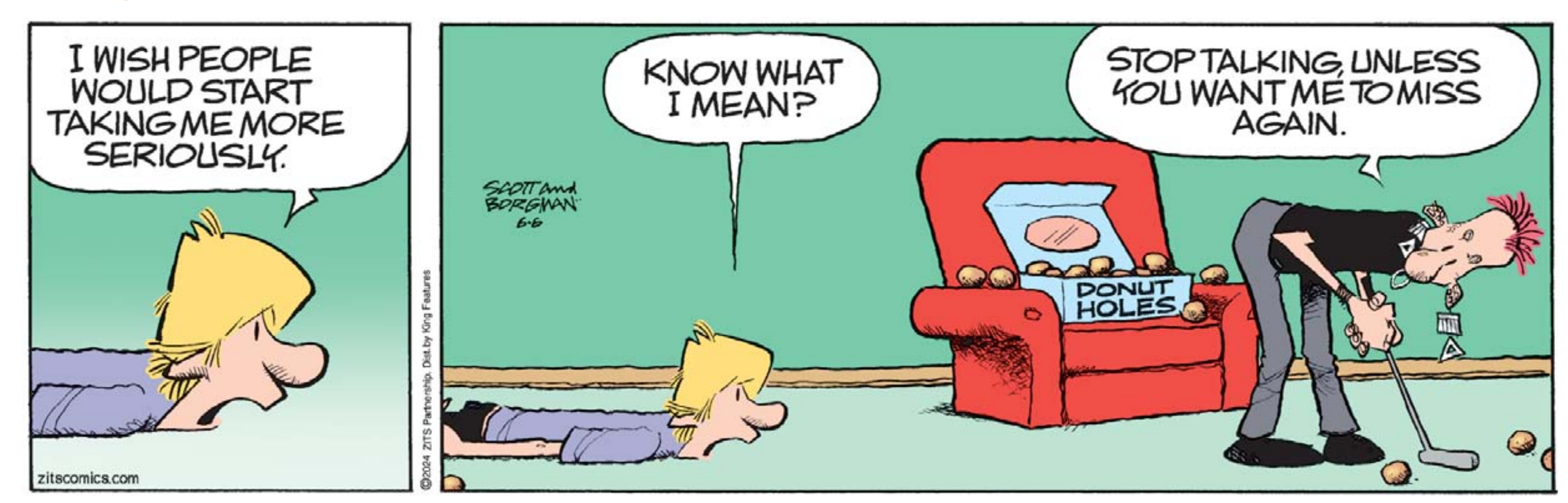

सांभर उपजिला अस्पताल अनेक सुविधाओं से महरूम

50 लाख की लागत का ओपीडी भवन तैयार जो शुरू होने का इंतजार कर रहा है

सांभरझील, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल का दर्जा मिलने के बाद भी सुविधाओं का इंतजार बना हुआ है। लोगों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा व नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी ने इसके लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाया है।

डांगरा ने बताया कि 50 लाख रुपए की लागत से नया ओपीडी भवन बनकर तैयार हुए लंबा वक्त हो चुका है। अस्पताल परिसर में भीड़ के दबाव को हटाने के लिए पृथक से ओपीडी भवन बनाया गया है। अस्पताल प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी इसे काम में नहीं लिया जा रहा है। मरीजों का दबाव अत्यधिक है। अस्पताल की गैलरी में मरीजों की लंबी कतार लगी रहती है। इस स्थिति से निपटने के लिए पृथक से ओपीडी भवन पर सरकार ने 50 लाख रुपए खर्च किए हैं। अस्पताल प्रशासन की हठधर्मिता के कारण इस ओपीडी भवन को काम में नहीं लिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पर 800 के करीब ओपीडी आंकड़ा है, उसके मुताबिक चिकित्सकों का भारी टोटा है। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने चुनाव आचार संहिता से पहले इसका लोकार्पण किया था।

सांभर उपजिला अस्पताल में कई सुविधाओं का अभाव है।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में उप जिला अस्पताल में वरिष्ठ विशेषज्ञ के 2 पद, कनिष्ठ विशेषज्ञ के 10, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के 2, चिकित्सा अधिकारी के 7, चिकित्साधिकारी डेंटल का 1 पद, नर्स श्रेणी प्रथम के 6 पद, नर्स श्रेणी द्वितीय के 38, फार्मासिस्ट के 2 पद, रेडियोग्राफर के 5 पद, लैब टैक्निशयन के 5 पद, डेंटल टैक्निशयन का 1 पद, नेत्र सहायक 1 पद, कनिष्ट लेखाकार का 1 पद, कनिष्ट सहायक के 2, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का 1, वार्ड बॉय के 10, सफाई कर्मचारी के 6 पद स्वीकृत है। वर्तमान में केवल 7 चिकित्सकों के भरोसे ही उप जिला अस्पताल संचालित है।

गौरतलब है कि यहां वरिष्ठ विशेषज्ञ ईएनटी, चेस्ट, सर्जन, मेडिसिन, नेत्र रोग विशेषज्ञों सहित कनिष्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित कुल 15 पद चिकित्सकों के रिक्त चल रहे हैं। वहीं नर्स श्रेणी प्रथम का 5, नर्स श्रेणी द्वितीय के 32, फार्मासिस्ट के 1, रेडियोग्राफर के 3, लैब टैक्निशयन के 2, डेंटल टैक्निशयन 1, नेत्र सहायक 1, कनिष्ट सहायक 1, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता 1, वार्ड बॉय के 8 पद सहित सफाई कर्मियों के पद रिक्त चल रहे हैं। इसके अलावा सर्जन, ऑर्थोपेडिक्स एवं एनेस्थीसिया का अभाव तो विगत कई दशकों से चला रहा है, हालांकि अस्पताल प्रशासन की ओर से समय-समय पर विभागीय सूचना भेजकर सीएमएचओ ग्रामीण को भी रिपोर्ट भेजी जाती है लेकिन मामला सरकार के स्तर का होने के कारण स्वास्थ्य विभाग भी चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रहा है।

रेप पीड़िता से मिलने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

देवनानी ने अजमेर रेलवे स्टेशन पर रेप का शिकार हुई बालिका और उसके परिजनों से मुलाकात की

- देवनानी ने बालिका के समुचित उपचार एवं सहायता के निर्देश दिए, बालिका की हालत देख भावुक हुये देवनानी
- वहीं देवनानी ने व्यापारी अपहरण मामले में दोषियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को अजमेर रेलवे स्टेशन पर रेप का शिकार हुई बालिका और उसके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने बालिका को समुचित उपचार एवं सहायता के निर्देश दिए। देवनानी बालिका की हालत देख भावुक हो गए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार दोपहर जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां रेलवे स्टेशन पर बलात्कार का शिकार हुई बालिका व उसके परिजनों से मुलाकात की। देवनानी ने बालिका की स्थिति देख कर अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि उसे पूरा उपचार व सहायता मिले। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि पीड़िता को पूरा न्याय मिलेगा। राज्य सरकार व प्रशासन के स्तर पर हर संभव सहायत की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष बालिका की हालत देख कर भावुक हो गए। उन्होंने चिकित्सकों से उसे दिए जा रहे उपचार की पूरी जानकारी ली।

वहीं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि रामगंज थाना क्षेत्र में व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने के मामले में दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की जाए। पीड़ित व्यापारी एवं व्यापरिक संगठनों ने विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में न्याय दिलाने की मांग की थी। रामगंज थाना क्षेत्र में व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने के मामले में पीड़ित एवं संगठनों ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि उन्हें न्याय दिलाया जाए। फिरौती वसूलने वाले अपराधी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस पर देवनानी ने पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई को फोन कर पीड़ित को राहत देने एवं आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी के निर्देश दिए। देवनानी ने कहा कि जो भी इस मामले में दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। व्यापारियों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे। पुलिस सख्त कार्यवाही करे।

चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। बड़गांव थाना क्षैत्र में सूने मकान में चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने दस वारदातें करना कबूल किया। प्रकरण के अनुसार पीड़ित गोपाल पुत्र दिनेश गुर्जर निवासी धाकड़पाड़ा उठारड़ा नाथद्वारा राजसमन्द हॉल बड़गांव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं दिनेश माण्डवात के बेदला लिंक रोड़ पर स्थित मकान की देखरेख करता हूं, जो मकान से बाहर गए थे। नौ जून को सवेरे घर गया तो उनके मकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी में दो सोने की चेन, चांदी की तीन जोड़ी पायल, बिछिया व सामान गायब था। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। प्रकरण दर्ज होने पर आरोपी विनोद उर्फ बांका पुत्र अमरा काबलेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास, दीता उर्फ कालु उर्फ अंकित पुत्र नारायण काबलेलिया को गिरफ्तार किया।

सब्जी का ठेला लगाने वाले युवक का अपहरण

- बोलेरो में आए छह बदमाशों ने मारपीट कर 50 किमी दूर छोड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के आंतरी कस्बे में शुक्रवार शाम को एक सब्जी का ठेला लगाने वाले युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। बोलेरो में आए 6 बदमाश उसे जबरन गाड़ी में डालकर ले गए। उसके साथ मारपीट की और देर रात 50 किमी दूर गैंजी कलाल घाटा पर फेंककर फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

आंतरी फला जालरी निवासी विपिन पुत्र मोतीलाल डामोर अपनी मां के साथ आंतरी कस्बे में सब्जी का ठेला लगाता है। शुक्रवार शाम को वह सब्जी के ठेले पर था। उसी समय एक बोलेरो गाड़ी लेकर 6 बदमाश आए। उन्होंने इशारा कर विपिन को अपने पास बुलाया। जैसे ही विपिन उनके पास पहुंचा, बदमाशों ने उसे जबरदस्ती पकड़कर गाड़ी में डाला और मोडी माता रोड की तरफ फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलने पर आंतरी चौकी के हेड कांनि. संतोष कुमार ने अपनी निजी कार से बदमाशों का पीछा किया।

वहीं, वरदा थाना पुलिस ने भी नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। देर रात बदमाश विपिन को गैंजी कलाल घाटा आर फेंककर भाग गए। हेड कांनि. संतोष उसे लेकर वरदा थाने पहुंचे, जहां पीड़ित ने घटनाक्रम बताया। पीड़ित ने बताया कि वह एक बदमाश को थोड़ा सा जानता है। दूसरे बदमाशों के बारे में पता नहीं है। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

छात्र की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के आदर्श नगर में किराए का कमरा लेकर पढ़ाई करने वाले कॉलेज छात्र की मौत हो गई। छात्र शनिवार सुबह फ्रेश होने के लिए वाश रूम में गया था। इस दौरान अचानक उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाने के एसआई ने बताया कि सागवाडा निवासी रमेश प्रजापत ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया है की उसका बेटा राजेश डूंगरपुर में एग्रीकल्चर कॉलेज में द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह डूंगरपुर के आदर्श नगर में दोस्तों के साथ किराए का कमरा लेकर रह रहा था।

मरीज के परिजन ने अस्पताल में उपद्रव मचाया, तोड़फोड़ भी की

बाड़ी, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी शहर के सामान्य अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर द्वारा उपद्रव करने, लेबर रूम का कांच तोड़ने, कूलर और अन्य सामान की तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी है, जिसके बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि भर्ती महिला मरीज के कुछ दिन पूर्व सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था, जिसमें बच्चा होने के बाद अब कुछ समस्या सामने आने पर वे सामान्य अस्पताल में दिखाने आए थे, जहां चिकित्सक द्वारा मरीज को देखे जाने के बाद भर्ती करने और उपचार की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान मरीज के साथ आया अटेंडर युवा भड़क गया और उसने लेबर रूम के कांच को तोड़ने के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी। इससे अस्पताल में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। मरीज इधर से उधर भागते दिखाई दिए।

सामान्य अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिकिशन मंगल ने बताया कि शनिवार सुबह 9 से 10 बजे के बीच उपखंड के बटेश्वर कला से एक महिला मरीज को कुछ लोग दिखाने लाये थे। जिसके कुछ दिन पूर्व जिला अस्पताल धौलपुर में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। महिला को परेशानी होने पर उसे स्त्री एवं प्रस्तुति रोग विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा देखा गया और भर्ती के लिए लेबर रूम के बाहर कूलर के सामने लिटा दिया था। उपचार की तैयारी की जा रही थी इसी दौरान मरीज के साथ आये एक से दो युवक भड़क गए और उन्होंने लेवर रूम के कांच को तोड़ दिया। साथ में कूलर सहित कुछ अन्य सामान की तोड़फोड़ की है। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है।

डिग्गी में कल्याणजी की कमल झांकी के दर्शनों के लिये उमड़े श्रद्धालु

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर श्रीजी महाराज की मनमोहक कमल झांकी सजाई गई

- भक्तों ने श्रीजी के दरबार में हाजरी लगाकर खुशहाली की कामना की

मालपुरा, (निसं)। जन-जन की आस्था के केन्द्र विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डिग्गी में विराजमान भगवान विष्णु के अवतार डिग्गी कल्याणजी महाराज की सजी कमल झांकी के दर्शनों के लिये शनिवार को डिग्गी में आस्था का सैलाब उमड़ा।

सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर डिग्गी कल्याणजी के दर्शनों का विशेष महत्व होने के चलते शनिवार ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर पंडित कृष्णगोपाल शर्मा, कल्याणमल शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद, कन्हैयालाल सहित परिवारजन द्वारा श्रीजी महाराज की मनमोहक कमल झांकी सजाई गई, जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही। अलसवेरे प्रातः 4 बजे हुई मंगला आरती के साथ श्रद्धालुओं के आने का शुरू हुआ सिलसिला देर रात संध्या आरती तक यूं ही जारी रहा। हाथों में धर्म पताकाएं लहराते हुये सिर पर प्रसाद का थाल रखकर जयश्री कल्याण का जयकारा लगाते हुये कल्याण भक्त डिग्गी मंदिर की और बढ़ते रहे। तीर्थ स्थल डिग्गी की और आने वाले हर मार्ग पर पैदल आने वाले यात्रियों की रेलमपेल रही।

पूर्णिमा के शुभ अवसर पर डिग्गी में भक्तों का सैलाब उमड़ा।

कोढी भवन से मंदिर तक लगी भक्तों की लम्बी कतारों में गूंजे जय श्री कल्याण के जयकारों से धर्म नगरी गुंजायमान हो गई। घंटों तक लाईन में लगे कल्याण भक्त कमल झांकी की एक झलक पाने के लिये बैताब रहे। पूर्णिमा पर उमड़े आस्था के सैलाब को देखते हुये डिग्गी थाना पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा इंतजाम किये गये। यादव धर्मशाला के आगे चौपहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहा तो मंदिर में कानून व्यवस्था के लिये पुलिस जाप्ता तैनात रहा। भक्तों ने श्रीजी के दरबार में हाजरी लगाकर खुशहाली की कामना की। मंदिर में दर्शनों के पश्चात महिला यात्रियों ने बाजार में श्रीजी की पोशाक सहित जमकर खरीददारी की जिससे व्यापारियों के चेहरे पर भी खुशी देखी गई। शुक्रवार व शनिवार दो दिन पूर्णिमा का महत्व होने से बड़ी संख्या में कल्याण भक्त डिग्गी पहुंचे।

हादसे की शिकार कार में 55 किलो डोडा-चूरा मिला

- चित्तौड़गढ़ क्षेत्र से डोडा-चूरा भरकर जोधपुर की और ले जाया जा रहा था
- तेज रफ्तार कार और ट्रक की भिड़ंत में दो लोग घायल हो गए थे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार और ट्रक के बीच हुई जबरदस्त भिड़ंत में दो लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो पुलिस के होश उड़ गए। हादसे का शिकार कार में दो युवक सवार थे जो कि डोडा-चूरा की तस्करी कर रहे थे। कार की तलाशी के दौरान 55 किलो डोडा-चूरा मिला।

गुलाबपुरा पुलिस ने कार से डोडा-चूरा जब्त किया।

जानकारी के अनुसार गुलाबपुरा थाना क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-48 पर 29 मिल के निकट एक कार और ट्रक में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां दो युवक दिनेश (22) पिता मुनि राम विश्नोई राशिशर नोखा बीकानेर निवासी और मनीष (23) पिता जगदीश विश्नोई रानी बाजार पुलिस थाना कोटगेट बीकानेर गंभीर रूप से घायल मिले। पुलिस ने दोनों घायलों को जिला मुख्यालय स्थित एमजी हॉस्पिटल पुलिस जाब्ते के साथ इलाज के लिए भिजवाया और कार की तलाशी के दौरान मिले 55 किलो डोडा-चूरा को जब्त कर मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चित्तौड़गढ़ क्षेत्र से डोडा-चूरा भरकर जोधपुर की और ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही कार हादसे का शिकार हो गई।

फैक्ट्री में मजदूर की मौत, परिजनों और ग्रामीणों ने धरना दिया

आक्रोशित ग्रामीणों ने फैक्ट्री गेट पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में स्थित आरसीएम फैक्ट्री में कार्यरत मजदूर की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और फैक्ट्री के बाहर धरने की शुरुआत की।

देवली उपसरपंच राजेश चौधरी ने बताया कि भेसाकुंडल निवासी नारायण सालवी हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित स्वरूपगंज ग्रोथ सेंटर स्थित आरसीएम फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। फैक्ट्री में कार्य करने के दौरान शनिवार को उनकी अज्ञात कारणों के चलते मौत हो गई। साथी मजदूरों द्वारा फैक्ट्री में ही अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें एमजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परिक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौत की सूचना परिजनों और ग्रामीणों तक पहुंचने के बाद बड़ी संख्या लोग फैक्ट्री के बाहर जमा हो गए और मृतक आश्रितों को मुआवजा देने की मांग करने लगे। हंगामे की सूचना पर हमीरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने फैक्ट्री गेट पर टायर जला प्रदर्शन करते हुए धरने की शुरुआत की है। फिलहाल मौके पर ग्रामीणों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है, जिन्हें पुलिस और फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा समझाइश की कोशिश जारी है।

जैसलमेर के जंगलों में नजर आये लुप्त हो रहे दुर्लभ ''रेड हेडेड किंग गिद्ध''

जैसलमेर के राष्ट्रीय मरू पार्क एरिया में अति दुर्लभ लाल सिर वाले गिद्ध देखे गए

- रेड हेडेड वल्चर अर्थात लाल सिर वाला गिद्ध जिसे एशियाई राजा गिद्ध, भारतीय कला गिद्ध और पौण्डिचैरी गिद्ध भी कहते हैं, यह भारतीय उप महाद्वीप में पाया जाता है
- यह गिद्ध भारतीय उप महाद्वीप से लेकर पूर्व में दक्षिण पूवी एशिया तक और भारत से सिंगापुर तक पाया जाता था

जालोर, (कासं)। दुनिया में लुप्त हो रहे दुर्लभ पक्षी लाल सिर वाला गिद्ध जिसे एशियाई राजा गिद्ध कहा जाता है, ''रेड हेडेड किंग गिद्ध'' पिछले दिनों जैसलमेर के जंगलों में देखा गया है। जैसलमेर के राष्ट्रीय मरू पार्क एरिया में अति दुर्लभ लाल सिर वाले गिद्ध दिखाई दिये हैं।

रेड हेडेड वल्चर अर्थात लाल सिर वाला गिद्ध जिसे एशियाई राजा गिद्ध, भारतीय कला गिद्ध और पौण्डिचैरी गिद्ध भी कहते हैं, यह भारतीय उप महाद्वीप में पाया जाता है। इस गिद्ध का आकार 76 से 86 लंबा होता है। उसके पंखों का फैलाव 6 से 8.50 फीट तक होता है। वयस्क का सिर गहरे लाल से नारंगी रंग का होता है और अवयस्क थोड़े हल्के रंग का होता है। इसका शरीर काले रंग का होता है। पंखों का आधार स्लेटी रंग का होता है। यह गिद्ध भारतीय उप महाद्वीप से लेकर पूर्व में दक्षिण पूवी एशिया तक और भारत से सिंगापुर तक पाया जाता था। आज इनका आवासीय क्षेत्र उत्तरी भारत तक सिकुड कर रहा गया है। यह खुले मैदानों में, खेतों में और अर्द्ध रेगिस्तानी इलाकों में देखने को मिलता है। यह पक्षी प्रायः समुद्र सतह से तीन हजार फीट की उंचाई तक ही पाया जता है।

''रेड हेडेड किंग गिद्ध''लुप्त होते जा रहे हैं तथा इसे बचाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। जैसलमेर के जंगलों में इस बार रेड हेडेड गिद्ध को देखा गया है। इन्हें बचाने के लिए रेगिस्तान में तारबंदी की गई है। जैसलमेर में पिछले चार दिन पूर्व 9 रेड हेडेड गिद्ध डेजर्ट नेशनल पार्क एरिया में नजर आये हैं। यह गिद्ध दुनिया में अति दुर्लभ है। अन्य गिद्धों की बात करें तो 22 गिद्ध बढ़े हैं। इस साल गणना के बाद अन्य गिद्ध की संख्या 173 नजर आई है। लाल सिर वाले गिद्ध दुनिया में कम मात्र में पाया जाते हैं तथा यह पक्षी धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है। इसका मूल कारण पशु दवाई डाईक्लोफिनॅक है, जो कि पशुओं के जोड़ो के दर्द को मिटाने में मदद करती है। जब यह दवाई खाया हुआ पशु मर जाता है और उसको मरने से थोड़ा पहले यह दवाई दी गई होती और उसको यह गिद्ध खाता है, तो उसके गुर्दे बंद हो जाते हैं और वह मर जाता है। हर दूसरे साल में इसकी आबादी आधी होने लगी है। जिसके चलते इसे घोर संकटग्रस्त जाति घोषित कर दिया गया है। वहीं जैसलमेर के डीएनपी एरिया में लाल सिर वाले गिद्ध नजर आने पर यह क्षेत्र उनके लिए काफी सुरक्षित है। तथा लुप्त होती इस प्रजाति को बचाया जा रहा है।

वन अधिकारी जैसलमेर आशीष व्यास ने बताया कि पिछले दिनों 9 रेड हेडेड अति दुर्लभ गिद्ध को देखा गया है। यह बड़ी खुशी की बात है। जैसलमेर के डेजर्ड नेशनल पार्क में सम, रामदेवरा क्लोजर बने हैं। इनक्लोजर के चारों तरफ तारबंदी की हुई है। जिससे आवारा कुत्ते आदि अंदर नहीं आने से वन्य जीवों को खतरा कम है। ऐसे में वन्य जीव व पक्षी खुलकर विचरण कर सकते हैं। इस इलाके के मृत पशु भी बिना केमिकल युक्त फसल और दर्द निवारक दवाओं से मुक्त होते हैं। इस तरह गिद्ध जब इनका भोजन करते हैं तब दवाईयां इनके पेट में नहीं जाती है। जिससे इनको स्वच्छ भोजन मिलता है।

इस तरह इनकी संख्या बढ़ रही है। आईसीयूएन ने रेड डाटा लिस्ट में संकटग्रस्त प्रजाति कि रूप में रखा है, जिसे किंग वल्चर भी कहते हैं। जैसलमेर में यह पक्षी प्रजनन कर रहा है। यह खुशी की बात है कि डीएनपी एरिया सुरक्षित एरिया होने से और इनको खाने मे मिल रहे पशुओं की तादाद से इस पक्षी को बचाया जा रहा है। ये पर्यावरण संतुलन के वाहक हैं और इनका संरक्षण बेहद जरूरी है।

संक्षिप्त

जरूरतमंदों को भोजन व लस्सी बांटी

फुलेरा, (निसं)। इण्डियन रोटी बैंक राजस्थान के तत्वाधान में सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने अन्नपूर्णा रसोई केन्द्र में भोजन करवाया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए समाजसेवी एवं सदस्य बृजेश कुमार टांक ने बताया कि संस्था द्वारा गरीबों को भोजन एवं दही की लस्सी का वितरण कर पद्घ ने लाभ कमाया वही सदस्यों द्वारा आर्थिक सहयोग के रूप में रसिया भी दी गई जिसमें चन्द्रकान्ता कविता सैनी, रीना जैन, विजय प्रजापति, अजय चौहान, पुष्पा चौहान, गीता गुप्ता सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

गौड ब्राह्मण समाज की बैठक आज

निवाई, (निसं)। अलियाबाद मोड पर स्थित अखिल हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज बालिका छात्रावास में रविवार को सुबह 11 बजे समिति अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। जिला महामंत्री मांगीलाल शर्मा व जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा ने बताया कि बैठक में छात्रावास परिसर में नवनिर्माण भवन प्रगति रिपोर्ट व छात्रावास अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा की जाएगी।

जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियां शुरू

निवाई, (निसं)। नया मंदिर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई है। मंदिर महंत विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ रथयात्रा 7 जुलाई को निकाली जाएगी। रथयात्रा को लेकर मंदिर में भगवान हरिकृष्ण चन्द्र के लिए आकर्षक रथ को सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। 7 जुलाई को भगवान हरिकृष्ण चन्द्र का मंत्रोच्चार के साथ विशेष अभिषेक किया जाएगा। इसी रथ में आकर्षक झांकी सजाई जाएगी। भगवान की रथ में पांच बार महाआरती होगी। इसके बाद श्रद्धालु भगवान के रथ को हाथों से खींचकर भ्रमण करवाएंगे।

ग्राम पंचायत ने रास्ता खुलवाया

निवाई, (निसं)। गांव काचरिया में श्मशान तक जाने वाले रास्ते का ग्राम पंचायत द्वारा सीमा ज्ञान करवाकर रास्ते को खुलासा करवा दिया है। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड गई। ग्रामीण मूलचंद मीणा, रामकिशोर मीणा, कृष्णा मीणा, नंदा मीणा, जगदीश मीणा व हनुमान मीणा सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि वर्षो से श्मशान में जाने का रास्ता नहीं होने से परेशानी उठानी पड रही थी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा था। सरपंच रमेशचंद यादव के प्रयासों से श्मशान तक जाने वाले रास्ते का सीमा ज्ञान करवाकर रास्ते को खुलासा करवा दिया गया है।

श्यामा प्रसाद की पुण्यतिथि आज

झुंझुनूं, (निसं) भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी की अगुवाई में रविवार 23 जून को जिले के सभी 42 मंडलों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।जानकारी देते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता कमल कान्त शर्मा ने बताया कि जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी ने मुखर्जी की पुण्यतिथि कार्यक्रम हेतु जिले के कार्यक्रम प्रभारी का दायित्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश शर्मा बगड को दिया है। कार्यक्रम हेतु जिले के सभी मंडलों पर कार्यक्रम प्रभारी नियुक्त किए गए है। झुंझुनू शहर मण्डल में मुनि आश्रम के सामने प्रात: 11 बजे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाएगी।झुंझुनू शहर मण्डल में इस कार्यक्रम के लिए प्रभारी नगर उपाध्यक्ष ललित जोशी को एव सह प्रभारी उपाध्यक्ष जगदीश गोस्वामी को नियुक्त किया गया है।

मदरसा इस्लाम की रखी नींव

रतनगढ , (निसं)। नगर के रियाजत अली काजी (खोखर) ने अपनी पुश्तेने जमीन मदरसा स्कूल के लिए दान की है। वार्ड संख्या 26 में स्थित नमाज जुम्मा मोहल्ला बारुदगरान में मदरसा मोईनूल इस्लाम स्कूल की विधायक पूसाराम गोदारा, चीफ शहर काजी रजा मुराद अलवी, पूर्व शहर काजी मो. इस्माइल, अरविन्द चाकलान के आतिथ्य में नींव रखी गई। इस अवसर पर मोलाना सफी, सदर इस्लामुद्दीन, फतेह मोहम्मद, मोलाना अब्दुल हमीद, कासम निर्वाण, अनवर कुरैशी, रियाजत अली खोखर, यासीन, अब्दुल रशीद, खालिद पठान, महबूब सिक्का, फारुख, लियाकत अली, अयूब अली, जहीर अब्बास सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विधायक ने सुने अभाव-अभियोग, शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कोटपूतली, (निसं)। विधायक हंसराज पटेल ने शनिवार को कस्बा स्थित सर्विस लेन पर डाक बंगला परिसर में आमजन की नियमित साप्ताहिक जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने लोगों के बिजली, पानी, सडक व मार्ग विवादों समेत विभिन्न अभाव-अभियोग सुने।

साथ ही व्यक्तिगत समस्याएं भी सुनते हुये मौके पर ही निस्तारण किया। इस बाबत पटेल ने सम्बंधित अधिकारियों को दूरभाष पर समस्याओं के निदान के लिये निर्देशित किया। पटेल ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करें, किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इसी प्रकार पटेल ने पावटा पंचायत समिति में भी साप्ताहिक जनसुनवाई की। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पंकज पटेल, पूर्व सरपंच जयराम सिंह गुर्जर, भाजपा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष रघुवीर गोयल, मंडल अध्यक्ष कैलाश स्वामी, धर्म सिंह

गुर्जर समाज के पंच-पटेलों ने विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंपकर गुर्जर आरक्षण आन्दोलन के प्रणेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रतिमा पनियाला मोड पर लगवाये जाने की मांग की।

भैंसलाना समेत अन्य मौजूद रहे। जनसुनवाई के दौरान गुर्जर समाज के पंच-पटेलों ने भी विधायक पटेल से भेंट करते हुये उन्हें ज्ञापन सौंपकर गुर्जर आरक्षण आन्दोलन के प्रणेता स्व. कर्नल किरोडी सिंह बैंसला की

■ गुर्जर समाज के पंच-पटेलों ने ज्ञापन सौंपा

आदमकद प्रतिमा पनियाला मोड पर लगवाये जाने की मांग की। इस दौरान पूर्व उप प्रधान रामेश्वर रावत, अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर, उप प्रधान एड. राजेन्द्र रहीसा, एड. विकास जांगल, एड. कमल कसाना समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं धानका समाज के प्रतिनिधियों ने खेडकी मुक्कड में धानका समाज के परिवारों को हो रही आम रास्ते की समस्या से अवगत करवाया। युवा धानका समाज जिलाध्यक्ष महेश निर्वाण ने बताया कि 15 से 20 घरों की ढाणी होने पर भी आम रास्ते की समस्या रहती है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में आवागमन में परेशानी होती है। विधायक पटेल ने सभी समस्याओं के जल्द से जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया।

फर्जी पत्रकार शांतिभंग में गिरफ्तार

दूदू, (निसं)। जिले के अधीन उपखंड मुख्यालय मोजमाबाद पर संचालित पुलिस थाने की पुलिस ने कार्रवाई कर फर्जी पत्रकार बनकर घूमने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी संजय मीणा ने बताया कि 21 जून शुक्रवार को एक युवक ने थाने पर आकर अपने आप को चैनल का पत्रकार बताकर बंद मुलजिमों की जानकारी चाहिए तो मीणा ने परिचय देने की बात की। युवक द्वारा एक कार्ड पेश किया गया जिस पर फोटो लगने के साथ ही रामदयाल नाम लिखा था। कार्ड को संदिग्ध मानकर मीणा ने हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया तो किसी सहारनपुर यूपी में अध्यनरत छात्र का होना पाया गया की जांच की जा रही है। विद्यार्थी द्वारा बताया गया कि किसी प्रेस से संबंध नहीं है के साथ ही युवक झूठा हो गया। पुलिस ने फर्जी पत्रकार को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

बिजली, पानी, सड़क निर्माण आदि समस्याओं का हुआ निस्तारण

दौसा, (निसं)। विधायक भागचन्द टांकडा ने शनिवार को विधायक कार्यालय बांदीकुई पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना। इस दौरान काफी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। आमजन ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी परिवेदनाएं उनके समक्ष रखकर निस्तारण कराने की मांग की।

विधायक टांकडा ने जनसुनवाई में आए प्रत्येक परिवादी की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्तालाप कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से परिवेदनाओं को सुनते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रत्येक व्यक्ति के साथ

विधायक भागचंद टांकड़ा ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया

खडी है। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के निवारण के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। मेरे

■ विधायक ने आजमन की परिवेदनाओं को सुना

घर के द्वार जनता के लिए सदा खुले है। मैं स्थानीय व्यक्ति हूं। जनता ने मुझे सेवा का अवसर दिया है। इसलिए मैं हर समय सहज सुलभ रहता हूं, यही मेरा मुख्य दायित्व बनता है। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से जुडी ज्यादातर समस्याएं पेयजल एवं बिजली की आपूर्ति, सडक निर्माण, मानसून पूर्व नालियों की सफाई के संबंध में आई। इनमें अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

'हार जीत एक सिक्के के दो पहलू होते हैं'

रतनगढ़। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद भाजपा चुरू लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा वार कार्यकर्ता धन्यवाद सम्मेलन आयोजित करके कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार शाम को रतनगढ विधानसभा क्षेत्र का कार्यकर्ता धन्यवाद सम्मेलन स्थानीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में आयोजित किया गया।

मंचस्थ अतिथियों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय,भारत माता एवम श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि हार जीत एक सिक्के के दो पहलू होते है। राजनीति में चार दशक का लम्बा अनुभव है इस बार हार का कडवा स्वाद भी चखा है। लेकिन परिस्थितियां कैसी भी हो, जनता जनार्दन का निर्णय स्वीकार करते हुए आगे बढेंगे। जनता के सुख दुःख में बराबर की भागीदारी निभायेंगे। चूरू लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी रहे देवेन्द्र झाझड़िया ने कहा कि खिलाडी कभी हारता नही है। हर हार से सीखता है और फिर नये अनुभव के साथ आगे बढता है। राजनीती क्षेत्र में हार जीत लगी रहती है। आप सब के बीच में रह कर कार्यकर्ताओं के कार्य करवाने के लिए, कृत संकल्पित हूँ। झाझडिया ने कहा रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का विशेष आभार प्रकट करता हूँ कि पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से रतनगढ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा आगे रही है। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने दिन रात एक करके रतनगढ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को बढ़त दिलवाई है जो कि सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से संभव हुआ है। भाजपा शहर मण्डल संयोजक महेश सैनी ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया है। मंच पर पूर्व विधायक हरलाल सहारण, भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, भाजपा जिलाध्यक्ष बसन्त शर्मा,जिला प्रमुख वन्दना आर्य,जिला उपाध्यक्ष भागीरथ सिंह राठौड, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालान, जिला मंत्री भारती मुदगल, रतनगढ विधानसभा संयोजक अजुर्न सिंह फांसा, छापर नपा अध्यक्ष श्रवण सैनी, रतनगढ भाजपा शहर मण्डल संयोजक महेश सैनी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह

दूदू, (निसं)। उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि समाज को शिक्षा के प्रति जागृत होकर बालिका शिक्षा पर जोर देने की आवश्यकता है। शिक्षित होने के बाद ही समाज का विकास संभव होगा।

बैरवा ने शनिवार को दूदू जिला मुख्यालय पर एक निजी रिसोर्ट में आयोजित बैरवा महासभा स्वागत समिति दूदू एवं मोजमाबाद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समाज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह के दौरान विचार व्यक्त किया साथ ही कहां की क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोडूंगा। सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव से ढाणी तक पहुंचाया जाकर आमजन को लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर पर शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा पूर्व राज्यसभा सदस्य रामकुमार वर्मा चाकसू विधायक रामावतार बैरवा आयुक्त विभागीय जांच ओमप्रकाश बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा राकेश कुमार समिति के अध्यक्ष रतनलाल संयोजक बंसीलाल उपाध्यक्ष रामदयाल बैरवा संरक्षक हनुमान बैरवा सहित समाज बंधु मौजूद रहे। समारोह में डॉ प्रेमचंद बैरवा का समाज द्वारा 21 किलो फूलों की माला से स्वागत किया गया।

सुंदर सिंह की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी व पुष्पांजलि सभा

मनोहरपुर, (निसं)। शाहपुरा शहर के एक निजी गार्डन में नवनिर्वाचित भाजपा के सांसद राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा की अध्यक्षता व पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल एवं विधायक भाजपा प्रत्याशी उपेन यादव के विशिष्ट आतिथ्य में जनसंघ के संस्थापक सदस्य सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी व पुष्पांजलि सभा का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि सुंदर सिंह भंडारी राष्ट्र प्रेम एवं जनहित में सर्वस्व समर्पण करने वाले व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें उनके जीवन काल में उनको साक्षात विचारों को सुनने का अवसर मिला था। पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि व्यक्ति जहां कहीं भी जिस दल में भी रहे पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।

तभी राजनीतिक दल आगे बढ़ता है। कार्यक्रम का संचालन कैलाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम के संयोजक भाजपा जिला महामंत्री बृजेश सोनी, संयोजक किरण शर्मा व जिला महामंत्री गोपाल शर्मा सांसद सहित विशिष्ट अतिथि रहे। ओबीसी मोर्चा की प्रदेश मंत्री गुड्डू सैनी, पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रघुवीर सिंह चौधरी, पूर्व प्रधान मंजू

■ सुंदर सिंह भंडारी सर्वस्व समर्पण करने वाले व्यक्तित्व के धनी थे : सांसद राव राजेन्द्र सिंह

सैनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष रजनी पारीक, शाहपुर नगर पालिका अध्यक्ष बंशीधर सैनी, कोटपूतली के पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर, शाहपुरा शहर मंडल अध्यक्ष महेश प्रजापत, भाजपा एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष एडवोकेट बीएस बेनीवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सत्तार खान व किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सरदार मल यादव का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर ओबीसी मोर्चा के जिला सहसंयोजक कल्याण बक्श गुर्जर, मंडल अध्यक्ष शाहपुरा देहात मोहनलाल गुर्जर, अमरसर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, पूर्व जिला पार्षद पूरणमल बेनीवाल, आनंद मिश्रा, पंचायत समिति सदस्य विक्रम कसाना, पार्षद मालीराम सैनी, राधेश्याम सैनी, फूलचंद बडबडवाल, रविश खटाणा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर रोजगार के अवसर देता है : रामसिंह यादव

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ कोटपूतली के तत्वाधान में विगत 22 मई से आयोजित किये जा रहे ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का शनिवार को समापन किया गया।

अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर व सीबीईओ भागीरथ सिंह मीणा, आजीवन सदस्य मंजू मीणा, भामाशाह दिनेश मित्तल, एसीबीईओ दयाराम चौरडिया, महेश सैनी, कमलेश कुमार अग्रवाल ने शिविर की सराहना की। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव ने कहा कि अभिरुचि शिविर रोजगार के अवसर प्रदान करते है। बालक-बालिकाओं को ऐसे अवसर का लाभ उठाते हुए सीखे गए कौशल को जारी रखते हुए इसे व्यावसायिक रूप से अपनाते हुए भावी जीवन में लाभ उठाना चाहिये। महेश मीणा ने कहा कि हमें मोबाईल की आभासी दुनिया से निकलकर

विभिन्न अभिरुचियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बालक-बालिकाओं को पुरस्कार बांटे गये।

स्काउटिंग आन्दोलन की जीवन पद्दति को अपनाना चाहिये। भागीरथ सिंह मीणा ने बालकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए पौधारोपण करने के लिये प्रेरित किया। बालक-बालिकाओं को भामाशाहों की ओर से बैग व स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। विभिन्न अभिरुचियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बालक-बालिकाओं को पुरस्कार वितरण किये गये। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्कार्फ व माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। भामाशाह दिनेश मित्तल, महेश मीणा व मंजू मीणा का स्थानीय संघ की ओर से सम्मान किया गया। शिविर के निदेशक हरचंद मीणा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संचालन स्थानीय संघ के सचिव हंसराज

■ ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का समापन

यादव ने किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु दक्ष प्रशिक्षक व संचालक मंडल का भी सम्मान किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। स्थानीय संघ के प्रधान मनोज चौधरी ने आभार प्रकट किया। इस दौरान सह निदेशक प्रधानाचार्य महेशचंद यादव, शिविर संचालक कमलेश कुम्हार, सहायक सचिव रामवीर यादव, सह संचालक सीताराम गुप्ता, अतुल कुमार आर्य, देवराज कुमावत, संदीप जांगिड़, कृष्ण कुमार यादव, गौरव सैनी, विशाल गुर्जर, अर्जुन नारायण, रामरतन सैन, रामावतार यादव, रजनी सैनी, कुलदीप सिंह, रामसिंह गुर्जर, प्रिया जांगिड़, शबनम, फरीन, जितेंद्र सिंह सहित अनेक दक्ष प्रशिक्षक, अभिभावक व बालक-बालिकायें उपस्थित रहे।

सार-समाचार

वन अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बौली- बामनवास, (निसं)। क्षेत्र की बौली रेंज में वन महोत्सव 2024 के लिए चयनित किए गए स्थलों का जिला वन अधिकारियों ने मौका निरीक्षण किया एवं वृक्षारोपण व वितरण स्टॉक की जानकारी ली। बौली रेंज के वनपाल भूपेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि रणथंभौर बाघ परियोजना के मुख्य संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक अनूप के आर एवं उपवन संरक्षक श्रवण कुमार रेड्डी ने रेंज बौली के अधीन ग्राम पंचायत झनून, बौली नर्सरी, गुप्तेश्वर गुफा व लव कुश वाटिका आदि स्थलों का निरीक्षण किया एवं नर्सरी में वृक्षारोपण व वितरण स्टॉक की रेंज बौली वन विभाग स्टाफ से जानकारी ली। इस दौरान जिला वन अधिकारियों ने झनून ग्राम पंचायत सभागार में एक आमजन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें आमजन को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में बौली क्षेत्रीय वन अधिकारी कविता बाई जाट, वनपाल भूपेंद्र सिंह जादौन सहित वन विभाग के कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित थे।

जल सेवा में योगदान दिया

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत की ओर से रेल यात्रियों के लिए पिछले कई दिनों से जारी आरओ का निशुल्क जल सेवा में शनिवार को डेरा सच्चा सौदा के सदस्यों सहित अन्य लोगों ने जल सेवा में योगदान किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि निशुल्क जल सेवा का रविवार को सायं 4:15 बजे समापन किया जायेगा। गौरतलब है कि शनिवार को डेरा सच्चा सौदा के सदस्यों के साथ दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के पदाधिकारियों सहित स्काउट के बच्चों व समाजसेवी लोगों ने भी जल सेवा कर पुण्यलाभ कमाया।

लालदास महाराज का वार्षिकोत्सव मनाया

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती कस्बे प्रागपुरा के गुंजेडा धाम में शनिवार को लालदास महाराज का 30 वाँ वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महंत श्री श्री 108 भगवतदास महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। आचार्य विकास शास्त्री ने बताया की कार्यक्रम में दूर-दराज के साधु संत शामिल हुये। इस मौके पर विशाल भण्डारे का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। समाजसेवी ओपी बायला ने अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. राजेश दीचानिया, हजारी लाल गोठवाल, रवि स्वामी, महेन्द्र वर्मा, जतिन राजपूत, बिहारी मीणा, सिद्धार्थ, धीरसिंह डाबड, रामावतार सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

एसडीएम ने सीएचसी का निरीक्षण किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राज्य के स्वायत शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की जनसुनवाई में शिकायतें प्राप्त होने पर अनिल कुमार उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर ने डॉ. राजेश मँगावा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमाधोपुर के साथ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थोई का औचक निरीक्षण किया तथा रिकॉर्ड चेक किया गया। पूर्व में आये रोगियों से फ़ोन पर बात कर व बाहर की जाँच लैब का निरीक्षण कर यह पता लगाने का भी प्रयास किया गया कि कहीं हॉस्पिटल से बाहर की दवाएँ या जाँचे तो नहीं लिखी जा रही है। सभी डॉक्टर्स को भी पाबंद किया गया कि यदि ऐसा पाया गया तो उनके ख़िलाफ़ कार्यवाही की जायेगी साथ ही अस्पताल में साफ़ सफ़ाई व गार्डन विकसित करने हेतु निर्देशित किया गया व प्रभारी चिकित्सक को नियमित चेकिंग हेतु पाबंद किया गया।

कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

भागवत कथा में बड़ी संख्या में महिलाएं व श्रद्धालु मौजूद रहे।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में 56वें पाटोत्सव के उपलक्ष्य में श्री श्री 108 मोहनदास रामायणी महाराज के सानिध्य में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन शनिवार को वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक आचार्य किशोर शरण महाराज ने कहा कि भगवान और संसार वैसे तो अभिन्न है, परंतु भगवान कृपा करके विभिन्न अवतार लेते है।

उन्होंने कहा भगवान की लीलाओं को सुनने मात्र से जीवन का कल्याण हो जाता है। जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने पूजा करवाकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बडी धूमधाम से मनाया। कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरू होते ही पांडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजनों के साथ झूम उठे। वहीं श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी कर मक्खन मिश्री के प्रसाद का भोग लगाकर वितरित किया। इस दौरान वासुदेव जी द्वारा भगवान श्री कृष्ण को पालने में ले जाते हुए भव्य सजीव झांकी ने सबका मन मोहा।

श्री 108 मोहनदास रामायणी महाराज ने बताया कि बुधवार 26 जून को हवन व पाटोत्सव कार्यक्रम मनाया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व सरपंच दौलत अग्रवाल, उमाकांत बंसल, दीपक गोयल, चंद्रमोहन सैन, पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड़, विकास शर्मा, शिक्षक दुर्गादत्त भारद्वाज, दिनेश शर्मा, सुरेश शर्मा, दीपक भारद्वाज, सांवरमल बोहरा, अमन मिश्रा, हिमांशु शर्मा, शुभम टीलावत, अमित बटवाल, अमित शर्मा, साहिल टीलावत, नितेश शर्मा सहित बडी संख्या में महिलाएं व श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षिप्त

पिंटू जैमन अध्यक्ष बने

पिंटू जैमन

सिकराय, (निसं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा ने बहरावंडा तहसील अध्यक्ष के पद पर पिंटू जैमन गढ को मनोनित किया है। नवनियुक्त बहरावंडा तहसील अध्यक्ष पिंटू जैमन के बहरावंडा तहसील अध्यक्ष बनने की खुशी में ब्राह्मण समाज के लोगों व युवाओं ने गढ गांव में नवनियुक्त अध्यक्ष पिंटू जैमन का माला व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया है।

जीएसटी की सेमीनार आज

मनोहरपुर, (निसं)। सीए एसोसिएशन शाहपुरा के नेतृत्व में शनिवार को केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग द्वारा शाम 6 बजे से बिदारा एमडीएस होटल में सेमीनार का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए सीए रतन अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त उत्कर्ष कुमार के मुख्य आतिथ्य व सहायक आयुक्त रेणु दहिया, अधीक्षक रमेश कुमार सैनी के विशिष्ट आतिथ्य में जीएसटी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अधिकारी नए टैक्स के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। सेमिनार में शाहपुरा, मनोहरपुर, कोटपूतली,विराटनगर, जयपुर शाहिद आसपास के प्रतिष्ठित व्यापारी और गणमान्य लोग भाग लेंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि 26 जून

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर संचालित राजकीय महाविद्यालय में स्नातक पार्ट प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 26 जून तक बढा दी गई है। छात्र अपना आवेदन ई-मित्र द्वारा करवा सकते हैं। यह जानकारी प्राचार्य डॉक्टर संदीपन आर्य ने दी।

ट्रेन से गिरने से एक यात्री की मौत

निवाई, (निसं)। शुक्रवार की शाम विलासपुर-जोधपुर ट्रेन से गिरने से एक यात्री की उपचार के दौरान जयपुर में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संजय पुत्र रंगलाल सिंगीवाल उम्र 35 वर्ष निवासी पटेल नगर छावनी देवली टोंक विलासपुर ट्रेन से यात्रा कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड जाने से वह ट्रेन से गिरकर गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती करवाया। जहां से चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान जयपुर में उसने दम तोड दिया। शनिवार को जीआरपी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पेयजल टंकी का नहीं हुआ उद्घाटन

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के सरदारपुरा की ढाणी नागाजी की गौर के पास 1 करोड 17 लाख रुपये की लागत से निर्मित पेयजल टंकी आज भी आम जनता को पानी पिलाने का इंतजार कर रही है। पेयजल टंकी का निर्माण वर्ष 2022 में हुआ था लेकिन आज तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ। यह पेयजल टंकी राजनीतिक भेंट चढ गई है, जिससे जनता को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर होना पड रहा है। कस्बावासी महंगी दरों पर पानी का टैंकर मंगवा रहे है। वहीं गरीब लोगों को पीने के पानी के लिये काफी परेशानी उठानी पड रही है लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के कोई फर्क नहीं पड रहा है।

नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में प्रदर्शन

कोटपूतली, (निसं)। अखिल भारतीय मेडीकल प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में हुई कथित धांधली के विरोध में शुक्रवार शाम राजधानी जयपुर में एनएसयुआई कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुये राजस्थान विश्वविधालय मुख्य द्वार से शहीद स्मारक तक विशाल जुलूस निकाला गया। विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिये बडी संख्या में कार्यकर्ता पूर्व पार्षद तारा पूतली के नेतृत्व में जयपुर पहुंचे। जहां एनएसयुआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड के नेतृत्व में मशाल जुलूस व विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। तारा पूतली ने कहा कि मोदी शासन में लगातार हो रहे पेपर लीक देश की नींव कमजोर कर रहे है। यह लाखों छात्रों के साथ धोखा व अन्याय है।

वेतन नहीं मिलने से नाराज सफाई कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार किया

- कर्मचारियों की दूसरे दिन भी हड़ताल जारी
- दो माह से कर्मचारियों को नहीं मिल रहा है वेतन

मनोहरपुर, (निसं)। नगर पालिका में पिछले दो दिन से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर सफाई व्यवस्था डगमगाई हुई है। इससे आम रास्तों व लोगों के घरों के सामने कचरा पात्र लबालब भरे पडे है ओर वही जगह जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। नगर पालिका में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से नाराज सफाई कर्मचारियों ने कार्य का बहिष्कार कर विरोध किया।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका में करीब 100 कर्मचारी कार्यरत हैं। जिनको पिछले दो माह से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। एक कर्मचारी पूजा रमेश को तो पिछले 1 साल से वेतन नहीं दिया जा रहा है। जिससे नाराज सफाई कर्मचारी पूजा, रवि, सुनीता, रोशन, सीताराम, मालीराम, कृष्ण कुमार, सत्यनारायण, बाबूलाल, श्यामलाल, पूरन, विशाल सहित कई कर्मचारियों ने विरोध कर कार्य का बहिष्कार कर दिया। सफाई कर्मचारी रवि, सत्यनारायण पूजा ने

सफाई कर्मचारियों द्वारा कार्य बहिष्कार से जगह-जगह गंदगी के ढेर हो गये तथा व्यवस्था ठप हो गई।

बताया कि समय पर वेतन नहीं मिलने से उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ रही है। समय पर वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों को साहूकार से ब्याज पर पैसा लेकर अपना घर चलाना पडता है। यहां समय पर वेतन नहीं मिलने की समस्या कोई नई नहीं है पूर्व में भी कई बार वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया है। किन्तु पालिका अधिकारियों पर इसका कोई असर नहीं होता है। सफाई कर्मचारियों के कार्य का बहिष्कार करने से कस्बे में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, नालियों का पानी सडकों पर बह रहा है और लोगों का निकलना भी दूभर हो रहा है। सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती वे काम पर नहीं लौटेंगे। इस संबंध में सफाई प्रभारी श्योराम जाट ने बताया कि कर्मचारियों ने समय पर वेतन देने, पीएफ की कटौती करने, पूर्व कर्मचारियों का बकाया वेतन देने की मांग को लेकर कार्य का बहिष्कार कर दिया है।

ठेकेदार आने पर कर्मचारियों का हिसाब कर पेमेंट दिया जायेगा। वही इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत का कहना है कि ठेकेदार को बुलाया गया है। जिसमे ठेकेदार ने सफाई कर्मचारियों की डिटेल मांगी है। ठेकेदार के आने पर कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। कर्मचारियों को वेतन दे दिया जायेगा।

सड़क पर उड़ रही धूल से लोग परेशान

पावटा, (निसं)। एक तरफ जहां शहर में प्रचंड गर्मी ने लोगों की समस्या बढा रखी है, तो दूसरी तरफ दोपहर में बह रही तेज लू भरी हवा ने लोगों की इस समस्या को दोगुना कर दिया है। पावटा कुनेड मार्ग पर लू के साथ उडती धूल भी वाहन चालकों व लोगों की परेशानी का कारण बन रही है। पावटा कुनेड मार्ग पर सडक निर्माण कार्य चल रहा है। इस वजह से नवनिर्मित सडक पर हवा के साथ बिछी मिट्टी व उडती धूल ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। सडक पर धूल उडने से वाहन चालक व लोग बेहद परेशान हैं। वाहन चालक व लोग स्वच्छ हवा की जगह धूल फांकते चल रहे हैं। कस्बे की कई मुख्य सडकों पर यह समस्या आम हो गयी है। यहां लोगों के घरों में धूल की परत जम गयी है। ठेकेदार द्वारा समय पर सडक से मिट्टी नहीं उठाने से लोगों की समस्या और भी बढ गई है। ठेकेदार व प्रशासन की लापरवाही से आमजन को परेशानियों का सामान करना पड रहा है।

कार्यकर्ता, कांग्रेस पार्टी की रीड की हड्डी है : सांसद मुरारीलाल मीणा

- सांसद मुरारीलाल मीणा का स्वागत-सम्मान एवं अभिनन्दन कार्यक्रम

अलवर, (निसं)। लोकसभा क्षेत्र दौसा की विधानसभा थानागाजी में नवनिर्वाचित सांसद मुरारीलाल मीणा का स्वागत-सम्मान एवं अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया की विधानसभा थानागाजी की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी थानागाजी एवं टहला की ओर से सांसद मुरारीलाल मीणा का साफा-माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

सांसद मुरारीलाल मीणा ने अपने सम्बोधन में कहा की कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी की रीड की हड्डी है, उसका उचित मान सम्मान रखा जायेगा। थानागाजी विधानसभा क्षेत्र का चहुँमुखी विकास करवाया जायेगा। उन्होंने कांग्रेस पदाधिकारियो, कार्यकर्तओं एवं सभी क्षेत्रवासियों का जीत के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

सांसद मुरारीलाल मीणा का साफा-माला पहनाकर सम्मान किया।

इस दौरान अलवर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, दौसा कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ, थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीणा, उर्मिला योगी, सुनील बोहरा, थानागाजी ब्लॉक अध्यक्ष बनवारीलाल शर्मा, टहला ब्लॉक अध्यक्ष हनुमान सहाय शर्मा, उपजिला प्रमुख ललिता मीणा, प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता, थानागाजी चेयरमैन चौथमल सैनी, प्रधान जयप्रकाश प्रजापत, लोकेश मीणा, महंत जयराम दास, मनोज जैमन, राम मीणा, राजेंद्र शर्मा, प्रभुदयाल एडवोकेट, प्रो. सोहनलाल मीणा,भभलाराम मीणा, दिनेश शर्मा, कप्तान सरपंच, विनोद शर्मा, राजगढ ब्राम्हण समाज अध्यक्ष राजेश शर्मा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कौशल विकास शिविर के विजेताओं को पुरस्कृत किया

- 'शिक्षा के साथ कौशल विकास एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है'

टोंक, (निसं)। कौशल विकास अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर 'सृजन प्रदर्शनी' के उद्घाटन अवसर पर जिला आयुक्त मीना लसारिया ने कहा कि कम उम्र में हाथ का हुनर सीखना जरूरी है। शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास एवं स्वावलंबन एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने बालक-बालिकाओं द्वारा सीखे गये विभिन्न विषयों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा रचनात्मक शक्ति के विकास की सराहना की।

वरिष्ठ एवं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रमेश काला ने कहा कि ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग के लिए रुचि प्रशिक्षण से युवाओं में आत्मनिर्भरता की परंपरा बढ़ती है। अभिभाषक परिषद के शैलेन्द्र शर्मा ने युवाओं को स्काउटिंग, मार्गदर्शन, कौशल, अनुशासन और आपदा में सहायता के लिए तैयार करने की आशा व्यक्त की। सीओ गाइड अचू मीना ने शिविर में आयोजित

कौशल विकास अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में अतिथियों ने विचार व्यक्त किये।

गतिविधियों की जानकारी दी। सीओ स्काउट गिरिराज गर्ग ने बताया कि स्काउटिंग गाइडिंग रुचि प्रशिक्षण पिछले 45 वर्षों से लगातार चल रहा है। वरिष्ठ कालूराम मीना, सुखलाल वर्मा, बनवारी लाल बैरवा, शंकर लाल सैनी, धर्मराज चौधरी, आराधना कुमावत, रीना, अनिता गुप्ता, प्रेमचंद ने ग्रीष्मावकाश के दौरान समय-समय पर आयोजित गतिविधियों में बालक-बालिकाओं के योगदान की जानकारी दी। नृत्य, संगीत, सिलाई, मेहंदी, कंप्यूटर, पेंटिंग, ब्यूटीशियन, कला एवं शिल्प आदि विषयों में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। शिवानी गोडसे, पद्मा चावला, पायल महावर, हजरत अली, हेमलता, आराधना, पूजा साहू, संजय मीना ने विषयों में प्रशिक्षण दिया। ब्याज की। महेश गुर्जर, मुरली मनोहर शर्मा, परमानंद वर्मा, अनिल नागर, भगवान सहाय विजय, अभिमन्यु सिंह सहित अभिभावकों, स्काउटर गाइड, ट्रेनिंग काउंसलर, रोवर रेंजर, स्काउट गाइड ने भाग लिया।

रेवारी समाज ने हड़मल राईका गौरव दिवस मनाया

- रेवारी समाज के लोग लाल पगड़ी में पारंपरिक वेषभूषा में चल रहे थे

अलवर, (निसं)। रेवारी समाज द्वारा श्री हडमल राईका गोरव दिवस व ऊँट दिवस अलवर में धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर हजारों की संख्या में रेवारी समाज के लोग एक वेशभूषा में नजर आएं। इस मौके पर रेवारी समाज द्वारा एक विशाल रैली का आयोजन किया गया जो शहर के प्रमुख बाजारों से निकाली गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव रहे।

शनिवार सुबह से ही अलवर की जनता उस नजारे को देखने के लिए शहर के चौराहों पर खडी इंतजार कर रही थी जहां से रेवारी यानि राईका समाज की महारैली गुजरने वाली थी। लोगों का इंतजार खत्म हुआ जब सजे धजे ऊँट आगे चल रहे थे वही रेवारी समाज हजारों की संख्या में लाल पगडी में अपनी परम्परिक वेषभूषा में चलते लोग अलग ही अपनी पहचान बता रहे थे। उनके साथ रेवारी समाज के महापुरूषों की झांकिया भी चल रही थी।

यह महारैली स्वरूप विलास मोती डूंगरी से शुरू होकर शहर में मोती डूंगरी से प्रारम्भ होकर एसएमडी सर्किल, नंगली सर्किल, बिजली घर चौराहा, भगत सिंह सर्किल, काशीराम चौराहा, घण्टाघर,होप सर्कस, पुलिस कंट्रोल रूम,अशोका टाकीज, घोडाफेर चौराहा एवं ज्योतिराव सर्किल होते हुए वापिस मोती डूंगरी पहुंच कर समाप्त हुई। इसके बाद होटल स्वरूप विलास में एक बडी सभा का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव एवं मुख्य अतिथि राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर सहित अनेकों भाजपा नेता रहे। इस अवसर पर राईका समाज की तरफ से दोनों मंत्रियों को एक-एक ज्ञापन दिया गया जिसमें समाज की तरफ से मांग की गई कि उनके समाज का प्रदेश के हर जिले में एक हास्टल होना अनिवार्य है ताकि उनके बच्चों को शहर आकर पढने में कोई कठिनाई ना हो ज्ञापन में समाज ने सरकार से उचित दर पर या निशुल्क भूमि उपलब्ध करवाने की मांग की है। समाज के ज्ञापन पर केन्द्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही समाज को राज्य के प्रत्येक जिले में भूमि उपलब्ध कराने की कवायद की जाएगी और शिक्षा के क्षेत्र में समाज की पहल को आगे बढाया जाएगा।

सुंदर सिंह का जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए आदर्श स्वरूप : भूपेंद्र यादव

- सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन

अलवर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर स्वर्गीय सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जन संघ के संस्थापक सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुंदर सिंह भंडारी जी का जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए एक आदर्श स्वरूप है। आज भारतीय जनता पार्टी जिस वटवृक्ष के रूप में विश्व की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी है इसका बीजारोपण सुंदर सिंह भंडारी सरिखे कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया।

जनसंघ से लेकर वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की विकास यात्रा पर भी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने विस्तृत रूप

संगोष्ठी में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

से प्रकाश डाला और सुंदर सिंह भंडारी के द्वारा बताए गए आदर्श पर चलने का आव्हान किया। पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि सुंदर सिंह भंडारी का जीवन एक खुली किताब की तरह था जिसमें आदर्श और अनुशासन के पाठ प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए आज भी उतने ही प्रासंगिक जितने की उस समय थे। गोष्ठी को जिला संगठन प्रभारी रोशन लाल सैनी लक्ष्मीकांत भारद्वाज पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा, पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाना, सोहनलाल सोहनलाल सुलानिया, इंद्रजीत सिंह,उम्मेद सिंह भाया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर, पूर्व विधायक जय राम जाटव, मामन सिंह यादव ,मंगल राम कोली, बना राम मीणा, जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी गोवर्धन सिंह सिसोदिया शिवलाल मीणा उपाध्यक्ष हरिशंकर खंडेलवाल, जले सिंह, देशराज वर्मा, हरीश यादव, रमन गुलाटी, जिला प्रवक्ता जितेंद्र शर्मा, जितेंद्र गोयल, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता, सहप्रवक्ता नरेश ढाणावत जिला मंत्री अनूप वाल्मीकि, केजी खण्डेलवाल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता सैनी इब्राहिम खान, सुदेश खांमबरा, महेश मीणा, पंकज यादव, सुशील यादव मंडल अध्यक्ष मनोज चौहान राजेंद्र सैनी अशोक तिवारी, तुलसी नवालिया, सरदार गगनदीप सिंह आशीष अरोडा महेंद्र यादव अविनाश खंडेलवाल, मधु यादव, फूलवती सोमवंशी, पूनम गुर्जर, केसर कोली, रीता सेठी, शाहिद सैकडों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मिडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

सार-समाचार

कर्नल राठौड़ ने दी एंबुलेंस की सौगात

फुलेरा, (निसं)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाडा क्षेत्र के जनप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने मरीजों को निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा दी है। वहीं मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों की उपस्थिति में एम्बुलेंस वाहन का निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सकों को एम्बुलेंस में हर तरह के जीवन रक्षक उपकरणों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कर्नल सिंह ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं क्षेत्र की आम जनता का अधिकार है। दुर्घटना या आपातकाल के समय मरीजों की जान बचाने के लिए शीघ्र से शीघ्र जरूरी उपकरणों के साथ अस्पताल पहुंचाना आवश्यक है। इसी क्रम में आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आमजनों को आज बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है। उन्हीं से प्रेरणा लेकर झोटवाडा क्षेत्र के लोगों के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा आरंभ होने जा रही है।

हरगोविंद साहब का प्रकाश पर्व मनाया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। गुरुद्वारा सिंह सभा श्रीमाधोपुर सिख धर्म के छठम गुरु श्री गुरु हरगोविंद सिंह साहब का प्रकाश पर्व श्रद्धा व भक्ति भाव से मनाया गया। जिसमें कीर्तन दरबार की शोभा बढाने के लिए महान कीर्तन सजाया गया। निशान साहिब के चोले की सेवा की गई। सरदार अर्जुन सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा सिंह सभा में श्री सुखमनी साहिब पाठ, श्री जपजी साहिब पाठ, आसा दी वार एवं शब्द कीर्तन हुए। इस दौरान यह भी बताया कि श्री गुरु हरगोविंद सिंह साहब ने माना धर्म की रक्षा पाठ, भक्ति, सिमरन से नहीं की जा सकती। धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र, वीरता साहस की आवश्यकता है। गुरुजी ने कृपाण उठाई, जुल्म के खिलाफ जंग संघर्ष किया। इस मौके पर गुरु का अटूट लंगर, मिस्सी रोटी, मखन, अचार, प्याज व लस्सी आदि का लंगर वरताया गया। कार्यक्रम में रमेश लाल, अमरजीत सिंह, सरदार उत्तम सिंह, सरदार रतन सिंह, सरदार जोगिंदर सिंह, सरदार मंजीत सिंह, महेश पंजाबी, भीमराज पंजाबी, हरीश वधवा, दीनदयाल सतीजा, कुलदीप पंजाबी, जसप्रीत सिंह व अन्य युवक, माता, बहने आदि उपस्थित थी।

बालकों को किया सम्मानित

निवाई, (निसं)। भारतीय सिंधु सभा राजस्थान एवं पूज्य पंचायत सिंधी समाज के संयुक्त तत्वाधान में महिला कोर ग्रुप द्वारा संचालित 15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का समापन समारोह पूर्वक किया गया। इस दौरान सिंधुपति महाराजा दाहिरसेन की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। महिला कोर ग्रुप की अध्यक्ष ऋचा इसरानी ने बताया कि बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार वितरण करके सम्मानित किया गया। समारोह में प्रमुख समाजसेवी शीतलदास इसरानी, झामन दास, हेमनदास, महिला कोर की सदस्य योग्यता इसरानी, काजल, वर्षा, नीतू, इन्दु, दुर्गा, नेहा व सानिया सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

चार वार्ड पंच का निर्विरोध निर्वाचन

मालपुरा, (निसं)। निर्वाचन विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रमानुसार शनिवार को लावा ग्राम पंचायत के चार वार्डपंचों के लिये हुये उप चुनाव में वार्ड नम्बर 4 से विमला देवी, वार्ड नम्बर 6 सीताराम सैन, वार्ड नम्बर 13 से किशनलाल जाट एवं वार्ड नंबर 16 से तुलसी देवी जाट को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। रिटर्निंग अधिकारी रामस्वरूप जाट, सहायक अधिकारी अमित कुमार पारीक ने निर्विरोध चारो वार्डपंचों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान सरपंच कमल कुमार जैन,पूर्व जिला परिषद सदस्य किशनलाल फगोडिया भी मौजूद रहै। वही रावणा राजपूत समाज विकास समिति की तहसील स्तरीय बैठक मे समिति अध्यक्ष का चुनाव शनिवार को सम्पन्न हुआ। मौजूद समाज बंधुओ ने आम सहमति बनाते हुये विकास समिति के तहसील अध्यक्ष पद पर लक्ष्मण सिंह राठोड को निर्विरोध मनोनीत किया गया। तो सचिव पद पर रामस्वरूप सिंह राठोड सांस व कोषाध्यक्ष पद पर गणपत सिंह पंवार को निर्विरोध मनोनीत किया गया। नवमनोनीत पदाधिकारियो को मौजूद समाज बंधुओ ने माला पहना कर बधाई दी।

प्रहलाद राय टांक से की शिष्टाचार भेंट

कोटपूतली, (निसं)। श्रीयादे माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष राज्यमंत्री प्रहलाद राय टांक से शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता राजेश प्रजापति पूतली के नेतृत्व में समाज के लोगों ने उद्योग भवन कार्यालय पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर राज्यमंत्री प्रहलाद राय टांक का पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया एवं उन्हें मिठाई खिलाकर शुभकामनायें व बधाईयां प्रेषित की। समाज के प्रतिनिधि मंडल ने बोर्ड अध्यक्ष टांक के जरिये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम श्रीयादे माटी कला बोर्ड की योजनाओं के बारे में विस्तार से ज्ञापन देकर चर्चा की और श्रीयादे माटी कला बोर्ड को संवैधानिक दर्जा देने की मांग की। राज्यमंत्री प्रहलाद राय टांक ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री को दो दिन पूर्व बोर्ड की प्रमुख मांगों से अवगत करवाया था, जिसमें सकारात्मक चर्चा हुई। इस पर मुख्यमंत्री जल्द ही विचार करेंगे। इस दौरान लोकेश प्रजापति, सत्यवीर प्रजापति, सत्यनारायण प्रजापति सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

महिला आरक्षण पर सीएम का आभार

फुलेरा, (निसं)। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में नारी शक्ति के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढाकर 50 प्रतिशत करने पर महिलाओं में खुशी की लहर व्याप्त है। इसके चलते भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम कुमावत और पार्षद पूजा भाटी की अगुवाई में महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया है। इसी कडी में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम कुमावत ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्णय को नारी शक्ति के हित में ऐतिहासिक बताया है। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम कुमावत ने बताया कि राज्य की भाजपा सरकार ने नारी के सम्मान में जो फैसला लिया है। इससे महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर होने में राह आसान होगी। वहीं पार्षद पूजा भाटी ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार शानदार फैसले ले रही है। जिसका आम जनता को पूरा फायदा मिल रहा है। महिला आरक्षण पर भाटी ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिए यह फैसला वरदान साबित होगा। इस अवसर पर भाजपा के कई कार्यकर्ता और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाबर को अपनी टीम के लिए मैच जीतने होंगे। बाबर आजम पिछले दो आईसीसी इवेंट्स में बुरी तरह से नाकाम रहे हैं। बाबर को आखिर कप्तान किसने बना दिया। – शोएब अख्तर

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, बाबर आजम की कप्तानी पर सवाल उठाए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी बलजीत कौर

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक टाटा पावर ने गर्व के साथ की है कि इसकी सस्टेनेबिलिटी चौंपियन और शीर्ष पर्वतारोही बलजीत कौर ने कंपनी केस स्टेनेबल इज अटेनेबल संदेश को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी तक पहुंचाते हुए माउंट एवरेस्ट पर सफलता पूर्वक फतह हासिल की। टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने अप्रैल में इस अभियान की शुरुआत मुंबई में औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर की थी। इसके बाद बलजीत ने लद्दाख जंस्कर हिमालय पर्वतमाला में कठिन प्रशिक्षण लिया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

भारत ने बांग्लादेश को 50 रनों से मात दी, हार्दिक-कुलदीप रहे हीरो

सेमीफाइनल की ओर बढ़ी भारत, एंटीगा में रनों की बारिश

एंटीगा, 22 जून। टीम इंडिया ने शनिवार को एंटीगुआ के मैदान में बांग्लादेश को 50 रन से हरा दिया। सुपर-8 स्टेज में ये टीम इंडिया की दूसरी जीत है। इसके साथ ही टीम सेमीफाइनल के और करीब पहुंच गई है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। बैटिंग पिच पर सूर्य कुमार को छोडड़क़र टीम इंडिया के हर टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ने स्कोर किया और 196 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर चौका मारकर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसी पिच पर जब भारत ने गेंदबाजी शुरू की, तो बांग्लादेशी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। कुलदीप यादव ने अपने 4 ओवर में 3 विकेट लिए और सिर्फ 19 रन खर्च किए। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो अकेले लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने 40 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पवेलियन भेजा।

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, नॉर्थ साउंड की धीमी पिच पर विश्वकप में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया यह अब तक सर्वाधिक स्कोर है। टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने का बांग्लादेशी कप्तान नाजमुल हस शान्तो का फैसला अचरज भरा था क्योंकि धूप तेज होने के साथ यहां पिच के और धीमा होने के कयास लगाये जा रहे थे। रोहित और विराट ने पारी की शुरुआत आक्रमक तरीके से की और दोनो ने पहले पावर प्ले का भरपूर फायदा उठाते हुये मैदान के चारों ओर कई आकर्षक शाट्स लगाये। रोहित हालांकि पारी के चौथे ओवर में शाकिब अल हसन का शिकार बने। शाकिब की धीमी गेंद को ऑन साइड में हिट करने के प्रयास में फुलर गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और मिड ऑफ़ जाकेर ने दौड़ लगाते हुये उनका कैच लपक लिया।

नये बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विराट का साथ देते हुये रनो की रफ्तार को बनाये रखा और दोनो ने आठवे ओवर तक टीम के खाते में 70 रन जोड़ लिये थे मगर इस बीच विराट की पारी का अंत तनजीम हसन साकिब ने किया जब उनकी डिलीवरी पर कोहली पूरी तरह से गच्चा खा गए और पुल करने के प्रयास में गेंद की लाइन से चूक गये और गेंद स्टंप से टकरा गयी। इसी ओवर में बांग्लादेश को विस्फोटक सूर्य कुमार यादव (6) के विकेट के रुप में एक और अहम सफलता मिली। ऋषभ पंत 12वें ओवर में रिशाद हुसैन का शिकार बने।

उधर हार्दिक पांड्या का साथ देने आये शिवम दुबे ने आज स्पिनर्स के खिलाफ अपने हाथ खोले और दोनों बल्लेबाजों ने बांग्लादेशी आक्रमण की धज्जियों उड़ाते हुये तेजी से रन बटोरना शुरु किया। दुबे रिशाद हुसैन की गेंद पर छक्का लगाने के बाद दूसरी गेंद को भी हिट करने के प्रयास में बोल्ड आउट हुये वहीं हार्दिक पांड्या ने अक्षर पटेल (3 नाबाद) का सहयोग लेते हुये अपनी रफ्तार जारी रखी और टीम के स्कोर को विशाल बना दिया।

होप के तूफान में उड़ा अमेरिका, वेस्टइंडीज नौ विकेट से जीता

आंद्रे रसल व रॉस्टन चेज ने तीन-तीन विकेट लिए

बारबडोस, 22 जून। आंद्रे रसल (31रन पर तीन विकेट) और रॉस्टन चेज (19 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद शे होप (82 नाबाद) की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने शनिवार को टी20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में अमेरिका को 55 गेंद बाकी रहते नौ विकेट से धो दिया।

इस जीत के साथ वेस्टइंडीज का रन औसत ग्रुप दो में नम्बर एक टीम दक्षिण अफ्रीका से बेहतर हो गया है और अब 24 जून को होने वाले मैच में दक्षिण अफ्रीका को मेजबान टीम से सुपर आठ के लिये ग्रुप में अव्वल रहने के लिये चौकन्ना रहना पड़ेगा हालांकि दक्षिण अफ्रीका अमेरिका और इंग्लैंड को हरा कर पहले ही सेमीफाइनलमें अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है।

वेस्टइंडीज का टॉस जीत कर अमेरिका को पहले बल्लेबाजी दिये जाने का निर्णय सही साबित हुआ और रसेल,अल्जारी जोसेफ (दो विकेट) और चेज की गेंदबाजी के आगे अमेरिकी बल्लेबाजों ने आत्मसमर्पण कर दिया और पूरी टीम 19.5 ओवर के खेल में 129 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। बाद में बल्लेबाजी करने उतरे कैरिबायाई धमाका शे होप ने मात्र 39 गेंदों में चार चौके और आठ छक्के की मदद से 82 रन ठोक कर अमेरिकियों के होश उड़ा दिये और मात्र 10.5 ओवर में विजय लक्ष्य एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मैदान का कोई भी कोना होप के प्रहारों से अछूता नहीं रहा। दूसरे छोर पर उनकी मदद जानसन चार्ल्स (15) और निकोलस पूरन (27 नाबाद) ने की। चार्ल्स के आउट होने के बाद क्रीज पर आये पूरन के दमदार प्रहारों का अमेरिकी गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होने अपनी 12 गेंदों की संक्षिप्त पारी में उनके तीन जानदार छक्के देखने लायक थे।

अब तक के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बल पर सुर्खियां बटोरने वाले अमेरिकी खिलाड़ी कैरिबियाई द्वीप में खुद को असहाय महसूस कराते नजर आये। टीम के आधे खिलाड़ी अपना निजी योगदान दो अंकों में करने में लाचार दिखे। ऐंड्रियस गौस (29) और नीतिश कुमार (20) ने कुछ जानदार शाट्स खेल कर अमेरिका का दमखम दिखाने का प्रयास किया मगर उनके आउट होने के बाद मिलिंद कुमार (19),शैडली वान शाल्कविक (18) और अली खान (14 नाबाद) ही कुछ समय के लिये वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना कर सके।

मार्क जोथनपुइया तीन साल के करार के साथ ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

नई दिल्ली, 22 जून। ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया

के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं। ईस्ट बंगाल एफसी परिवार में जोथनपुइया का स्वागत करते हुए इमामी समूह के विभाष वर्धन अग्रवाल ने कहा, ''मार्क भारत के सबसे बहुमुखी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने की कोशिश करेंगे।'' इमामी समूह ईस्ट बंगाल एफसी में बहुलांश हितधारक है। मिजोरम के इस खिलाड़ी के पास एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीमलिए 2020-21 सत्र में खेलने का अनुभव है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल का खिताब जीतने वाली इस टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस करार पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। कोलकाता भारतीय फुटबॉल का मक्का है और मैं ईस्ट बंगाल के प्रशंसकों से अद्भुत समर्थन का अनुभव करने के लिए इंतजार कर रहा हूं।

भारत के सुमित को टेनिस में ओलिंपिक कोटा मिला

नई दिल्ली, 22 जून। सुमित नागल ने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इसकी पुष्टि उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर की। नागल के अलावा रोहन बोपन्ना भी डबल्स के

लिए ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। वह अपने पसंद के पार्टनर एन श्रीराम बालाजी के साथ पेरिस में खेलते नजर आएंगे। टेनिस के लिए पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन विंडो सोमवार को समाप्त हो गई। जिसके बाद नागल और बोपन्ना ने कोटा हासिल कर लिया। नागल दो बार ओलिंपिक में टेनिस सिंगल्स में कोटा हासिल करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले लिएंडर पेस ही ओलिंपिक में टेनिस सिंगल्स में कोटा हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ी रहे हैं। पेस 1996 में ओलिंपिक गेम्स में सिंगल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। नागल ने पेरिस ओलिंपिक के लिए कोटा से पहले 2020 टोक्यो ओलिंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

असफलताओं से उबरने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं : मीराबाई चानू

मीराबाई चानू की नजर पेरिस ओलंपिक पर

पटियाला, 22 जून। चोट से उबरने के बाद प्रसिद्ध भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में विजयी वापसी के लिए कमर कस रही हैं। एशियाई खेलों में असफलता के बाद विश्व कप में अपनी हालिया वापसी पर बातचीत करते हुये मीराबाई ने कहा एशियाई खेलों में चोट लगने के बाद, विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से एक और चोट लगने को लेकर आशंकित थी।

उन्होंने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई मीडिया) से कहा, मैं पेरिस के लिए अपनी संभावनाओं को खतरे में नहीं डालना चाहती थी। चोटों से निपटना और तनाव मुक्त मानसिकता बनाए रखना मेरे लिए

महत्वपूर्ण है। पेरिस की राह चुनौतियों से रहित नहीं रही, क्योंकि मीराबाई ने अपने खेल में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण और चोट की रोकथाम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया, ''भारोत्तोलन व्यापक प्रशिक्षण की मांग करता है। प्रत्येक मांसपेशी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और भारी वजन उठाने के लिए ताकत बनाए रखना महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में निरंतरता महत्वपूर्ण है। एक भी दिन छोड़ने से मेरी प्रगति में काफी कमी आती है।

उन्होने कहा कि असफलताओं से उबरने का उनका दृढ़ संकल्प स्पष्ट था। उन्होंने अफसोस जताते हुये कहा हांगझाउ एशियाई खेल में करीब होने के बावजूद, एक असामयिक चोट ने मेरी प्रगति रोक दी। हालांकि, असफलताएं भारत के लिए और मजबूत होकर वापसी करने के मेरे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देती हैं। मीराबाई पेरिस का इंतजार कर रही हैं, जहां उनका लक्ष्य टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद अपनी क्षमता में इजाफा करना है। उन्होंने कहा, मैं सभी भारतीयों के समर्थन और प्रार्थनाओं पर भरोसा करती हूं। आखिरकार, पेरिस में सफलता भाग्य से निर्धारित होगी। दूसरा ओलंपिक पदक हासिल करना मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना पूरा होगा, लेकिन मैं खेल की अनिश्चितताओं को समझती हूं।

भारतीय महिला टीम की निगाहें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप करने पर

बेंगलुरु, 22 जून। पहले दो मैच में हर तरह की चुनौती का डटकर सामना करने वाली भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को जीतकर श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने श्रृंखला का पहला मैच आसानी से जीता लेकिन दूसरे मैच में उसे कड़ा संघर्ष करना पड़ा। पहले मैच में भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 99 रन के स्कोर से उबरकर 260 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद इस स्कोर का अच्छी तरह से बचाव किया। पिछले मैच में हालांकि लॉरा वोल्वार्ड्ट और मारिजान कैप ने शतक बनाकर भारतीय गेंदबाजों की नहीं चलने दी और अंतिम गेंद तक मैच को रोमांचक बनाए रखा। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले दो मैच में 117 और 136 रन बनाए और इस तरह से लगातार दो वनडे मैच में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी। भारतीय उप कप्तान अपने इस रिकार्ड को और बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पिछले मैच में 88 गेंद पर 103 रन बनाकरफॉर्म में वापसी की लेकिन सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा रन बनाने के लिए जूझ रही हैं जो भारतीय टीम प्रबंधन के लिए भी चिंता का विषय होगा।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या, 22 जून। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमश: विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात रन से हराया

ग्रॉस आइलेट, 22 जून। क्विंटन डिकॉक (65) और डेविड मिलर (43) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप दो के मुकाबले के आखिरी ओवर में इंग्लैंड को सात रन से हरा दिया है। 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में 15 के स्कोर पर अपना पहला विकट फिल सॉल्ट (11) के रूप में गवां दिया। उसके बाद 11वें ओवर में 61 स्कोर पहुंचने तक इंग्लैंड के तीन और बल्लेबा आउट हो गये। कप्तान जॉस बटलर (17), जॉनी बेयरस्टो (16) मोईन अली (9) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे सकंट के समय हैरी ब्रूक और लियम लिविंगस्टन ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में कगिसो रबाडा ने लियम लिविंगस्टन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। लिविंगस्टन ने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली। हैरी ब्रूक ने 37 गेंदों में सात चौकों की मदद से (51) रन बनाये। उन्हें एनरिच नॉर्टे ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर आउट किया। यह मैच का टर्निंग प्वांइट साबित हुआ। इसके साथ ही इंग्लैंड के मैच जीतने की संभावनाएं धूमिल हो गई। सैम करन 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड 20 ओवर में छह विकेट पर 156 रन ही बना सका और सात रन से मुकाबला हार गया।

महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे : दीप्ति

बेंगलुरु, 22 जून। भारतीय महिला टीम की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी। बता दें कि, भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है। दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।''

इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते

हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए। दीप्ति ने कहा, ''मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया। उन्होंने कहा, ''सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।''

दीप्ति ने कहा, ''10 से 12 ओवर के बाद हमने कुछ अच्छी साझेदारियां बनाईं। उन्होंने रन बनाने के हर अवसर का फायदा उठाया और यह हमारे लिए सकारात्मक है - जिस तरह से हमने बाद में इसका फायदा उठाया।'' दीप्ति ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपने क्षेत्ररक्षण को सुधारने पर काम कर रहे हैं।

नीदरलैंड और फ्रांस ने गोलरहित ड्रॉ पर बांटे अंक

लीपज़िग, 22 जून। यूरो 2024 के ग्रुप डी के एक करीबी मुकाबले में नीदरलैंड और फ्रांस ने शनिवार को यहां गोल रहित ड्रॉ खेला और अंक बांट लिये। ग्रुप डी में दोनों टीमें अब चार अंकों के साथ शीर्ष पर हैं और शीर्ष पर बने रहने की यह जंग ग्रुप के अंतिम मैच तक जारी रहेगी। दोनों टीमों ने मैच के दौरान लचीली और रक्षात्मक शैली अपनायी। नीदरलैंड के कप्तान वर्जिल वान डिज्क ने प्रभावित किया और फ्रांस के शक्तिशाली आक्रमण को बेअसर कर दिया। मगर गोलकीपर माइक मेगनन ने शानदार बचाव किया। बाद में फ्रांस ने पलटवार किया हालांकि एंटोनी ग्रीज़मैन ने एक सुनहरा मौका गंवा दिया और मार्कस थुरम भी गोल करने में असफल रहे, जिससे पहला हाफ गोल रहित हो गया।

गिलक्रिस्ट के स्तर तक पहुंचने के लिए लम्बा रास्ता तय करना होगा पंत को : इयान स्मिथ

ग्रॉस आइलेट, 22 जून। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान समय में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना होगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं। टी20 विश्व कप में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे स्मिथ ने कहा,''ऋषभ पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वह बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है।'' गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी

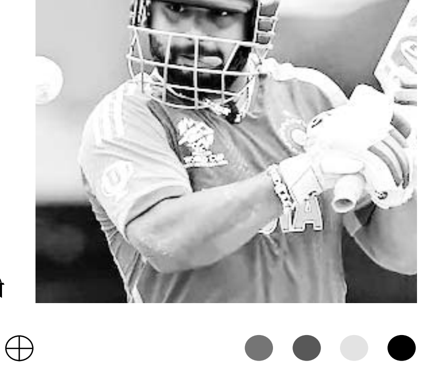

कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा,''वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह विराट कोहली हो या रोहित शर्मा। इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला सही है क्योंकि मेरा मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अधिक गेंदों का सामना करने का मौका मिलना चाहिए। यही वजह है जिससे कि वह विशेष बन जाता है।'' उन्होंने कहा,''वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और उसे सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं। उसने केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना काफी मायने रखता है।'' इस 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा,'' गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उसे अभी काफी रास्ता तय करना होगा। दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है। अगर वह आगे कुछ वर्षों तक इसी तरह से खेलता रहा तब लोग कहेंगे कि गिलक्रिस्ट और पंत एक दूसरे के काफी करीब हैं।

बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के ठिकानों पर सी.बी.आई. के छापे

सी.बी.आई. की टीमों ने जयपुर, भीलवाड़ा, टोंक, सवाईमाधोपुर, नागौर, भरतपुर सहित 14 ठिकानों पर कार्रवाई की

- चार महीने पहले भी ई.डी. की टीम ने मेघराज सिंह के ठिकानों पर कार्रवाई की थी।
- हालांकि, मेघराज सिंह ने मीडिया में अपना नाम आने के बाद एक लेटर जारी कर अपने किसी भी ठिकाने पर सी.बी.आई. की रेड से इंकार किया है।

जयपुर/टोंक/भीलवाड़ा, 22 जून (निसं)। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने बजरी कारोबारी मेघराज सिंह रॉयल (मेघराज ग्रुप) के अलग-अलग 14 ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी करते हुए कई दस्तावेज सहित अन्य वस्तुयें जब्त की है। सी.बी.आई. की टीम जयपुर में ग्रुप के दो सौ फीट बायपास के पास स्थित ऑफिस समेत चौदह ठिकानों पर छापेमारी है। इनमें मेघराज सिंह के घर, चौमूं सर्किल स्थित ऑफिस, टोंक, भीलवाड़ा, भरतपुर, सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा और नागौर स्थित ऑफिस भी शामिल हैं। ऑफिस में मौजूद सभी कागजों की जांच की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार एन्फोसेमैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) को इस केस में मेघराज सिंह ग्रुप के खिलाफ कई सबूत मिले थे। इसके बाद ई.डी. ने दिल्ली ऑफिस में मेघराज सिंह सहित ग्रुप के अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था। अधिकांश लोग ई.डी. कार्यालय नहीं पहुंचे थे। इसके बाद इस केस पर आगे कार्रवाई के लिए सी.बी.आई. ने प्लान बनाया। दोनों एजेंसियां इस केस पर अलग-अलग एंगल से काम कर रही हैं। इसी के तहत सी.बी.आई. इस ग्रुप पर कई समय से नज़र बनाए हुए थी। छापेमारी के दौरान भीलवाड़ा में लीज धारक संजय गर्ग के कार्यालय पर कार्रवाई की। इसी तरह टोंक जिले के धांधोली स्थिति एस.आर. एसोसिएट्स के ऑफिस में भी कार्रवाई की गई है। सी.बी.आई. ने अपनी तीसरी कार्रवाई जहाजपुर में शेखावत एसोसिएट के ऑफिस में की। सी.बी.आई. के अधिकारी सभी ठिकानों पर लगातार तलाशी अभियान चलाकर पूछताछ करने में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि, छापे में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, 20 लाख रुपए नकद और हथियार मिले हैं।

भीलवाड़ा संवाददाता के अनुसार:- भीलवाड़ा में भी सी.बी.आई. ने सुखड़िया नगर के दफ्तर पर चार घंटे तक जांच पड़ताल की। इसके अलावा उसके सुखाड़िया सर्किल के पास स्थित आवास में चल रहे दफ्तर पर रेड की। जहां करीब 8 घंटे तक सी.बी.आई. के अधिकारियों ने जांच पड़ताल की। हालांकि, मेघराज सिंह ने मीडिया में अपना नाम आने के बाद एक लेटर जारी कर अपने ठिकानों पर सी.बी.आई. की रेड से इंकार किया है। मेघराज सिंह ने पत्र में लिखा कि मेरे या मेरे किसी भी परिसर में सी.बी.आई. की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई हैं। उधर, सी.बी.आई. की इस कार्रवाई से बजरी माफियाओं में हड़कम्प पर मच गया हैं। इसके बाद से सभी इधर-उधर हो गए हैं।

गौरतलब है कि, चौदह फरवरी को मेघराज ग्रुप के ठिकानों पर ई.डी. ने भी छापेमारी की थी। जयपुर समेत पचास जगहों पर ई.डी. की टीम ने रेड की थी। इस दौरान ई.डी. के अधिकारियों ने डिजिटल सबूत, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और 35 लाख की नकदी सीज की थीं तीन दिन चली इस रेड में मेघराज सिंह से ई.डी. का संपर्क नहीं हो पाया था। मेघराज के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वो नहीं मिला था। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2020 में सियासी संकट के वक्त मेघराज सिंह के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ होटल में कांग्रेस नेताओं की बाड़ेबंदी की गई थी। तभी से ये ग्रुप जांच एजेंसियों की नजर में था।

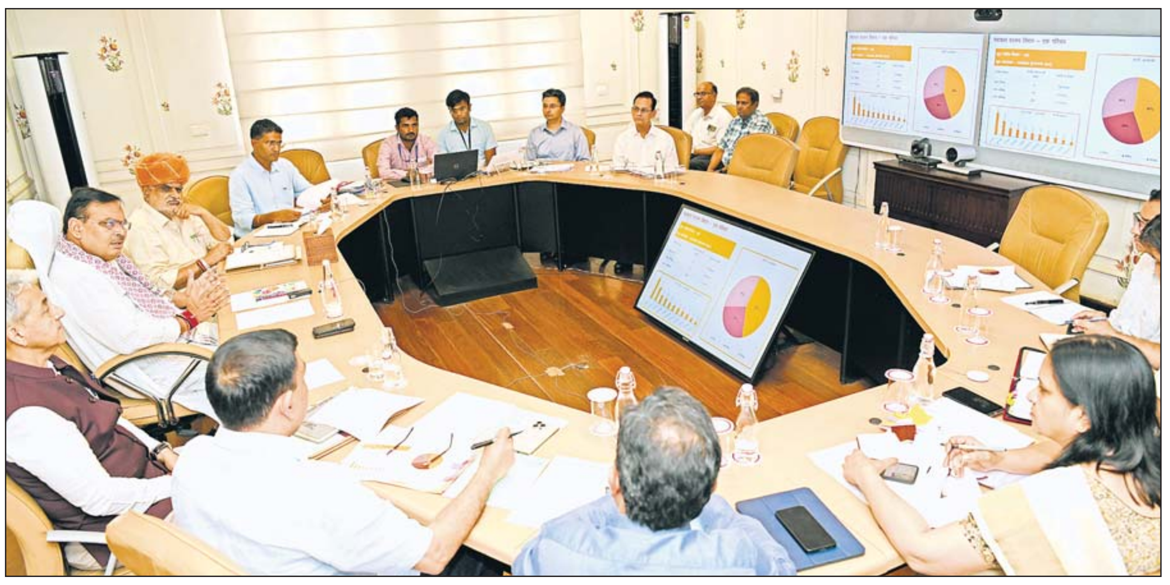

प्रदेश के आठ शहरों को प्रदूषण फ्री बनाने की योजना के तहत 500 इलैक्ट्रिक बसें चलाई जायेंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में कई नवीन योजनायें संचालित करने व पुरानी योजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। इसके अलावा बैठक में 106 स्थानों पर 223 करोड़ रूपये की लागत से सॉलिड वैस्ट प्रोसैसिंग प्लांट तैयार करने का भी निर्णय लिया गया।

'हाईटैक सिटी के निर्माण के लिए जे.डी.ए. कार्ययोजना बनाए'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कहा कि, नगर निकायों में संचालित विकास परियोजनाओं को समय से पूरा करें

- मुख्यमंत्री ने कहा कि, शहरी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए आरंभ की गई प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत राजस्थान में 8 शहरों में 500 बसें चलाई जाएंगी।
- बैठक में नगर विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत सहित अन्य बड़े अधिकारी मौजूद थे।

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और उन्होंने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में उपलब्ध संपत्ति का उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने हाईटैक सिटी निर्माण के लिए जे.डी.ए. को कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग को नगरीय विकास कर संग्रहण प्रणाली को बेहतर बनाकर राजस्व आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के शहरी निकायों में विकास कार्यों व योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन की जरूरत के अनुसार विकास परियोजनाओं के माध्यम से आधारभूत ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। पानी, बिजली, सड़क की सहज उपलब्धता के जरिए संस्थागत रूप से शहरी विकास को सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बनाए जाने वाले आवासों के लिए केन्द्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर स्वीकृति जारी करवाएं। उन्होंने प्रदेश में चल रही केन्द्र व राज्य सरकार की संयुक्त वित्त पोषित परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए राज्य सरकार के अंशदान को निश्चित समय से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने, चल रहे विकास कार्यों का भी समय-समय पर सत्यापन कराने और विकास कार्यों की डेली रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए और अमृत 2.0 योजना के रिव्यू करने के लिए नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव को कहा।

शहरी क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस योजना के तहत राजस्थान के 8 शहरों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर और बीकानेर) में कुल 500 ई-बसों को चलाने की योजना को जल्द मूर्तरूप देने के निर्देश दिए। श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत प्रदेश में कुल 2 करोड़ 56 लाख 86 हजार 708 जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्रदेश में जनवरी 2024 से अब तक 33 हजार लोगों को लोन मिल चुका है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण की पूर्ण एवं प्रगतिरत विकास परियोजनाओं समीक्षा की। शर्मा ने जेडीसी मंजू राजपाल को निर्देशित किया कि सैक्टर रोड़ बनाने के कार्य में तीव्रता लाई जाए। उन्होंने हाइटैक सिटी के निर्माण के लिए जे.डी.सी. को कार्ययोजना तैयार करने, एयरपोर्ट से टोंक रोड एवं आगरा रिंग रोड कनैक्टिविटी व रेलवे स्टेशन से सीकर रोड तक कनैक्टिविटी के लिए एलिवेटेड रोड का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार इन्द्रजीत सिंह सहित नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कर्नाटक की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवाएं ली थीं। प्रधानमंत्री मोदी तक ने अपने "विज़न-2024" का ब्ल्यू प्रिंट तैयार करवाने में बी.सी.जी. की मदद ली थी। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकारें व एन.जी.ओ. भी फीडबैक व सूचना प्राप्त करने तथा अपने सिस्टम में सुधार की नवीनतम तकनीकों को लेकर उनकी सलाह लेते हैं। राव ने कहा कि "यदि विजेन्द्र बेवकूफी भरी बातें करते हैं तो सिर्फ इसलिए कि उनमें ज्ञान की कमी है। हम इतना ही कह सकते हैं।" कर्नाटक की कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी राजस्व प्राप्तियों में इजाफा करने के सुझाव मांगने के लिए हाल ही एक कन्सलटैंसी फर्म बी.सी.जी. की सेवाएं ली हैं।

क्या टी.एम.सी. व कांग्रेस में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्केट में गड़बड़ी करने के आरोपों के चलते इसके खिलाफ एस.ई.बी.आई (सेबी) से जांच कराने की मांग को लेकर संयुक्त रूप से किए जाने वाले प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर मुम्बई में शरद पवार से मुलाकात की थी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस गड़बड़ी के मुद्दे को उठाया था और कुछ दिन पूर्व आयोजित की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गडबड की जांच जे.पी.सी. से कराने की मांग की थी। हालांकि टीएमसी के नेताओं ने कहा कि मुम्बई में होने वाले इस प्रदर्शन में कांग्रेस को शामिल नहीं किया जाए। अब ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले कुछ दिनों में परिस्थितियां काफी कुछ बदल गई है। हाल ही के दिनों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदम्बरम कलकत्ता के राज्य सचिवालय में मुख्य मंत्री से मिलने गए। समझा जाता है कि यहां उन्होंने ममता बनर्जी से प्रियंका के लिए वायनाड में चुनाव प्रचार करने का अनुरोध किया है। संयोगवश, अधीर रंजन चौधरी, जो पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्री के तथाकथित आलोचक के रूप में जाने जाते हैं, के तेवर भी अब नरम पड़ गए लगते है। कुछ दिन पहले ही चौधरी ने स्पष्ट किया था मुख्यमंत्री के साथ उनके मतभेद राजनीतिक थे, व्यक्तिगत नहीं थे। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2011 में विधान सभा चुनावों से पहले उन्होंने सोनिया गांधी को सलाह दी थी कि वामपंथियों से चुनावों में मुकाबला करने के लिए टीएमसी के साथ गठबंधन कर लेना चाहिए उस समय इस बात पर जोर देकर कहा था कि बंगाल में ममता बनर्जी सबसे विश्वसनीय चेहरा हैं।

नीट पी.जी. प्रवेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अनियमितताओं की घटनाओं को देखते हुए इस परीक्षा को टालने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को जांच परखा रखा जाएगा और नई तिथियां की घोषणा जल्दी की जाएगी।

सूरसागर सांप्रदायिक उपद्रव मामला : पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगाई, 45 उपद्रवी गिरफ्तार

सूरसागर क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह की दीवार के पास दो दरवाज़े अवैध रुप से निकाले जाने को लेकर शुक्रवार की रात बवाल हो गया था

- मामला इतना बढ़ा कि, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया और दुकान व ट्रैक्टर में आग लगा दी।
- समझाइश कर रहे पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एस.एच.ओ. नितिन दवे भी घायल हो गए।

जोधपुर, 22 जून (कासं)। शहर के सूरसागर क्षेत्र में ईदगाह की दीवार के पास दो दरवाजे अवैध रुप से निकाले जाने को लेकर शुक्रवार की रात हुए बवाल के बाद शनिवार को स्थिति तनावपूर्ण मगर कंट्रोल रही। पुलिस ने सख्ती करते हुए सूरसागर, प्रतापनगर, प्रतापनगर सदर, देव नगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में 22 जून सुबह छह बजे से आगामी आदेश तक धारा 144 लगाई है।

डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि वृत प्रतापनगर के पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगाई गई है। शुक्रवार रात उपजे सांप्रदायिक तनाव के बाद पुलिस अब तक 200 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर 45 उपद्रवियों को गिरफ्तारी कर चुकी है। पुलिस के आला अधिकारी कल रात से ही सूरसागर क्षेत्र में डेरा डालकर बैठे हैं और क्षेत्र में आरएसी और एसटीएफ की बटालियन पुलिस जाब्ते के साथ तैनात है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात को मावडियों की घाटी क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह परिसर में अवैध रास्ता खोलने के विवाद को लेकर दो पक्षों में बढ़े विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया था। मौके पर जमकर कांच की बोतलें फेंकी गई और पत्थरबाजी की गई। एक दुकान को जला दिया गया। बवाल की सूचना मिलते ही पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने मौके पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, प्रशासन ने निगम की टीम को बुलाकर मौके से कांच और पत्थर हटवाए। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन नियंत्रण में है। पुलिस फोर्स इलाके में गश्त कर रही है। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है। सूरसागर क्षेत्र में हुए साम्प्रदायिक तनाव को लेकर कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने जोधपुर को अपनायत का शहर बताते हुए दोनों पक्षों से की शांति बनाए रखने की अपील की।

शहर विधायक अतुल भंसाली और सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी ने भी घटना स्थल पर पहुंच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने अलग-अलग गली मोहल्ले में मार्च किया। आमजन और पुलिस पर पथराव करने वाले उपद्रवियों की पुलिस ने धरपकड़ करनी शुरू की तो आरोपियों के परिवार जनों ने आक्रोश जताया। एडीसीपी नरपत और निशांत, लाभूराम व राजेन्द्र दिवाकर भी मौके पर है। बताया जाता है कि ईदगाह का गेट निकालने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद आगजनी-पथराव में बदल गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया और दुकान व ट्रैक्टर में आग लगा दी। इस बीच समझाइश कर रहे पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं हैं। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और करीब 15 आरोपियों को हिरासत में लिया। पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एस.एच.ओ. नितिन दवे भी घायल हो गए।

एन.टी.ए. प्रमुख को सरकार ने पद से हटाया

- केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पेपर लीक की जांच एन.टी.ए कार्यप्रणाली में कमियों को ढूंढ़ने एवं परीक्षाओं सुधार के सुझाव देने उच्चस्तीय समिति गठित की।
- इस समिति का प्रमुख इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन को बनाया गया है।

नई दिल्ली, 22 जून। नीट-यू.जी और यू.जी.सी.-नेट परीक्षाओं के आयोजन में अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर नैशनल टैस्टिंग एजेंसी के प्रमुख सुबोध कुमार सिंह को शनिवार रात उनके पद से हटा दिया गया। उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में प्रतीक्षा पर रखा गया है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नियमित एन.टी.ए. प्रमुख की नियुक्ति होने या अगले आदेश तक उनके स्थान पर 1985 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी प्रदीप सिंह करोला को नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) का शीर्ष नेतृत्व प्रतियोगी परीक्षाओं-नीट और नेट में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में है। पेपर लीक को अब कैसे रोका जाए पेपर लीक, क्या होने चाहिए सुधार? इसको लेकर एक समिति गठित की गई है। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) के माध्यम से परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। डॉ. के राधाकृष्णन आईआईटी कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

पैनल में दिल्ली स्थित एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति बी.जे. राव, आईआईटी दिल्ली में छात्र मामलों के डीन आदित्य मित्तल और आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रोफेसर राममूर्ति के. शामिल हैं।

मु.मंत्री नायडू ने जगन मोहन रेड्डी की पार्टी का कार्यालय ध्वस्त करवाया

अमरावती, 22 जून। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाय.एस.आर.सी.पी. का कार्यालय शनिवार सुबह विजयवाड़ा के ताडेपल्ले जिले में ध्वस्त कर दिया गया। ऑफिस को गिराने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया गया। इसके तुरंत बाद वाय.एस.आर.सी.पी. ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। वाय.एस.आर.सी.पी. के अनुसार, सत्तारुढ़ तेलगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। वाय.एस.आर.सी.पी. ने हाईकोर्ट का दरवाया खटखटाया है।

नाबालिग से बार-बार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3.25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इस प्रकरण में अन्य आरोपी रिछपाल, कृष्णा, सुरज्ञान और घनश्याम के खिलाफ अलग से ट्रायल चल रही है। अपराध में दीपक और मुकेश की भूमिका को लेकर जांच लंबित है। अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म जैसा घृणित अपराध किया उसे ब्लैकमेल कर पैसे और गहने हड़प लिए। अभियुक्तों ने पीड़िता को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक आघात पहुंचाया है। इसलिए अभियुक्तों के खिलाफ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 26 सितंबर, 2019 को रेनवाल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि पवन कुमार ने चार साल पहले उसके भाई से जान-पहचान की थी। इसके तीन माह बाद पवन उसे किसी खग बाबा के यहां मिला और वहां से बहला-फुसलाकर ले गया और दुष्कर्म के बाद वीडियो बना लिया। इसके बाद पवन ने उसके साथ कई बार संबंध बनाए। वहीं कुछ दिनों बाद हंसराज से भी दुष्कर्म कराया।

हंसराज ने भी वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और उसकी मां व दादी के सारे जेवरात व दस हजार रुपए भी ऐंठ लिए। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्तों ने उसे कृष्णा, घनश्याम, छोटू और दीपक सहित अन्य लोगों के सुपुर्द भी किया उन्होंने भी उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसके मोबाइल नंबर कई दूसरे लोगों को भी दे दिए। अब अभियुक्त उसकी छोटी बहन से संबंध बनवाने के लिए ब्लैकमेल कर रहे हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किए।

इंडिया गठबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल ज्यादा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजीजू ने बताया कि महताब को इसलिए इस पद के लिए चुना गया है क्योंकि निचले सदन के सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल निर्बाध रूप से सबसे लम्बा रहा है।

रिजीजू ने खुलासा किया कि यद्यपि सुरेश आठ बार के सांसद हैं परन्तु वे 1998 से 2004 तक लोकसभा के सदस्य नहीं थे इसलिए संसद के निचले सदन में उनका कार्यकाल निर्बाध नहीं रहा है।

कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने आठ बार के संसद सदस्य के. सुरेश को प्रो-टैम नहीं बनाकर सात बार के सांसद महताब को प्रो-टैम स्पीकर के लिए चुनकर "संसदीय परम्पराओं को नष्ट" किया है।

भाजपा ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाते हुए अवैध शराब करोबार को बढ़ावा देने में राज्य सरकार की कथित भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के इस्तीफे की मांग की।

कल्लाकुरिची के कलैक्टर ने बताया कि "इस प्रकरण में अब तक सात जने गिरफ्तार किए गए हैं और इस केस को तमिलनाडू पुलिस की सी.बी.आई.-सी.आई.डी. शाखा को सौंप दिया गया है। पीड़ितों को अच्छा से अच्छा उपचार दिया जा रहा है। शुरुआत में स्पेशल डॉक्टर्स काम पर लगाए गए। विभिन्न मैडिकल कॉलेजों के करीब 56 डॉक्टर्स को बीमारों के उपचार में लगाया गया है। कई पीड़ित, जिन्हें सांस लेने में दिक्कत थी, अब रिकवर हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस दुखान्तिका में जिन बच्चों ने अपने एक या दोनों अभिभावकों को खोया है, राज्य सरकार उनकी शिक्षा और हॉस्टल का खर्च वहन करेगी। उन्होंने इस दुखान्तिका के प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रूपए और उपचाररत लोगों के लिए प्रत्येक 50 हजार रूपए देने के घोषणा भी की है।

उल्लेखनीय है कि गत 19 जून को हुए इस हादसे में एथेनॉल मिश्रित अवैध शराब पीने के बाद 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। तमिलनाडू सरकार मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व जज बी. गोकुलदास की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश दिया है।

भजनलाल पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टुकड़े करके जब जयपुर ग्रेटर और जयपुर हैरिटेज नगर निगम बनाया गया, तो परकोटे का अधिकांश एरिया हैरिटेज निगम में था, हैरिटेज निगम के चारों विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास निगम में वर्चस्व बनाने के लिए अपने-अपने चहेते पार्षदों को बिल्डिंग, राजस्व, अतिक्रमण और लाइसेंस से जुडी समितियों को चेयरमैन बनाना चाहते थे, पर कांग्रेस महापौर मुनेश गुर्जर भी अपनी पावर किसी के साथ साझा नहीं करना चाहती। नतीजन "चेयरमैनशिप" की इस लड़ाई में पार्षद और कांग्रेस के विधायक उलझ कर रह गए, इसलिए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं हुई।

गहलोत सरकार में कांग्रेस के विधायकों ने अपने अपने नगर निगम जोन ऑफिस में उपायुक्त से लेकर बिल्डिंग शाखा के अफसर भी अपनी पसंद के ही लगाए, इसलिए अतिक्रमणों की बाढ़ आ गई। जयपुर ही नहीं जोधपुर और कोटा में भी अतिक्रमण हटाने की कोई बड़ी कार्रवाई पिछले 5 साल में नहीं हुई। वर्तमान में भाजपा सरकार के नेतृत्व में जयपुर शहर के तमाम प्रमुख रास्तों टोंक रोड, मानसरोवर, गोपालपुरा बायपास, सिरसी रोड, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, स्टेशन रोड, कलेक्ट्री से एम.आई.रोड, चांदपोल रोड, जयपुर परकोटा, आदर्श नगर, राजापार्क इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होने जा रहा है, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल अपने चुनाव क्षेत्र सांगानेर से कर चुके हैं।

- यही स्थिति तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर व शांति धारीवाल के गृह नगर कोटा की हैं, जहां भारी अतिक्रमण की घटनाएं हुई हैं।
- इसके विपरीत मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने अपने क्षेत्र सांगानेर में 100 फीट सैक्टर रोड को लगभग अतिक्रमण मुक्त कर दिया, किसी भी तरह के राजनैतिक दबाव में आए बिना।

जे.डी.ए. प्रशासन द्वारा गत 18 जून से हीरा पथ बी 2 बाईपास न्यू सांगानेर रोड़ से वन्देमातरम् मार्ग तक प्रस्तावित 100 फीट सेक्टर रोड़ में करीब 2.5 कि.मी. तक रोड़ सीमा में किये गये अवैध अतिक्रमणों हटाया जा रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट भी जयपुर शहर में अवैध अतिक्रमण हटाने का एक्शन प्लान जेडीए और नगर निगम से मांग चुका है। जे.डी.ए. के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेंद्र कुमार शर्मा के मुताबिक 18 जून को पृथ्वीराज नगर (दक्षिण), सभी उपनियंत्रक प्रवर्तन और ज़ोन 1, 8 व 14 के प्रवर्तन अधिकारियों ने वन्देमातरम् चौराहा से हीरापथ बी 2 बाईपास, न्यू सांगानेर रोड़ की दोनों तरफ तक करीब 1 कि.मी. के दायरे में मकान, दुकान व बाउण्ड्रीवाल एवं अस्थाई झुग्गी-झोपडियों के 85 अतिक्रमणों को जेसीबी, पोकलेण्ड मशीन व लोखण्डा गैस कटर की सहायता से हटाया।

इसके बाद 19 जून को इस कार्यवाही को जारी रखते हुए करीब 800 मीटर आगे तक रोड़ सीमा में लगभग 70 मकान-दुकानों के किये गये अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। 20 जून को भी करीब 700 मीटर दूरी में लगभग 70 मकान-दुकानों के किये गये अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को हटाया। अब तक कुल 251 में से लगभग 225 कब्जे-अतिक्रमण इन तीन दिनों में हटाए गए हैं, शेष पर कार्यवाही जारी है। न्यू सांगानेर रोड पर हो रही यह कार्रवाई, जयपुर शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बसने वाले अतिक्रमियों को स्पष्ट चेतावनी के तौर पर देखी जा रही हैं, जिसका सीधा सा मैसेज है कि "अतिक्रमण करने वालों को भजनलाल सरकार किसी सूरत में नहीं बख्शने वाली।"

सरकार ने राजधानी जयपुर में अतिक्रमणों को हटाने की कवायद शुरु कर दी हैं। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर से ही की हैं। गत 19 जून को सांगानेर में 251 अतिक्रमणों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908